NIEPMD

वार्षिक प्रतिवेदन

2013-14

वार्षिक प्रतिवेदन

2013-14

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान

(एनआईईपीएमडी)

(अशक्तता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)
ईसीआर, मुत्तुक्कादु, कोवळम् (पीओ), चेन्नै - 603 112
दूरभाष : 044-27472113/2046, फैक्स : 044-27472389
ई मेलः niepmd@gmail.com वेबसाइटः www.niepmd.tn.nic.in

विषय वस्तु

अध्याय संख्या		पृष्ठ संख्या
	एनआईईपीएमडी के 2013-14 वर्ष के कार्यकलापों की विशिष्टताएं	
1.	प्रस्तावना	1
2.	संगठनात्मक संरचना	5
3.	मानव संसाधन विकास और प्रशिक्षण 3.1 दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम 3.2 अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम 3.3 कार्यशालाओं/सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लेनेवाले प्राध्यापकगण/अधिकारीगण	8
4.	सेवाएँ	15
5.	विकलांगों की सहायता हेतु क्रय/साधनों को बिठाने/उपकरणों (एडीआईपी) की योजना	50
6.	अनुसंधान और विकास	52
7.	महत्वपूर्ण घटनाएँ	59
8.	प्रशासन	74
9.	विकलांग व्यक्तियों के लिए संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र	79
10.	लेखा परीक्षा प्रतिवेदन और वार्षिक लेखाएँ	88
	परिशिष्ट 1. अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण 2. कार्यशालाओं/सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लेनेवाले प्राध्यापकगणों/अधिकारीगणों की सूची	 i xv

वर्ष 2013-14 के एनआईईपीएमडी के कार्यकलापों की विशिष्टताएं

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन बहु विकलांग व्यक्तियों के अधिकारिता का राष्ट्रीय संस्थान 2005 में ईसीआर, मुत्तुक्काडु, चेन्नै, तमिलनाडु में स्थापित हुआ। यह राष्ट्रीय संस्थान उन व्यक्तियों जिनको दो या उससे अधिक विकलांगताये है उनके उद्देश्य की पूर्ति के लिए कार्य करेगा। पीडबल्यूडी (1995) के अधिनियम के अनुसार नाम निर्देशित हुई विकलांगता हैं, अल्प दृष्टि, अंधता, चलने-फिरने में विकलांगता, श्रवण क्षति, मानसिक मंदन, मानसिक बीमारी, कुष्ठरोग मुक्त व्यक्ति, और राष्ट्रीय ट्रस्ट (1999) के अधिनियम के अनुसार प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात और आत्म विमोह हैं। 2013-14 वर्ष के दौरान, एनआईईपीएमडी ने कई विशिष्टताएँ प्राप्त कीं; उनके कुछ विवरण निम्नलिखित हैं:

- एनआईईपीएमडी ने 2 अप्रैल, 2013 को विश्व आत्म-विमोह बोध दिवस मनाया। इस अवसर पर आत्म-विमोह के डिप्लोमा प्रशिक्षणार्थियों तथा आत्म विमोह ग्रस्त व्यक्तियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाये गये।

- 2013-14 वर्ष के दौरान एनआईईपीएमडी ने दो अतिरिक्त नये पाठ्यक्रम प्रारंभिक हस्तक्षेप में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और एम.फिल. (क्लीनिकल साईकोलोजी) शुरू किये।

- भारत सरकार के अशक्तता मामलों का विभाग, एमएसजे एवं ई, की सचिव श्रीमती स्तुति कक्कड़, की अध्यक्षता में 5 दिसंबर 2013 को नई दिल्ली में एनआईईपीएमडी की सामान्य परिषद् की बैठक संपन्न हुई।

- अशक्तता मामलों का विभाग, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार के सह सचिव की अध्यक्षता में एनआईईपीएमडी की कार्यकारी परिषद् की बैठकें 09 जुलाई 2013, 09 नवंबर 2013 और 13 फरवरी 2014 को हुई।

- एनआईईपीएमडी में 27 जून 2013 को हेलेन केल्लेर का जन्म दिन मनाया गया। इस अवसर के स्मरणोत्सव में एनआईईपीएमडी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाया और बधिरा-अंधेपन के अभिभावकों को कल्याणमापन प्रदान किया। बधिरा-अंधेपन के प्रशिक्षणार्थियों तथा बधिरा-अंधेपन के व्यक्तियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाये गये। इस उत्सव के दौरान आर्थिक शक्तिदेन कार्यक्रम के अधीन बधिरा-अंधापन ग्रस्त व्यक्तियों के अभिभावकों को सिलाई की मशीनें दी गयीं।

- अशक्तता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 25 से 28 जुलाई 2013 के दौरान नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित "स्वाभिमान-विकलांग व्यक्तियों के साधनों और उपकरणों पर राष्ट्रीय प्रदर्शनी" में एनआईईपीएमडी ने भाग लिया।

- परिवार ने एनआईईपीएमडी में 7 और 8 अगस्त 2013 को "बौद्धिक और विकासशील अशक्तताएँ "शीर्षक पर चेन्नै राऊण्ड टेबल महासभा 2013 चलायी। तमिलनाडु सरकार के समाज कल्याण और पौष्टिक भोजन कार्यक्रम विभाग की माननीय मंत्री श्रीमती वळरमति मुख्य अतिथि रहीं। इस कार्यक्रम में माननीय मंत्री ने एनआईईपीएमडी के सभी सेवा कार्यकलापों को देखा। निदेशक ने मंत्री महोदया को विकलांग व्यक्तियों को दिये जानेवाले विभिन्न पुनर्वास कदमों और सेवाओं को संक्षेप में बताया।

- एनआईईपीएमडी और अशक्तता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सम्मिलित तत्वावधान में गुवाहाटी में 27 और 28 सितंबर, 2013 को 'बहु विकलांग व्यक्तियों का पुनर्वास' पर उत्तर-पूर्व महासभा आयोजित की। माननीय मंत्री श्री पोरिका बलराम नायक, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार, मुख्य अतिथि रहे। और श्री अकोन बोरा, जेल और समाज कल्याण मंत्री, असम सरकार विशिष्ट अतिथि रहे।

- श्री प्रसन्न कुमार पिंचा, मुख्य आयुक्त, विकलांग व्यक्तियों के मुख्य आयुक्त का कार्यालय, नई दिल्ली, ने 6 अक्तूबर, 2013 को एनआईईपीएमडी का निरीक्षण किया।

- अशक्तता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, एनआईईपीएमडी तथा वी केयर फिल्म फेस्ट के सम्मिलित तत्वावधान में 26 और 27 अक्तूबर, 2013 को सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, गैंगटोक में विकलांगों पर फिल्में दिखायी गयीं। श्री टी.आर. सुब्बा, कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि रहे। श्रीमती टी. रेवती, अध्यक्षा, ठाकुर हरिप्रसाद संस्थान, हैदराबाद, विशिष्ट अतिथि थीं। इन दिनों में विभिन्न अशक्तता पर आधारित समस्याओं की 27 फिल्में दिखायी गयीं।

- श्री अवनिश के अवस्थी, सह सचिव, डीडीए, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार, ने 9 नवंबर, 2013 को यहाँ भ्रमण किया। उन्होंने बहु विकलांग व्यक्तियों को दी जानेवाली विभिन्न सेवाओं और कार्यकलापों का निरीक्षण किया।

- एनआईईपीएमडी ने 27 और 28 नवंबर, 2013 को सिरी फोर्ट, नई दिल्ली में "विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास : उत्तम प्रयोग और पुनर्वास के नमूने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। श्रीमती स्तुति कक्कड़, सचिव, डीडीए, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार, मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने 27 नवंबर 2013 सुबह 10 बजे सम्मेलन का उद्घाटन किया। श्री अवनिश के अवस्थी, सह सचिव, डीडीए, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि थे।

- एनआईईपीएमडी द्वारा विकलांग व्यक्तियों का अन्तर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। विभिन्न कल्याण कार्यकलापों और कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। उत्सव के एक भाग के रूप में एनआईईपीएमडी ने विकलांग व्यक्तियों, अभिभावकों, कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों के लिए 26 से 29 नवंबर 2013 तक खेल-कूद कार्यक्रमों का आयोजन किया। एनआईईपीएमडी ने विकलांग व्यक्तियों और छात्रों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। खेल-कूद के विजेताओं को पुरस्कार और पदक दिये गये। आय प्रजनन कार्यक्रम के अधीन योग्य लाभभोगियों को सिलाई की मशीनें वितरित की गयीं।

- एनआईईपीएमडी ने अपने कार्यालय में दिनांक 26 फरवरी 2014 को पुदुवाषवु परियोजना के समुदाय अशक्तता सुविधाभोक्ताओं के लिए "अशक्तता की यथासमय पहचान, हस्तक्षेप और रोकथाम" पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कडलूर, तिरुवळ्ळूर, चेन्नै और काँचीपुरम जिले के विकलांग लाभार्थियों ने भाग लिया। श्री पी.एन. श्रीनिवास, मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन, लिमिटेड, चेन्नै मुख्य अतिथि रहे। डॉ. रेणुका श्रीधर, अतिरिक्त सीएमएस (जीडीएमओ) और श्री ए. महेन्द्रन, जनरल काउन्सिल के सदस्य, एनआईईपीएमडी विशिष्ट अतिथि थे।

- एनआईईपीएमडी ने 14 से 16 फरवरी 2014 को एनआईईपीएमडी, तमिलनाडु शरीरशिक्षा और खेलकूद विश्वविद्यालय, चेन्नै के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता' चलायी।

उक्त समारोह में डॉ. जे.ए. बेंजमिन, प्रधान सचिव, एसआईवीयूएस इंडिया और डॉ. एम.एस. नागराजन, वरिष्ठ प्रबंधक, विशेष ओलिम्पिक्स, एशिया पसिफिक क्षेत्र मुख्य अतिथि रहे।

- एनआईईपीएमडी ने वारांगल, आन्ध्र प्रदेश में 28 फरवरी से 1 मार्च 2014 तक "बहु विकलांग : पहचान, हस्तक्षेप, प्रबंधन और पुनर्वास" पर प्रान्तीय स्तर की कार्यशाला चलायी। श्री जी. किशन, आईएएस, जिला कलेक्टर और मैजिस्ट्रेट, वारांगल, उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उक्त अवसर पर डॉ. रामचन्दर दरक, प्राचार्य, काकातीया मेडिकल कॉलेज, वारांगल और प्रो. पी. जयचन्द्रन, विजय मानव सेवाएँ, चेन्नै, विशिष्ट अतिथि रहे।

- एनआईईपीएमडी तथा एनआईएचएच के सम्मिलित तत्वावधान में शिलांग, मेघालय में 14 एवं 15 मार्च 2014 को श्रवण क्षतियुक्त व्यक्ति और अतिरिक्त विकलांग–उत्तम प्रयोग और पुनर्वास के 'नमूने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर उत्तर पूर्व सम्मेलन का आयोजन किया।

अध्याय 1

प्रस्तावना

भारत सरकार के अशक्तता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा विकलांग व्यक्तियों के लिए कई महत्वपूर्ण प्रयत्न किये गये। देश के विभिन्न भागों में विभिन्न प्रकार के विकलांगों के लिए सात राष्ट्रीय संस्थानों का निर्माण किया गया और उनके क्षेत्रीय तथा संयुक्त केन्द्र भी खोले गये। विकलांग व्यक्तियों के उचित पुनर्वास सुनिश्चित करना तथा उन्हें भी समाज की मूलधारा में लाकर, उन्हें समाज के सक्रिय सदस्य बनाना ही इन राष्ट्रीय संस्थानों का मुख्य लक्ष्य है। यह प्रयत्न राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यों, नीतियों और विधानों से सीधा संबंध रखता है।

जैसा मालुम है कि विकलांग व्यक्तियों के लिए और हमारे देश में विकलांग व्यक्तियों के अधिकार के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अधिनियमन के लिए राष्ट्रीय नीति 2006 ने भारत में विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास की विकास-प्रक्रिया को एक नया आकार दिया है। विकलांग व्यक्तियों की राष्ट्रीय नीति ने अशक्तता और पुनर्वास के क्षेत्र में सेवा प्रदान करने के परोपकार या कल्याण पर आधारित माडल के स्थान पर अधिकार आधारित माडल के दृश्य-लेख को बदल दिया है। यूएनसीआरपीडी ने भी इसके अन्तर्निहित गौरव को मान्यता दी है और सभी विकलांग व्यक्तियों के मानवाधिकार को बढ़ावा देने तथा उसकी रक्षा करने की आवश्यकता पर मान्यता दी है। इसमें विकलांग व्यक्ति जिनको अधिक गहन अवलंब की आवश्यकता है, वे भी शामिल हैं। ऐसे कार्यों ने विकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता से संबंधित तीन अधिनियमों के अध्यादेश जैसे भारत की पुनर्वास परिषद् – 1992, विकलांग जन अधिनियम (समान मौके) अधिकारों की रक्षा, और पूर्ण सहभागिता) – 1995 और राष्ट्रीय ट्रस्ट अधिनियम 1995 (मानसिक मंदन, बहु विकलांगताएँ प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात और आत्म विमोह) विकलांग व्यक्तियों और उनके परिवारों के अधिकारों की प्रत्याभूति में मुख्य विशिष्टताएँ मानी गयी है। देशभर में विभिन्न विकलांगों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय संस्थानों का निर्माण मंत्रालय के स्तुत्य कदम हैं। पीडबल्युडी अधिनियम 1995 और राष्ट्रीय ट्रस्ट अधिनियम 1999 में निर्दिष्ट अशक्तताओं के अनुसार उनकी पूर्ति एनआईवीएच, एनआईएमहेच, एनआईएचएच, एनआईओएच, पीडीयूआईपीएच एवं एनआईआरटीएआर नामक छः राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा की गयी है। बहु विकलांग व्यक्तियों की सेवाएँ इसमें शामिल नहीं हैं। अतः, 2005 में, मंत्रालय ने बहु विकलांग व्यक्तियों को शक्ति प्रदान करने के विचार से एक राष्ट्रीय संस्थान निर्मित करने का विचार किया और इस प्रकार बहु विकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता के लिए एक राष्ट्रीय संस्थान देश

के दक्षिण भाग, चेन्नै में निर्मित हुआ। 2005 में इसके अस्तित्व से लेकर, एक या बहु विकलांग व्यक्तियों की सेवाएँ एनआईईपीएमडी में बाहरी रोगियों के रूप में, बहु विभागीय टीम मॉडल द्वारा प्रदान की जा रही हैं। कुटीर-सेवाएँ और विस्तार सेवाएँ भी दी जा रही हैं।

भारत की जनगणना 2011 ने आठ प्रकार के विकलांगों पर, पहली बार बहु विकलांगों के प्रचलन का चित्र प्रस्तुत किया और समाज के इस वर्ग के लिए पुनर्वास की विभिन्न सेवाओं की योजना बनाने में एनआईईपीएमडी को मार्गदर्शन भी किया। विकलांगता पर जनगणना के आंकडे 2011 ने यह दिखाया कि भारत में 2.68 करोड़ व्यक्ति विकलांग से पीडित हैं, जो पूरी आबादी में 2.21% से संघटित है, जिसमें से 21.16 लाख लोग बहु विकलांगों के वर्ग के हैं। विकलांगी व्यक्तियों के सभी मानवाधिकार सुनिश्चित करने निमित्त, विशेषकर, जिन बहु अशक्तताओं के व्यक्तियों को गहन सहयोग की आवश्यकता है, एनआईईपीएमडी ने 2013-14 वर्ष में काफी विस्तार से काम किया। एनआईईपीएमडी और उसके विस्तार केन्द्रों में 7548 आश्रितों ने पंजीकृत कर लिया। करीब 2140 व्यक्ति बहु विकलांगता से ग्रस्ति थे। और 5408 व्यक्ति एक विकलांगता से ग्रस्ति थे, जिन्हनें पंजीकृत कर लिया था। 42086 लाभार्थियों ने एनआईईपीएमडी और उसके विस्तार केन्द्रों से विभिन्न प्रकार के पुनर्वास की सेवाएँ प्राप्त कीं। उन लाभार्थियों में से 27,185 व्यक्ति बहुविकलांग से ग्रस्ति थे और बाकी 14901 व्यक्ति एकल विकलांगता के थे। चूँकि एनआईईपीएमडी विकलांग व्यक्तियों के पंजीकरण में शून्य प्रतिशत अस्वीकरण की नीति अपनाता है, सभी प्रकार की विकलांगताओं से ग्रस्ति व्यक्तियों को पंजीकृत करा लिया गया है। प्रधान मंत्री राष्ट्रीय परिषद् के कुशलता विकास कार्यक्रम द्वारा देश के 956 प्रशिक्षक विभिन्न प्रकार के कार्यों में प्रशिक्षण लेकर लाभान्वित हुए।

एनआईईपीएमडी बहु विकलांग व्यक्तियों के लिए एक राष्ट्रीय केन्द्र है, जो बहु विकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता के लिए मानवशक्ति के विकास के निमित्त पाठ्यक्रम के विकास पर संकेन्द्रित करता है दीर्घकालीन और अल्पकालीन पाठ्यक्रम चलाता है। 2013-14 के शैक्षिक वर्ष के दौरान, एनआईईपीएमडी में एक एम.फिल., दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा, एक डिग्री और तीन डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये। शैक्षिक वर्ष 2011-12 से एनआईईपीएमडी में दिये जानेवाले विशेष शिक्षा के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की कालावधि एक वर्ष से दो वर्ष की बढ़ा दी गयी। मानवशक्ति विकास के स्तर की वृद्धि करने के लिए, एनआईईपीएमडी ने अगले शैक्षिक वर्ष 2014-15 में व्यावसायिक चिकित्सा विज्ञान में स्नातक डिग्री प्रस्तावित की है। 2013-14 के दौरान, इस संस्थान ने 254 अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जिनमें पुनर्वास, दिग्विन्यास और बोध के पेशवरों के लिए तथा अभिभावकों, शिक्षकों और विकलांगहीन

छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये। कुल 9860 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। राष्ट्रीय विकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (एनआईईपीएमडी) ने विभिन्न स्थानों पर शिबिर चलाये और भारत सरकार की एडीआईपी योजना के कार्यान्वयन के लिए केन्द्रों का आयोजन किया और इस प्रस्तुत 2013-14 वर्ष के दौरान 1922 अशक्ततायुक्त व्यक्तियों के लिए 2390 साधन और उपकरण दिये गये।

एनआईईपीएमडी, सेन्स इण्टरनेशनल (भारत) और पेर्किन्स इण्टरनेशनल, यूएसए, के सम्मिलित तत्वावधान में "श्रवणक्षति-बधिरांध बच्चों के संचार-निर्धारण पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण "विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 1-3 अगस्त 2013 को एनआईईपीएमडी, चेन्नै में आयोजिति किया गया। श्री शिवशंकरन, आई.ए.एस., सचिव, असमान समर्थों का कल्याण विभाग, तमिलनाडु सरकार मुख्य अतिथि रहे। श्रवण क्षति और अंधता के लगभग 35 वरिष्ठ पेशेवर और परामर्शदाताओं ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। "परिवार" ने बुद्धिजीवी और विकासशील अशक्तताओं पर 7-8 अगस्त 2013 को एनआईईपीएमडी में चेन्नै राउण्ड टेबल सम्मेलन 2013 का आयोजन किया। माननीय मंत्री श्रीमती पी. वळरमति, समाज कल्याण और पौष्टिक भोजन कार्यक्रम विभाग, तमिलनाडु सरकार मुख्य अतिथि थीं। इस कार्यक्रम के दौरान माननीय मंत्री महोदया ने एनआईईपीएमडी के सभी सेवा कार्यकलापों का निरीक्षण किया।

इस वर्ष में एनआईईपीएमडी और विकलांगता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, ने मिलकर विशेषकर उत्तरी-पूर्व प्रान्तों के लिए "बहु विकलांग व्यक्तियों का पुनर्वास" पर उत्तर-पूर्व सम्मेलन गुवाहाटी में 27 एवं 28 सितंबर 2013 को सफलतापूर्वक चलाया। भूतपूर्व राज्य मंत्री पोरिका बलराम नाइक, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार तत्कालीन मुख्य अतिथि रहे और श्री अकोन बोरा, जेल और समाज कल्याण के मंत्री, असाम सरकार विशिष्ट अतिथि थे। एनआईईपीएमडी और इण्डियन स्कूल साइकॉलोजी एसोसिएशन (आईएनएसपीए) के संयुक्त तत्वावधान में "बहुविकलांग व्यक्तियों को पाठशाला मनोविज्ञान सेवाएँ" पर तीसरा आईएनएसपीए का राष्ट्रीय सम्मेलन एनआईईपीएमडी में 22 से 24 नवंबर, 2013 तक आयोजित किया। श्री पी. राजवेलु, पर्यटन और समाज कल्याण मंत्री, पुदुच्चेरी मुख्य अतिथि रहे और 22 नवंबर 2013 को सम्मेलन का उद्घाटन किया। एनआईईपीएमडी ने "बहु विकलांग व्यक्तियों का पुनर्वास – उत्तम प्रक्रियाएँ और पुनर्वास के मॉडल – राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य" पर सिरि फोर्ट, नई दिल्ली में 27 एवं 28 नवंबर, 2013 को एक राष्ट्रीय सम्मेलन चलाया। श्रीमती स्तुति कक्कड, सचिव, डीडीए, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार मुख्य अतिथि रहीं और 27 नवंबर 2013 के सुबह 10 बजे सम्मेलन का उद्घाटन किया। श्री अवनिश के

अवस्थी, सह सचिव, डीडीए, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि थे। लगभग 230 प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

'बहु विकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता के लिए राष्ट्रीय संस्थान की भूमिका' पर सलाहकार समिति की बैठक 18 दिसंबर 2013 को समिति रूम 'सी' संसद भवन अनेक्स, नई दिल्ली में हुई। उस समय की सम्माननीय मंत्री कुमारी शेल्जा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने अध्यक्षासन ग्रहण किया। उस समय के माननीय राज्य मंत्री श्री पोरिका बलराम नाइक, श्री माणिकराव होडलिया गविट, लोक सभा के सांसद, राज्य सभा के सांसद, श्रीमती स्तुति कक्कड़, सचिव, डीडीए, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार और श्री अवनिश के अवस्थी, सह सचिव, डीडीए, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार आदि उसमें उपस्थित थे।

आईएएस प्रशिक्षणार्थी अधिकारी के संस्थानगत अनुरक्ति कार्यक्रम के अंग के रूप में लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी, मुसौरी, देहरादून से 18 आईएएस अधिकारी एनआईईपीएमडी में 17 से 19 जनवरी 2014 तक सस्थानगत अनुरक्ति भ्रमण पर आये। एनआईईपीएमडी ने 14 से 16 फरवरी 2014 तक एनआईईपीएमडी, तमिलनाडु फिसिकल एजुकेशन एवं स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी, चेन्नै में विशेष शिक्षा प्रशिक्षणार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता चलायी। डॉ. जे.ए. बेन्जमिन, महा सचिव, एसआईवीयूएस, भारत और डॉ. एम.एस. नागराजन, वरिष्ठ प्रबंधक, विशेष ओलिम्पिक्स, एशिया पासिफिक क्षेत्र, उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि रहे।

जापानी मस्तिष्क शोथ और विकट मस्तिष्क ज्वर संलक्षण के कारण बहुअशक्तताओं की उच्च प्रचलन दर को मानते हुए एनआईईपीएमडी ने गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में विकलांग व्यक्तियों के लिए संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा अपने कार्यकलाप आरंभ किये। यह केन्द्र श्री जे.पी. गुप्ता, आई.ए.एस., आयुक्त, गोरखपुर प्रभाग द्वारा 18 फरवरी 2014 को उद्घाटित किया गया।

एनआईईपीएमडी की सेवाएँ **'गर्भ से मृत्यु तक'** की हैं। हमारी शुरूआत् की हस्तक्षेप इकाई द्वारा इलाज किये गये सबसे छोटा शिशु 9 दिन का था और सबसे बूढ़े छिन्नांग आश्रित की उम्र 96 की थी। बहु विकलांगों का संस्थान होने के कारण, कई तंत्रिका वैज्ञानिक की बिगड़ती अवस्थाओं, बहु चुनौतियों विरले संलक्षणों ने हमारे हर विभाग को पूर्ण रूप से सोचने को विवश किया है और उचित पुनर्वास नीतियाँ प्रावधान करने को बाध्य किया है। इन सेवाओं के दौरान जिनका देहान्त हुआ, निदेशक और कर्मचारी शोक भी व्यक्त करते हैं तथा संताप और शोक संबंधी परामर्श प्रदान करते हैं– सचमुच एक 'गर्भ से कब्र तक' की सेवा है।

अध्याय 2
संगठनात्मक संरचना

राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान एक स्वायत्त संस्था है जो सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमएसजे एवं ई), भारत सरकार के अधीन तमिलनाडु समाज पंजीकरण अधिनियम 1975 (1975 का तमिलनाडु अधिनियम 27) के अन्दर पंजीकृत है जिसकी पंजीकरण संख्या : 59/2006 दिनांक 23 अक्तूबर, 2006 है।

सचिव, एमएसजे एंव ई आम परिषद् (जिसी) के अध्यक्ष हैं और सहसचिव (अशक्तता प्रभाग) कार्यकारिणी समिति (ईसी) के अध्यक्ष हैं। निदेशक, एनआईईपीएमडी, जीसी और ईसी के मार्गदर्शन के अन्दर संस्थान के कार्यकलापों को कार्यान्वित करते हैं।

2.1 सामान्य परिषद् : यह परिषद् इस संस्थान के समूचे प्रबंधन का मार्गदर्शन करती है और मॉनिटर करती है। इस प्रतिवेदित कालावधि के दौरान यह परिषद् सम्मेलन कक्ष, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में 5 दिसंबर 2013 को मिली। सदस्यों का विवरण निम्नलिखित है।

सारणी 1 : जीसी के सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	क्र.सं.	नाम
01	सचिव, डीडीए, एमएसजे&ई, भारत सरकार (अध्यक्ष)	12	डॉ. कल्याण कृष्णन, आईआईटी, चेन्नै (सदस्य)
02	सुश्री पूनम नटराजन, (सदस्य), राष्ट्रीय ट्रस्ट	13	डॉ. आर.के. श्रीवास्तव, निदेशक, आम स्वास्थ्य सेवाएँ, एमएचएफडब्ल्यु (सदस्य)
03	मेजर जनरल इयान कार्डोज़ो, आरसीआई (सदस्य)	14	प्रधान सचिव, समाज कल्याण विभाग, तमिलनाडु सरकार (सदस्य)
04	सह सचिव, डीडीए, एमएसजे&ई, भारत सरकार (सदस्य)	15	प्रधान सचिव & निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएँ, तमिलनाडु सरकार (सदस्य)
05	सह सचिव & वित्तीय सलाहकार, एमएसजे&ई (सदस्य)	16	सह सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (सदस्य)
06	नियोजन & प्रशिक्षण के महा निदेशक (सदस्य)	17	निदेशक, एओईजेएनआईएचएच (सदस्य)
07	श्री अमिताभ मेहरोत्रा (सदस्य)	18	निदेशक, एनआईएमएच (सदस्य)
08	डॉ. एस.एस. बद्रीनाथ, शंकर नेत्रालय (सदस्य)	19	निदेशक, एनआईवीएच (सदस्य)
09	श्री ए. बालराज (सदस्य)	20	निदेशक, एनआईओएच (सदस्य)
10	सुश्री नन्दिता गुरजार, इन्फोसिस (सदस्य)	21	डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी, (सदस्य सचिव)
11	श्री एन. थामस एनगल्ली (सदस्य)		

सामान्य परिषद् की भूमिका और क्रियाएँ :

i. वार्षिक प्रतिवेदन पर विचार करना।
ii. पिछले वर्ष के तुलनात्मक और लेखापरीक्षित लेखा पर विचार करना।
iii. अनुवर्ती वर्ष के वार्षिक प्रस्तावों की प्राप्ति और विचार।
iv. ऐसे अन्य मामले या वे मामले जिनका अध्यक्ष निर्देश करें।

v. सामान्य परिषद् के अध्यक्ष सभी बैठकों की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे और अन्य मामले के संबंध में अपने विचार पर ध्यान देने की कार्यकारिणी समिति को प्रस्तावित करेंगे; जिनपर विचार करना आवश्यक हो।

2.2 कार्यकारिणी समिति : कार्यकारिणी समिति संस्थान के मामलों के प्रबन्धन और प्रशासन का उत्तरदायित्व रखती है। जनरल परिषद के सामान्य नियंत्रण और निर्देशन के अधीन आती है। उसको दिये गये अन्य कार्य हैं :

i. संस्थान के प्रयोजन के लिए विशाल नीति बनाकर उसका कार्यान्वयन करना।

ii. बजट आकलन का पुनरीक्षण करके संस्तुति करना।

iii. वित्तीय उपविधियों में निर्धारित व्यय पर अनुमोदन करना।

iv. समयोचित शर्तों और निबन्धों पर उधार लेना।

v. पदों को बनाना और कर्मचारियों को भर्ती करना तथा नियुक्त करना।

इस नियत काल में परिषद् 09.07.'13, 09.11.13 और 13.02.14 को मिली। सदस्यों का विवरण निम्नलिखित है:

सारणी 2 : ईसी के सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	क्र.सं.	नाम
1.	सह सचिव, डीडीए, एमएसजे&ई, भारत सरकार (अध्यक्ष)	03	उप सचिव, (एनएलएस&डीडी-I), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (सदस्य)
02	सह सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार (सदस्य)	04	डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी, (सदस्य सचिव)

2.3 शैक्षिक समिति :

शैक्षिक समिति संस्थान द्वारा लिये जानेवाले प्रशिक्षण, अनुसंधान और पुनर्वास कार्यक्रमों पर सलाह और मार्गदर्शन देती है। समिति के अध्यक्ष डॉ. रत्ना, तत्कालीन निदेशक, एआईआईएसएच और पुनर्निर्माण के क्षेत्र के अन्य विशेषज्ञ होंगे। समिति के सदस्यों की बनावट नीचे दी गयी है।

सारणी 3 : समिति के सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	क्र.सं.	नाम
01	डॉ. रत्ना, तत्कालीन निर्देशक, एआईआई एसएच (अध्यक्ष)	07	डॉ. करुणानिधि, विभागाध्यक्ष (मनोविज्ञान), मद्रास विश्वविद्यालय (सदस्य)
02	डॉ. ए.के. मित्तल, तत्कालीन क्षेत्रीय निर्देशक, एनआईवीएच, (सदस्य)	08	प्रो. रूप नागराजा, विभागाध्यक्ष, वाणी व श्रवण विभाग, रामचन्द्र मेडिकल कॉलेज (सदस्य)
03	प्रो. पी. जयचन्द्रन, निदेशक, विजय मानव सेवाएँ, (सदस्य)	09	डॉ. पुरुषोत्तम, फ्रीलन्स साइकोलिंग्विस्टिक्स (सदस्य)
04	डॉ. विजयलक्ष्मी रेड्डी, प्रवक्ता, विशेष शिक्षा, एनआईएमएच, (सदस्य)	10	प्रो. रंगस्वामी, प्राचार्य और समन्वयक, स्वीकार–उपकार पुनर्निर्माण संस्थान (सदस्य)
05	श्री अखिलपाल, निदेशक, सेन्स इण्टरनेशनल, (सदस्य)	11	डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी, (संयोजक)
06	सिस्टर (डॉ.) रीटा मेरी, गाइडन्स होम फॉर दि अडल्ट डेफ गर्ल्स, (सदस्य)		

अध्याय 3

मानव संसाधन विकास

एनआईईपीएमडी बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए काम करनेवाला एक राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र है, जो बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता के लिए मानवशक्ति का विकास करने, दीर्घकालीन और अल्पकालीन पाठ्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के विकास पर अधिक ध्यान देता है। वर्ष 2013-14 के दौरान एनआईईपीएमडी ने एक एम.फिल., दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा, एक स्नातक और तीन डिप्लोमा, पाठ्यक्रम चलाये गये। वर्ष 2011-12 शैक्षिक से एनआईईपीएमडी में चलाये जा रहे विशेष शिक्षा के सारे डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कालावधि का समय एक वर्ष से 2 वर्ष के कर दिया गया।

मानवशक्ति के विकास का स्तर बढ़ाने हेतु एनआईईपीएमडी ने वर्ष 2014-15 शैक्षिक से व्यावसायिक चिकित्सा विज्ञान आकुपेशनल थेरेपी में स्नातक डिग्री चलाने का प्रस्ताव किया है। तमिलनाडु डॉ. एम.जी.आर. मेडिकल विश्वविद्यालय के संबद्ध के लिए आवेदन किया गया है।

3.1 दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम :

बहु विकलांग व्यक्तियों की माँगों की पूर्ति के लिए निम्नलिखित दीर्घकालीन पाठ्यक्रम एनआईईपीएमडी में वर्ष 2013-14 शैक्षिक में चलाये जा रहे हैं।

सारणी 4 : दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कालावधि	अनुमोदित भर्ती	प्राप्त आवेदनों की संख्या	भर्ती किये गये छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण/सफलता छात्रों की संख्या %
1	एम.फिल. (क्लीनिकल साइकालोजी)	02 वर्ष	04	15	04	अगस्त 2014 में एक वर्ष की परीक्षा देंगे।
2	एर्ली इण्टरवेन्शन स्नातकोत्तर डिप्लोमा	01 वर्ष	10	12	05	जून 2014 में अंतिम वर्ष की परीक्षा देंगे।
3	डेवेलप्मेण्टल थेरापी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	01 वर्ष + तीन महीने की स्थान-बद्धता	10		03	जून 2014 में अंतिम वर्ष की परीक्षा देंगे।
		मद्रास विश्वविद्यालय से संबद्ध				
4	विशेष शिक्षा (स्पेशल एजुकेशन) में स्नातक (बहुअशक्तताएँ)	1 वर्ष	20	40	20	मई/जून 2014 में अंतिम परीक्षा देंगे।
		तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय से संबद्ध				
5	विशेष शिक्षा में डिप्लोमा (आटिसम स्पेक्ट्रम अव्यवस्था) डिस आर्डर	2 वर्ष	31		18	जून 2014 में अंतिम परीक्षा देंगे।

	आत्म विमोह वर्णक्रम अव्यवस्था					
6	विशेष शिक्षा में डिप्लोमा प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात (सेरिब्रल पाल्सी)	2 वर्ष	31	61	14	जून 2014 में अंतिम परीक्षा देंगे।
7	(डेफब्लैंड) श्रवणक्षतिअंधता विशेष शिक्षा में डिप्लोमा	2 वर्ष	31		नहीं	------

प्रवेश प्रक्रिया :

शैक्षिक वर्ष 2013-14 के दौरान, एम.फिल. (क्लीनिकल साइकालोजी), पीजीडीडीटी, पीजीडीई, बी.एड. विशेष शिक्षा (एमडी) के लिए प्रवेश विज्ञप्ति दि हिन्दू एवं दिनत्तंती जैसे राष्ट्रीय समाचार पत्रों में दी गयी और एनआईईपीएमडी वेबसाइट में भी चढ़ायी गयी। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रवेश के लिए आरसीआई, नई दिल्ली ने ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा चलायी। पर छात्रों की ओर उसका उतना स्वागत नहीं हुआ। केवल तीन छात्र भर्ती हुए। आरसीआई, नई दिल्ली, ने वर्ष 2013-14 के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए पुरानी पद्धति से छात्रों को भर्ती करने की अनुमति दी। अतः फिर से 25.08.2013 एवं 08.09.2013 में प्रवेश विज्ञप्ति जारी की गयी। प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करने के बाद बी.एड. – विशेष शिक्षा (एमडी) के लिए छात्रों को 14.08.2013 को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए 05.09.2013 को बुलाया गया। अस्थायी रूप से चयनित छात्रों को 19 अगस्त 2013 से पहले प्रवेश करने का अनुदेश दिया गया।

बी.एड् विशेष शिक्षा (एमडी) प्रशिक्षणार्थी कक्षा के कार्यक्रमों

डिप्लोमा प्रशिक्षणार्थी सत्र की परीक्षाएँ दे रहे हैं।

एम.फिल. (क्लीनिकल साइकालोजी) के लिए, प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गयी और योग्य छात्रों को 17.10.2013 को लिखित परीक्षा/साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। लिखित परीक्षा देनेवाले ग्यारह छात्रों में से आठ प्रत्याशियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। समिति ने वर्ष 2013-15 शैक्षिक के लिए एम.फिल. (क्लीनिकल साइकॉलोजी) में प्रवेश पाने के लिए चार

प्रत्याशियों की सिफारिश की। अस्थायी रूप से चयनित छात्रों को 10 अक्तूबर, 2013 तक प्रवेश करने का अनुदेश दिया गया।

सारणी 5 : स्नातक, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए मापदण्ड

योग्य परीक्षा में प्राप्तांक	60 अंक
ग्राम्य	05 अंक
उच्चतर योग्यता	05 अंक
अनुभव (न्यूनतम 2 वर्ष)	05 अंक
पीडबल्यूडी के अभिभावक/सहोदर/बच्चे	05 अंक
साक्षात्कार	20 अंक
कुल	**100 अंक**

एम.फिल. (क्लीनिकल साइकालोजी) : स्नोतकोत्तर डिग्री, प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त औसत अंक।

सीट आरक्षण :

भारत सरकार की नीति के अनुसार डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए हर संवर्ग में सीटों का आरक्षण अपनाया गया तथा एम.फिल. (क्लीनिकल साइकालोजी), बी.एड. विशेष शिक्षा (एम.डी.) और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए मद्रास विश्वविद्यालय के मानदण्ड अपनाये गये।

छात्रों के चयन के लिए नामसूची सदस्य :

एम.फिल. (क्लीनिकल साइकालोजी), स्नातकोत्तर डिप्लोमा और डिप्लोमा पाठ्यक्रम।

1. डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक – एनआईईपीएमडी
2. प्रो. बालकृष्णन, क्षेत्र विशेषज्ञ
3. डॉ. भासी, क्षेत्र विशेषज्ञ
4. श्री एस. शंकर नारायणन, उप कुलसचिव (प्रशासन)
5. श्री पी. कामराज, प्रवक्ता (विशेष शिक्षा)

बी.एड. - विशेष शिक्षा (एमडी) :

1. डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक – एनआईईपीएमडी
2. डॉ. विजय शंकर शर्मा, सह प्राध्यापक (विशेष शिक्षा)
3. श्री पी. कामराज, प्रवक्ता (विशेष शिक्षा)

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम :

1. डॉ. एम.के. टोमी, सह प्राध्यापक (पीएमआर)
2. डॉ. जे. विजयलक्ष्मी, प्रवक्ता (चिकित्सा विज्ञान)
3. श्री बी.एस. सन्तोष कन्ना, प्रवक्ता (पीटी)

भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली, ने केन्द्रीय शिक्षा संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम 2006 के कार्यान्वयन के अनुसार, हर डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में 25 छात्रों को भर्ती कराने की

स्वीकृति दी है, जिसमें 2011-12 वर्ष में सभी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में मौजूदा अनारक्षित सीटों में परिवर्तन न करके, अतिरिक्त 6 सीटें जोड़ी गयी हैं। इसके लिए आरसीआई से अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है।

सारणी 6 : भर्ती वितरण

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम	डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में संस्वीकृत भर्ती	एससी	एसटी	पीएच	ओबीसी	अनारक्षित	कुल भरी गयी सीट
1.	डी.एड. विशेष शिक्षा (सीपी)	25+6	04	02	01	6+6	12	14
2.	डी.एड. विशेष शिक्षा (सीपी)	25+6	04	02	01	6+6	12	नहीं
3.	डी.एड. विशेष शिक्षा (सीपी)	25+6	04	02	01	6+6	12	18

एम.फिल. (क्लीनिकल साइकालोजी) और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम मद्रास विश्वविद्यालय से संबंद्ध करा दिये गये हैं। बी.एड. – विशेष शिक्षा (विकलांग) तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय से संबंद्ध करा दिया गया है। एनआईईपीएमडी द्वारा चलाये जानेवाले पाठ्यक्रमों को भारतीय पुनर्निर्माण परिषद् ने मान्यता दी है।

सारणी 7 : आरक्षण

कोर्स	एससी	एसटी	एमबीसी/ डीएनसी	बीसी	यूआर	भर्ती हुई सीटें
एम.फिल. (क्लीनिकल साइकालोजी)	01	–	01	01	01	04
बी.एड. विशेष शिक्षा (एमडी)	03	01	04	06	06	20
पीजीडीडीटी (एमडी:पी&एन)	01	01	02	03	03	03
पीजीडीईआई	01	01	02	03	03	05

सारणी 8 : 2013-14 वर्ष के लिए शुल्क और अन्य अमानत

विवरण	एम.फिल. (क्लीनि-कल साइकालोजी)		बी.एड. विशेष शिक्षा (एमडी (₹)	पी.जी. डिप्लोमा	डी.एड.-विशेष शिक्षा एएसडी/(सीपी)/ (डीबी) (₹)	
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष
शिक्षण शुल्क	20000	20000	10000	10000	5000	5000
प्रयोगशाला शुल्क	30000	30000	12600	5500	0	0
छात्रों के कार्यकलाप/ सांस्कृतिक/मनोरंजन	0	0	2500	1000	2500	2500
जमानती रुपया (प्रत्यर्पणीय)	2000	0	500	2000	500	0
हैण्डआऊट्स/उपकरण/ पंचाग शुल्क	8000	8000	11600	1000	500	1000
सत्र मध्य/लेखन सामग्री शुल्क	1000	1000	500	200	200	250

चिकित्सा परीक्षण शुल्क	250	250	250	250	250	250
पहचान पत्र शुल्क	50	0	50	50	50	0
पुस्तकालय शुल्क	4000	4000	2000	0	1000	1000
कुल	65300	63250	40000	20000	10000	10000
परीक्षा शुल्क	विश्वविद्यालय के मापदण्डों के अनुसार					

एनआईईपीएमडी में असमान क्षमतायुक्त छात्रों और विशेष मांगोंवाले बच्चों के अभिभावकों को डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रम सीखने का मौका दिया गया। असमान क्षमतायुक्त छात्रों के लिए विभिन्न उपकरण और अलग सहायता के प्रावधान किये गये हैं। वर्ष 2013-14 में निम्नांकित असमान क्षमतायुक्त छात्र भर्ती किये गये :

सारणी 9 : असमान क्षमतायुक्त छात्रों की सूची

क्र.सं.	छात्र का नाम	पढा गया पाठ्यक्रम	संवर्ग
1	शक्ति आर.	बी.एड. विशेष शिक्षा (एमडी)	विकलांग अक्षमता
2	मुडे देवन्द्र नाइक	डी.एड. विशेष शिक्षा (एएसडी)	विकलांग अक्षमता
3	मार्नेनी माधवी	डी.एड. विशेष शिक्षा (सीपी)	विकलांग अक्षमता

विशेष माँगोंवाले बच्चों के अभिभावकों को दीर्घकालीन पाठ्यक्रम करने का मौका दिया गया ताकि अपने बच्चों की देखभाल वे स्वयं करें और साथ ही समाज की सेवा करें। वर्ष 2013-14 में जो अभिभावक दीर्घकालीन पाठ्यक्रम में भर्ती हुए उसका विवरण नीचे दिया गया है:

सारणी 10:पीडबल्यूडी का अभिभावक जो दीर्घकालीन कार्यक्रम में भर्ती हुए, उसका विवरण

क्र.सं.	छात्र का नाम	पढा गया पाठ्यक्रम	बच्चे की असमान क्षमता/ परिवार के सदस्य
1	शक्ति आर.	बी.एड. विशेष शिक्षा (एमडी)	अंधता का बच्चा

सारणी 11 : छात्रवृत्ति विवरण : निम्नलिखित छात्रों को छात्रवृत्ति की सिफारिश की गयी

क्र.सं.	छात्र का नाम	पाठ्यक्रम	सिफारिश का मामला
1	एम. सरवणन	पीजीडीडीटी	केन्द्र क्षेत्र योजना के अन्तर्गत एससी के लिए उच्चतम कक्षा की शिक्षा
2	के. तमिषसेल्वी	बी.एड. विशेष शिक्षा (एमडी)	
3	मुडे देवन्द्र नाइक	डी.एड. विशेष शिक्षा (एएसडी)	एसटी छात्रों के लिए उच्चतम कक्षा की शिक्षा

3.2 अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम:

यह संस्थान लगातार निरंतर पुनर्निर्माण क्रायक्रम (सीआरई), कार्यशालाएँ, सम्मेलन, दिग्विन्यास एवं सुग्राहीकरण जैसे कार्यक्रम चलाता आ रहा है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के अधिकारियों को दिग्विन्यास कराने के रूप में बनाये गये हैं और देश भर में पुनर्निर्माण तथा संबंधित पेशेवरों को ज्ञान का आधुनिकीकरण दिलाने के लिए बनाये गये हैं।

वर्ष 2013-14 के दौरान, संस्थान ने 254 कार्यक्रम चलाये जिनमें पुनर्निर्माण के क्षेत्र में पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, अभिभावकों को दिग्विन्यास एवं ज्ञान बोध कार्यक्रम, शिक्षक और छात्र (सामान्य छात्र) शामिल हैं। कुल 9860 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

सारणी 12 : वर्ष 2013-14 के दौरान चलाये गये अल्पकाल/दिग्विन्यास/अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या	
		2012-13	2013-14
1	अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	3101	6930
2	दिग्विन्यास एवं ज्ञानबोध कार्यक्रम	2609	2344
3	अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	341	586
	कुल	**6054**	**9860**

ऊपर वर्णित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण **परिशिष्ट - 1 में (पृष्ठ सं. i)** पर है।

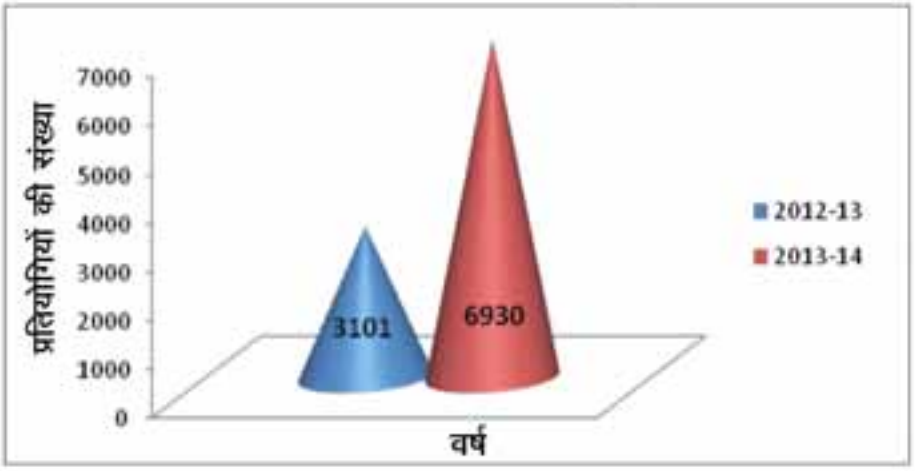

वर्ष चित्र 1 : अल्पकालीन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित प्रशिक्षणार्थी

एनआईईपीएमडी में चलाया गया
अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रधान मंत्री के राष्ट्रीय परिषद्
कुशलता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम पर कार्यशाला

डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन नई दिल्ली में हुए
'बहुअशक्ततायुक्त व्यक्तियों के पुनर्वास पर राष्ट्रीय सम्मेलन' में भाषण देते हुए।

3.3 कार्यशाला/सम्मेलन और संगोष्ठियों में शिक्षकों/अधिकारियों का भाग लेना:

पुनर्वास के क्षेत्र में मानव संसाधन के विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाने के अलावा संस्थान एनआईईपीएमडी के शिक्षकों को देश के विभिन्न भागों में चलाये गये विभिन्न सम्मेलनों/कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अपने ज्ञान के आधुनिकीकरण के लिए भाग लेने में उत्साह बढाता है। कार्यशालाओं/सम्मेलनों/संगोष्ठियों में भाग लेनेवालों और प्रपत्र प्रस्तुत करनेवाले शिक्षक सदस्यों की सूची **परिशिष्ट 2 (पृष्ठ सं.XV)** में है।

अध्याय 4

सेवाएँ

सेवाएँ:

बहु विकलांग तथा एकल विकलांग दोनों प्रकार के व्यक्तियों के उचित पुनर्वास का प्रावधान करना और विकलांग आश्रित व्यक्तियों की भी सेवा करना एनआईईपीएमडी के प्रधान कार्यों में एक है। पुनर्वास की सेवाएँ समाज कल्याण विभाग की ओर से सेवा एवं कार्यक्रम अनुभाग द्वारा समन्वित की जाती है।

सेवा एवं कार्यक्रम अनुभाग के दो भाग हैं पंजीकरण और व्यक्तिवृत्त लेनेवाली इकाई। पंजीकरण इकाई व्यक्तियों का पंजीकरण करती है और व्यक्तियों तथा आगंतुकों को संस्थान के बारे में आवश्यक सूचनाएँ देती है। पंजीकरण इकाई बाहर से आनेवाले फोन-काल प्राप्त करती है और आम जनता को फोन द्वारा सुझाव है और अन्य सूचनाएँ भी प्रदान करती है।

स्वागत कक्ष में रोगी का पंजीकरण

व्यक्तिवृत्त लेना

व्यक्तिवृत्त लेनेवाली इकाई का प्रबन्ध पेशवर समाज सेवियों द्वारा किया जाता है जहाँ समाजसेवी व्यक्तियों को तथा उनके परिवार की विस्तृत प्रथम सूचना लेते है, जिसमें प्रसवपूर्व देखरेख, प्रसवोत्तर देखरेख, परिवार का इतिहास, विकासशील इतिहास, लिया गया प्रतिरक्षण, पाठशाला इतिहास और परिवार का गतिविज्ञान शामिल रहते है। यह इकाई एनआईईपीएमडी की शुल्क संरचना के अनुसार पंजीकरण शुल्क और अन्य शुल्क पारिवारिक आय अनुसार लिये जाते हैं।

अन्तः सेवा इकाई का व्यक्तिवृत्त लेना

एक बार व्यक्तिवृत्त लेने की प्रक्रिया पूरी हो जाए तो व्यक्ति को विशिष्ट निर्धारण और हस्तक्षेप आदि के लिए अन्य विभागों में भेजा जाता है। सामान्य सेवाओं के अलावा, एनआईईपीएमडी हर महीने तंत्रिका संबंधी, मनोविज्ञान संबंधी तथा दन्त्य देखरेख की विशेष चिकित्साशालाएँ भी चलाता है। यह संस्थान अशक्तताओं युक्त व्यक्तियों को तंत्रिका संबंधी तथा मनोविकृति संबंधी औषधी भी देता है।

वर्षा 2013-14 में एनआईईपीएमडी और उसके विस्तार केन्द्र में 7548 रोगी पंजीकृत हुए। लगभग 2140 लोग बहुविकलांगता वाले थे और 5408 लोग विभिन्न प्रकार के एकल विकलांगता वाले थे। एनआईईपीएमडी और उसके विस्तार केन्द्रों में 42,086 रोगियों ने विभिन्न प्रकार की पुनर्वास सेवाएँ (अनुवर्ती) प्राप्त कीं। उन रोगियों में से 27185 लोग बहुविकलांगता वाले थे और 14901 लोग एकल विकलांगता वाले थे। चूँकि एनआईईपीएमडी बहुविकलांग व्यक्तियों के पंजीकरण में किसी को न नकारने की नीति अपनाता है, सभी प्रकार के अशक्तताओंयुक्त व्यक्तियों को पंजीकृत करा लेता है।

सारणी 13 : वर्ष 2013-14 के दौरान एनआईईपीएमडी और विस्तार केन्द्रों में पंजीकृत नये रोगी

क्र.सं.	प्रकार	लाभार्थियों की संख्या			
		2012-13		2013-14	
		यूडी	एमडी	यूडी	एमडी
1	केन्द्र	1091	365	1029	382
2	विस्तार केन्द्र (एसआरएम यूनिवर्सिटी, एसआरटीसी – चेन्नै) (अन्बगम–मयिलाडुदुरै), मनोचेतना, चेरियल–वारांगल)	1086	1048	2224	1526
3	मोबाइल सेवाएँ	285	59	2155	232
	कुल	**2462**	**1472**	**5408**	**2140**

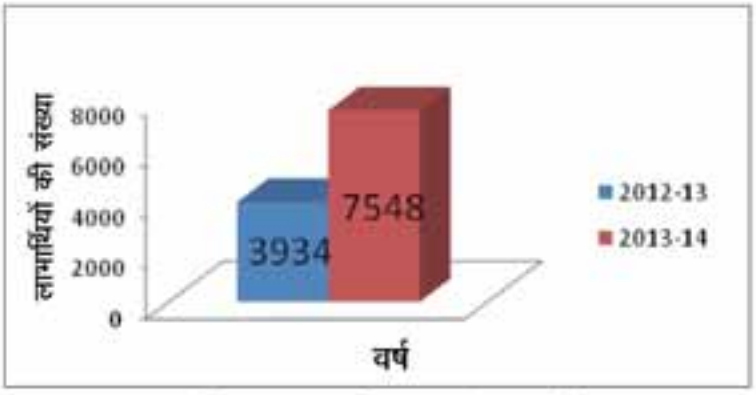

चित्र 2 : पंजीकृत नये लाभार्थी

सारणी 14 : वर्ष 2013-14 में एनआईईपीएमडी और विस्तार केन्द्रों में अनुवर्ती सत्र

क्र.सं.	प्रकार	लाभार्थियों की संख्या			
		2012-13		2013-14	
		यूडी	एमडी	यूडी	एमडी
1	केन्द्र	10833	25568	10951	24490
2	विस्तार केन्द्र (एसआरएम यूनिवर्सिटी, एसआरटीसी – चेन्नै) (अन्बगम–मयिलाडुदुरै), मनोचेतना, चेरियल–वारांगल)	69	1034	3950	2695
	कुल	**10902**	**26602**	**14901**	**27185**

चित्र 3 : अनुवर्ती सत्र

सारणी 15 : एनआईईपीएमडी में पंजीकृत बहु विकलांगों का मिश्रण

	बहु विकलांगों का वर्गीकरण		
01	सीपी + एमआर + वीआई + एचआई	27	एमआर + वीआई
02	सीपी + एमआर + एलवी + एएसड	28	एमआर + एचआई
03	सीपी + एमआर + एलवी + एचआई	29	एलडी + एचआई
04	सीपी + एचआई + वीआई + डीडी	30	एमआई + एचआई
05	सीपी + एमआर + एलवी	31	एमआई + सीपी
06	सीपी + एमआर + वीआई	32	सीपी + ओएच
07	सीपी + एमआर + एमआई	33	सीपी + वीआई
08	सीपी + एमआर + एचआई	34	सीपी + एलवी
09	सीपी + एचआई + एलवी	35	सीपी + एएसडी
10	सीपी + एलवी + डीडी	36	सीपी + एचआई
11	सीपी + वीआई + एचआई	37	सीपी + डीडी
12	एमआर + एएसडी + सीपी	38	सीपी + सीमा रेखा
13	एमआर + एलवी + एचआई	39	एलवी + एमआई
14	एमआर + एलवी + एएसडी	40	एलवी + एचआई
15	एमआर + वीआई + एचआई	41	एलवी + पीडीडी
16	एमआर + एचआई + एमआई	42	एलवी + एएसडी
17	एमआर + एचआई + एलवी	43	एलवी + एलडी
18	एमआर + एलडी + डीडी	44	डीडी + एएसडी
19	एमआर + एमआई + एचआई	45	डीडी + वीआई
20	एमआर + एलडी + एलवी	46	डीडी + एलवी
21	एमआर + वाक्क्षति	47	डीडी + एचआई
22	एमआर + एएसडी	48	वीआई + एचआई
23	एमआर + एमआई	49	एलडी + एमआई
24	एमआर + सीपी	50	एलडी + एचआई
25	एमआर + एलडी	51	एलडी + वीआई
26	एमआर + एलवी	52	डीबी

नोट : सीपी – प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात, एमआर – मानसिक मन्दन, वीआई – दृष्टि क्षति, एचआई – श्रवण क्षति, एलवी – क्षीण दृष्टि, एएसडी – आत्मविमोह वर्णक्रम अव्यवस्था, एलडी – चल-अचल अशक्तता, डीबी – बेहरा – अंधापन, एमआई – मानसिक रोग, पीडीडी – व्यापक विकासशील अव्यवस्था, एडीएचडी – ध्यान अभाव अति क्रियाशीलता अव्यवस्था।

दैहिक चिकित्सा पुनर्वास विभाग:

दैहिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग ने एकल विकलांग और बहु विकलांग व्यक्तियों का निदान कर उनको सेवाएँ भी प्रदान कीं। एक अशक्तता सेवाएँ विभिन्न विभागों में निर्दिष्ट उपचार के लिए संस्थान में बाहरी रोगी के रूप में की गयीं। बहु विकलांग व्यक्तियों को इस विभाग द्वारा विभिन्न इकाइयों में भेजा गया। वे हैं यथासमय हस्तक्षेप, भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा विज्ञान, कृत्रिम अंग और विकलांग उपकरण विकास इकाई और संवेदिक एकीकरण। चिकित्सा परीक्षा के उपरान्त विकलांग व्यक्तियों को विशेष सेवाओं के लिए भेजा जाता हैं और कभी-कभी विकलांग व्यक्तियों को दवाइयाँ प्रदान की जाती हैं। असाधारण या दुर्लभ बीमारियों के व्यक्तियों को और आगे के विस्तृत परीक्षणों के लिए भेजा जाता है। इन परीक्षणों में हृदीय परीक्षण, जैसे एको, ईसीजी, एक्स-रे छाती, एमआरआई, उदरीय स्केन जैसे स्केन और जीवरसायनिक असाधारणताओं के लिए रक्त परीक्षा शामिल हैं। अगर परिवार की स्थिति पर संदेह होता हो तो व्यक्तियों को उत्पत्ति संबंधी परामर्श और उत्पत्ति संबंधी विश्लेषण के लिए भेजा जाता है। शंकर नेत्रालय जैसे नेत्र अस्पताल, हृदय की हालात के लिए अपोलो अस्पतालों तथा सामान्य चिकित्सा के लिए चेट्टीनाडु अस्पतालों में विशेष निर्देशन दिये जाते हैं। विभिन्न स्थितियों की बीमारियों के लिए एनआईईपीएमडी के रोगियों को, चेन्नै में बच्चों के लिए और व्यस्कों के लिए भी सरकारी अस्पताल में इलाज किया जाता है। चयापचय की स्वाभाविक त्रुटियाँ, पश्चिम संलक्षण, लाइसोसोमल भण्डार अव्यवस्थाएँ, लिपिड डाइस्ट्रोफी, गज़ेल ए प्रकार की एपिफिसियल अव्यवस्था, पटोव संलक्षण जैसी असाधारण बीमारियों के रोगियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

भौतिक परीक्षा मूल्यांकन के लिए एक लाभार्थी

चिकित्सा सेवाओं के अलावा विभाग की ओर से रोगहर सेवाएँ भी दी जाती हैं ताकि अभ्यास, एलक्ट्रो और संवेदिक एकीकरण चिकित्सा द्वारा व्यक्ति स्वतंत्र रहें और चल-फिर सकें। और कृत्रिम उपकरण और अन्य विभिन्न साधन देकर उनकी सुविधा बढायें। विभाग का मुख्य उद्देश्य है कि रोगियों का "आनेवाले वर्षों में जीवन" सुखमय हो और अभिभावकों को विकलांग उनके बच्चों को अभ्यास करने और अन्य कार्य करने में प्रशिक्षण देना ही केन्द्र-बिन्दु है। यह इकाई आवर्तिक हस्तक्षेप का भी आयोजन करती है और बहु विकलांगों के रोगियों के लिए मनोविकृति विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, नेत्र विज्ञान और दन्तन चिकित्सा चलाती है। 2013-14 वर्ष के दौरान सुविधा प्राप्त व्यक्तियों का विवरण निम्नलिखित है।

सारणी 16 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती व्यक्ति (पीएमआर)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती लाभार्थी		
एकल विकलांग	विकलांग	कुल	एकल विकलांग	विकलांग	कुल
354	429	783	87	1043	1130

तालिका 17 : वर्ष 2012-13 के दौरान विशेष चिकित्सा सेवा में उपस्थित लाभार्थियों का विवरण

विशेषता	नये लाभार्थी		कुल	अनुवर्ती सत्र		कुल	स्थितियाँ
	पुरुष	स्त्री		पुरुष	स्त्री		
मनोविकृति विज्ञान	09	10	19	192	169	361	नरम स्नायु रोग और स्किजोफ्रेनिया
तंत्रिका विज्ञान	22	22	44	211	180	391	अपस्मार और प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात
दन्त्य	26	26	52	92	53	145	अस्थिक्षय और वर्त्स दूषण
नेत्र विज्ञान	39	31	70	16	11	27	कैटरेक्ट, कार्निया में फूली, और मन्द दृष्टि
औषधालय (दवाइयाँ देना)	20	14	34	2392	1616	4008	प्रति अपस्मार की और मनोविकृति की दवाइयाँ

यथासमय हस्तक्षेप इकाई:

जन्म से लेकर तीन वर्ष तक के बच्चों को जोखिम/विकास में देरी की अवस्था में यथासमय हस्तक्षेप की सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। बच्चों के चलन, भाषा, संज्ञानात्मक, स्वसेवा, सामाजिक और भावोत्तेजक क्षमताओं के विभिन्न विकासशील मामलों का निर्धारण किया जाता है। बच्चों में विकासशील क्रियाओं को उत्तेजित करने के लिए खेल का तरीका सिखाया जाता है। घरेलू आधारित कार्यक्रम भी तैयार करके उसे अपनाने के लिए अभिभावकों को बताया जाता है। बहुविकलांगों के पंजीकृत बच्चे उनकी माताओं के साथ केन्द्र में लाये जाते हैं। बहु विकलांगों के दुर्लभ कारण पंजीकृत किये जाते हैं। विकलांगों के कारणों में बयापचय की जननकाल त्रुटियों में वृद्धि देखी गयी है। घुंबकीय कालर और घुंबकीय ग्रास्पर जैसे नवाचारात्मक तरीके निकाले गये हैं। घुंबकीय कालर सिर की स्थिरता को सुधारने में सहायता करता है और घुंबकीय ग्रास्पर कसकर पकड़ लेने में विकास करता है। 2013-14 वर्ष के लिए व्यक्तियों का विवरण निम्नलिखित है:

यथासमय हस्तक्षेप इकाई में रोगी की परीक्षा की जाती है।

सारणी 18 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (यथासमय हस्तक्षेप)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती लाभार्थी		
एकल विकलांग	विकलांग	कुल	एकल विकलांग	विकलांग	कुल
0	80	80	03	1359	1362

भौतिक चिकित्सा इकाई:

भौतिक चिकित्सा नवीन चिकित्सा विज्ञान की एक शाखा है जहाँ सिर, गर्मी, शीत, प्रकाश, पानी, बिजली और संघटन तथा चालन जैसे भौतिक कारकों को उपचार तरीकों के रूप में अपनाया जाता हैं। बीमारियों, अव्यवस्था या अशक्तता के इलाज में ये नैदानिक, पूर्वानुमानिक, निवारक और पुनर्वासिक आयाम माने जाते हैं। बैठना, खड़े होना, चलना आदि चलन पीडित व्यक्तियों के लिए भौतिक चिकित्सा लागू होती है।

निवारक कदम के रूप में चलन पीडित व्यक्तियों की आवश्यकतानुसार उचित साधनों और उपकरणों को प्रदिष्ट किया जाता है। चलन शक्ति का अनुरक्षण करने या आगे भी विकृति होने से रोकने में यह इकाई काम करती है।

कंठ्य वाणी, निषेधात्मक अतिसामान्य प्रतिवर्त को ठीक कर देने का एक तरीका है तंत्रिका विकासशील चिकित्सा एप्रोच। प्रमस्तिष्कीय मंदन और विकास में विलंब से ग्रस्ति बच्चों के लिए चलाचलन में स्तर और गुण का विकास करता है। चालक नियंत्रण में भौतिक हस्तक्षेप के तरीकों के रूप में सरलीकरण और निषेध तकनीक सिखाये जाते हैं।

फुप्फुसीय पुनर्वास स्राव ढीला करने और फेफडे का आकार बढाने में सहायता करता है। खड़े होने में स्थिरता, चलने की शक्ति और संचलन का विकास करने में गैइट प्रशिक्षण काम आता है।

अभिभावकों को उचित स्थापन आदि सिखाया जाता है, ताकि असामान्य मुद्रा और प्रतिवर्तन अपनायें। लक्ष्य के पुनरीक्षण और आगे के प्रबंधन के लिए रोगियों को नियमित अनुवर्ती चिकित्सा अनिवार्य कर दी गयी है। अभिभावकों को गृह कार्यक्रम सलाह दी गयी है जिसे घर में निष्पादित करें

बहुविकलांग व्यक्ति को चिकित्सा के रूप में खड़े होने के चौखडे में खड़ा किया जाता है।

जिससे लक्ष्य तक पहुँचने में सहायता हो। वे हैं बैठने या पढ़ने या चीजें उठाने में घर पर शरीर का सीधा बंधन लागू रखना।

सारणी 19 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (भौतिक चिकित्सा इकाई)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती लाभार्थी		
एकल विकलांग	विकलांग	कुल	एकल विकलांग	विकलांग	कुल
108	274	382	714	4334	5048

एक लाभार्थी को भौतिक चिकित्सा इकाई में चिकित्सा दी जाती है।

व्यावसायिक चिकित्सा इकाईः

पुनर्वास की बनावट में व्यावसायिक चिकित्सा एक अनिवार्य इकाई है। इससे प्रयोजनबद्ध और सक्रिय कार्यकलापों द्वारा दैनिक जीवन के हर कार्य में रोगी को अधिकतम क्रियात्मक योग्यता और स्वतंत्रता प्रदान की जा सके।

व्यावसायिक चिकित्सा का मूल कार्य है रोगी की क्रियात्मक शक्ति बढ़ाना जिसमें स्थूल चलन और बारीक चलन दोनों होंगे। विकासशील विशिष्टताएँ बढ़ाना, संज्ञानात्मक-बोधात्मक शक्ति बढ़ाना और दैनिक जीवन कार्यों की शक्ति बढ़ाना भी शामिल हैं।

व्यावसायिक चिकित्सा सेवाओं में आनेवाले रोगों की पूर्व-परीक्षा की जाती है, फिर लक्ष्य निर्धारित किया जाता है और चिकित्सा का कार्यान्वयन होता है। रोगियों की प्रगति का नियमित अनुश्रवण होता है और प्रलेख कर लिया जाता है।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात, मानसिक मंदन, आत्म विमोह वर्णक्रम अव्यवस्था, ध्यान अभाव अतिक्रियाशीलता अव्यवस्था, शिक्षण अशक्तता, हस्थि संबंधी एवं तंत्रिका संबंधी अव्यवस्थाएँ, जरा

चिकित्सा अवस्थाएँ, मनोविकृति की अवस्थाएँ और अन्य विकासशील अशक्तताएँ एनआईईपीएमडी में व्यावसायिक चिकित्सा सेवा द्वारा इलाज की जाती हैं।

व्यावसायिक चिकित्सा इकाई ने निकट भविष्य में मनोविकृति, हाथ खपची, दैनिक जीवन इकाई के कार्यकलाप मनोरंजन कार्य इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। ये नई इकाइयाँ स्थापित होने के बाद, लाभान्वित होनेवाले रोगियों की संख्या 1200 रोगी प्रतिमाह तक बढ़ सकती है।

इसके अतिरिक्त, एडीआईपी योजना के अधीन पहचान और उपकरण वितरण शिबिरों में हमारे पेशेवरों ने भाग लिया। रोगियों को तंत्रिका त्रुटि के साथ

खपची और अनुकूली उपकरण भी प्रदर्शित किये जाते हैं। खपची बिठाना, पहनने की पद्धति, और उनका अनुरक्षण भी उनको सिखाये जाते हैं। हर रोगी का यथार्थवादी लक्ष्य व्यावसायिक चिकित्सा सेवाओं द्वारा प्राप्त किया जाता है।

व्यवसायिक चिकित्सा इकाई में चिकित्सा गेंद इलाज एक लाभार्थी को दिया जा रहा है।

सारणी 20 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (व्यावसायिक चिकित्सा)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती लाभार्थी		
एकल विकलांग	विकलांग	कुल	एकल विकलांग	विकलांग	कुल
234	459	693	2839	5920	8759

कृत्रिम अंग और विकलांग इकाई:

विकालांग व्यक्तियों को पुनर्वास के साधन और उपकरण देकर यह इकाई सेवा करती है। खोया हुआ अंग, सहायता, सुधार और अशक्तताएँ देनेवाले कमजोर अंगों की विकृति को रोकती है। विकलांग व्यक्तियों का मूल्यांकन, माप, निर्माण, बिठाना आदि सेवा भी यह इकाई प्रदान करती है। समाज और परिस्थिति के लायक बनने में और काम करने में, उनकी माँगों के अनुसार विभिन्न कृत्रिम अंग, विकलांग, खपची, अन्य अनुकूली उपकरण और बैठने के उपकरण देकर उनकी सेवा करती है।

सारणी 21 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (कृत्रिम, अंग और विकलांग)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती लाभार्थी		
एकल विकलांग	विकलांग	कुल	एकल विकलांग	विकलांग	कुल
92	156	248	148	228	376

चिकित्सीय मनोविज्ञान इकाई में रोगी का मूल्यांकन किया जाता है।

नैदानिक मनोविज्ञान विभाग:

मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन करके और मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित हस्तक्षेप का प्रावधान करके यह विभाग पुनर्वास सेवाएँ निष्पादित करता है। मानक मूल्यांकन उपकरणों का प्रयोग करके हर व्यक्ति के विकास/बौद्धिक क्रियाशीलता का मूल्यांकन किया जाता है। इससे उनकी शिक्षा और चिकित्सीय कार्यक्रमों की योजना बनाने में सहायता करता है। उनके अलावा, हर व्यक्ति की विभिन्न मनोवैज्ञानिक रूपरेखा का निर्धारण अन्य संज्ञानात्मक क्रियाशीलता, विशिष्ट अधिगम अशक्तता मूल्यांकन, व्यक्तित्व परीक्षाएँ, तंत्रिका मनोवैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक नैदानिक मूल्यांकन करता है।

हस्तक्षेपों के अंग के रूप में, उन व्यक्तियों के लिए, उनका कुअनुकूली आचरण कम करने और अनुकूली आचरण की वृद्धि करने के उद्देश्य से आचरण प्रबंधन का प्रावधान किया जाता है। आगे, विकलांग व्यक्तियों की संज्ञानात्मक क्रियाशीलता तीव्र करने के लिए संज्ञानात्मक वृद्धि तकनीक का प्रावधान किया

जाता है। यह विभाग चिकित्सीय सत्रों के समय परिवार के सदस्यों का सम्मिलन भी सुनिश्चित करता है ताकि वे घर पर भी उन तकनीकों को अवलोकित करके सीखकर और उन्हें कार्यान्वित करें। विकलांग व्यक्तियों को तथा उनके परिवार के सदस्यों को विभिन्न आचरण संबंधी और भावुकतायुक्त समस्याओं के लिए संज्ञानात्मक पुनर्वास तथा मनोविकृति चिकित्सा भी दी जाती हैं। यह विभाग मनश्चिकित्सीय सह विकृति के व्यक्तियों की चिकित्सा-आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए पाक्षिक मनश्चिकित्सीय चिकित्साशाला भी चलाता है। विकलांग व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य और जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए पूर्ण हस्तक्षेपों का प्रावधान करके एक बहुविमितीय अभिगम अपनाया जाता है।

चिकित्सा मनोविज्ञान इकाई में एक लाभार्थी का मूल्यांकन

सारणी 22 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (नैदानिक मनोविज्ञान)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती लाभार्थी		
एकल विकलांग	विकलांग	कुल	एकल विकलांग	विकलांग	कुल
364	341	705	456	536	992

विशेष शिक्षा विभाग:

विशेष शिक्षा विभाग विकलांग लाभार्थियों के पुनर्निर्माण में एक महत्वपूर्ण अत्यावश्यक भूमिका निभा रहा है। बहु विकलांग व्यक्तियों के लिए उचित सेवा वितरण नमूने का विकास करने का उत्तरदायित्व रखता है। विभाग की एक और महत्वपूर्ण भूमिका है विशेष शिक्षा के क्षेत्र में मानव-संसाधन का विकास करना। इसके लिए यह विभाग विकलांग बच्चों के साथ काम करेगा। विकलांग

माडल स्कूल में पीडब्ल्यूडी को योगा प्रशिक्षण

बच्चों के कार्यक्रमों के लिए वृत्तिमूलक मूल्यांकन परीक्षण सूची के विकास जैसे अनुसंधान और विकास कार्यक्रम इस विभाग ने चलाये। इसमें आत्मविमोह वर्णक्रम अव्यवस्था, प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात और श्रवणक्षति-नेत्र क्षति और अतिरिक्त अशक्तताएँ शामिल हैं। बहु विकलांग व्यक्तियों के कार्यक्रमों में सरलीकरण लाने के लिए शिक्षण-अधिगम उपकरणों और अनुकूली उपकरणों की तैयारी इस विभाग के कार्यक्रमों का एक अंग है। इस विभाग के कार्यक्रमों में सम्मिलित शिक्षा का सरलीकरण और अन्तः सेवा शिक्षकों तथा अन्य पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण मापदण्ड का विकास भी एक अंग है।

सारणी 23 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (विशेष शिक्षा)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती लाभार्थी		
एकल विकलांग	विकलांग	कुल	एकल विकलांग	विकलांग	कुल
141	454	595	297	1830	2127

2013-14 के दौरान पाठशाला जानेवाला विशेष पाठशाला के बच्चों की संख्या निम्नलिखित है:

सारणी 24 : वर्ष 2013-14 के दौरान पाठशाला जानेवाला विशेष पाठशाला के बच्चों की संख्या

प्रभाग	वर्ष		
	2011-12	2012-13	2013-14
शीर्घ बचपन	1840	2952	2913
आत्मविमोह वर्णक्रम अव्यवस्था	3545	3980	3901
प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात	4275	3442	2975
श्रवणक्षति - नेत्रक्षति	1837	1932	2143
कड़ी और गहरी बहु विकलांग	154	532	581
कुल	11651	12838	12513

बहु विकलांग व्यक्तियों के लिए पाठशाला वातावरण में विभिन्न शैक्षिक तथा अन्य पुनर्वास सेवाओं का प्रावधान करने के लिए आदर्श विद्यालय सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। आदर्श विद्यालय में पंजीकृत रोगी विभिन्न सम्मिश्रण की विकलांग से युक्त बच्चे होते हैं। पाठशाला में हरेक बच्चे का कार्यक्रम माता-पिताओं को नियमित शिक्षक-अभिभावक बैठक चलाकर खूब सूचित कर दिया जाता है; दैनिक पारस्परिक क्रिया द्वारा भी उनको सिखाया जाता है, क्योंकि जब भी विकलांग बच्चे आदर्श विद्यालय में आते हैं, तब माता-पिताओं/अभिभावकों को साथ में आना अनिवार्य है।

आदर्श विद्यालय विकलांगों के इलाकों के क्षेत्र में प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों को प्रयोगात्मक अनावृत्ति का प्रावधान करने का स्थान है। एचआरडी कार्यक्रमों के प्रशिक्षणार्थी शिक्षक अपनी पाठ्यचर्या के अंग के रूप में आदर्श विद्यालय की विभिन्न इकाइयों में बहु विकलांगों के क्षेत्र में विभिन्न प्रयोगात्मक कार्यभार संभालते हैं और अनुसंधान भी चलाते हैं। मध्यम चुनौतीपूर्ण दल में शिक्षक–छात्र का अनुपात। 1 : 8 तक सीमित रहता है और कड़े तथा गंभीर चुनौतीपूर्ण दल के लिए 1 : 4 है। और इस कड़े दल के वातावरण के लिए अधिक विशेष ध्यान और सुविधाएँ आवश्यक हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान आदर्श विद्यालय में लगभग 105 बच्चे भर्ती हुए हैं।

शीघ्र बचपन विशेष शिक्षा इकाई:

आद्य बचपन विशेष शिक्षा इकाई में लाभार्थी

आदर्श विद्यालय में शीघ्र बचपन विशेष शिक्षा इकाई 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों पर केन्द्रित करती है। सभी संभव बहुविकलांग बच्चों पर ईसीएसई इकाई ध्यान देती है। इस इकाई में पूर्वपाठशाला शिक्षा कार्यक्रम संपन्न होता है जिससे पेशेवर बच्चों को स्कूल जाने की तैयारी (पाठशाला तैयारी कार्यक्रम) करते हैं। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, यह इकाई बच्चों को नियमित पाठशाला में पढ़ने की सिफारिश करती है, जैसे सम्मिलित शिक्षा वर्ग।

2013-14 शैक्षिक वर्ष में ईसीएसई इकाई में कुल 19 बच्चों ने पढाई की।

सारणी 25 : ईसीएसई में बहुविकलांग छात्र

क्र. सं.	बहु विकलांगों का सम्मिलित	पुरुष	स्त्री
1.	सीपी + एमआर	01	-
2.	सीपी + एमआर + वीआई	01	02
3.	एमआर + वीआई	-	03
4.	सीपी + ओएच	01	-
5.	एएसडी + एमआर	06	02

सारणी 26 : ईसीएसई में एकल विकलांग के छात्र

क्र. सं.	एकल विकलांग	पुरुष	स्त्री
1.	सीपी	01	-
2.	एमआर	01	-
3.	एडीएचडी	01	-

सारणी 27 : ईसीएसई इकाई में बच्चों को कार्यकलापों तथा तरीकों का शिक्षण

मूल्यांकन उपकरण	लक्ष्य	तरीके	पूर्ण परिणाम
एफएसीपी पूर्वप्राथमिक परीक्षण सूची	• व्यक्तिगत क्षमताएँ बढाना • पूर्व लेखन और लेखन क्षमता बढ़ाना • पूर्व पठन और पढ़ने की क्षमता बढ़ाना • आधारभूत और अर्थपूर्ण गिनती बढ़ाना • जोड़ दल अन्योन्य क्रिया बढ़ाना • संचार क्षमता बढ़ाना • सूक्ष्म और स्थूल क्षमताएँ बढाना	• खेल तरीका • बहु संवेदिक अभिगम (वीएकेटी तरीका) • आचरण संशोधन तकनीक • विभिन्न प्रकार के कार्यकलापों का प्रयोग करना	• चित्र पढ़ने की क्षमता में वृद्धि • व्यक्तिगत क्षमताओं में वृद्धि • पूर्व लेखन और लेखन क्षमता में वृद्धि • अनावश्यक आचरण कम करना • सामाजिक और संचार क्षमता में वृद्धि • सूक्ष्म और स्थूल चालक क्षमता में वृद्धि

सारणी 28 : वर्ष 2014-15 शैक्षिक के लिए सम्मिलित शिक्षा वर्ग में भर्ती हुए बच्चे

क्र. सं.	नाम	भर्ती की तारीख	पंजीकरण संख्या	लिंग	जन्मतिथि	अन्तरीय निदान	पाठशाला का नाम और पता	कक्षा
1.	सन्तोष	17.12.12	560/12	पुरुष	5.12.08	एएसडी + एमआर	मणि नर्सरी और प्राइमरी स्कूल, नं.63, नयी नं.60, पल्लवन पोन्नप्पन गली ट्रिप्लिकेन, चेन्नै-5	पहली कक्षा
2.	दिनेश	12.09.11	438/11	पुरुष	01.03.07	मध्यम एमआर (डाउन का सिन्ड्रोम)	ऊराट्ची ओन्रीय तोडक्कप्पळ्ळी, कारप्पाक्कम, चेन्नै-97	पहली कक्षा
3.	दीपक	17.06.13	564/12	पुरुष	08.03.09	एएसडी + एमआर	चेन्नै कार्पोरेशन प्राइमरी स्कूल,एमएमडीए–माथुर, चेन्नै-68	पहली कक्षा
4.	राजेश	17.07.13	220/11	पुरुष	31.03.10	सीपी	फिलिप्स मेट्रिक स्कूल, ईसीआर, वेट्टुवानकेणी, चेन्नै	एलकेजी
5.	विष्णु कार्तिक	19.06.13	139/12	पुरुष	21.03.10	सीपी + एलटी कोहनी के नीचे अंगच्छेद	भुवनकृष्णन मेट्रि. स्कूल, मुरुगन कोविल स्ट्रीट, तिरुपोरूर-603 110	एलकेजी
6.	तमिळ सेल्वम	31.07.13	454/13	पुरुष	13.05.09	सीमारेखा डीडी + एडीएचडी	गवर्नमेंट आरंभ पळ्ळी, कानात्तूर, रेट्टिकुप्पम, चेन्नै - 600 112.	पहली कक्षा
7.	धोशिनी	06.07.10	105/10	स्त्री	26.12.08	धीमा एमआर + दृष्टि त्रुटि	गवर्नमेंट आरंभ पळ्ळी, कानात्तूर, रेट्टिकुप्पम, चेन्नै-112	पहली कक्षा
8.	हरिता	13.08.12	361/12	स्त्री	18.08.09	एएसडी + एमआर	अण्णामलै नडुनिलै पळ्ळी, तिरुक्कळुकुन्ड्रम, जिला काँचीपुरम।	पहली कक्षा

सारणी 29 : ईसीएसई इकाई से अन्तः गृह स्थानांतरण का विवरण

क्र. सं.	नाम	इकाई	स्तर
1.	एस. रेवती	डीबी	प्राइमरी
2.	बी. संगीता	सीपी	प्राइमरी

सारणी 30 : ईसीएसई इकाई में उत्सव

क्रम.सं.	दिन का नाम	तारीख, महीना और वर्ष
1	फल दिवस	19-07-2013
2	मित्रता दिवस	02-08-2013
3	वर्ण दिवस	26 से 30-08-2013 तक
4	तरकारी दिवस	25-10-2013
5	पुष्प दिवस	13-11-2013
6	दस्तकारी दिवस-पत्ते, फूल, बीज और तरकारियाँ	24-01-2014
7	सम्मिलन एवं यथार्थ (एक मिलन कार्यक्रम)	02-05-2014

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के साथ अतिरिक्त अशक्तताओं की इकाई:

वर्ष 2013-14 के दौरान इस इकाई में 31 बच्चे भर्ती हुए हैं। उनकी भर्ती के समय एफएसीपी परीक्षण सूची के साथ रोगियों का निर्धारण हुआ, यह देखने के लिए कि उनकी वृत्तिमूलकता का वर्तमान स्तर पता चले। उस निर्धारण के आधार पर, दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन लक्ष्य निश्चित किये गये और उचित टीएलएमों के साथ कक्षा में पाठ योजनाओं का कार्यान्वयन किया गया। और उनकी गतिशीलता, संचार, पोषण, स्व-सहयोग और शैक्षिक क्षमताओं के लिए अनुकूल साधनों और उपकरणों का प्रयोग हुआ। इस इकाई में प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के साथ विभिन्न सम्मिलनोंवाले बच्चे भर्ती हुए।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघातयुक्त लोग चित्र प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

सारणी 31 : सीपी इकाई में छात्रों में अशक्तताओं का सम्मिलन

क्र. सं.	विकलांग का वर्गीकरण	पुरुष	स्त्री	कुल
1.	सीपी के साथ एमआर	14	10	24
2.	सीपी के साथ एलवी	03	02	05
3.	सीपी के साथ एएसडी	01	00	01
4.	सीपी के साथ एचआई	01	00	01

बधिररांधता के साथ अतिरिक्त विकलांगों की इकाई:

बधिररांधता इकाई बड़ी विलक्षण है क्योंकि श्रवणहीन – नेत्रहीन, हर व्यक्ति अन्य लोगों से भिन्न है, चूँकि दृश्य और श्रवण क्षति का स्तर बदलता है और विकास के समय सहचारी समस्या बाधा डालती है। महत्व के मुख्य क्षेत्र हैं– संचार, सूचना, वृत्तिमूलक शिक्षा, संक्रमण और व्यावसायिक कार्यकलाप। संचार के विकास के लिए सहक्रियात्मक इशारे, स्पृश्य संकेत जैसे विशेष कौशल अपनाये जाते हैं। कक्षा कार्यकलापों में स्पर्श विधि और अवशिष्ट संवेदिक क्षमताएँ खोजने और सीखने में मदद करती हैं। यथार्थ जीवन अनुभव, यथार्थ पदार्थ आदि का उपयोग शीघ्र शिक्षा स्तर के बच्चों में धारणाएँ विकसित करने में किया जाता है। डीवी छात्र विशेषतः अभिकल्पित स्पर्श बाग में खोजे जाते हैं। 2013-14 के दौरान इस इकाई में 17 बधिरांध बच्चों को शामिल किया हैं।

स्पर्शक्षम बाग में श्रवणक्षय-नेत्रहीन लाभार्थी

सारणी 32 : डीवी इकाई के छात्रों में विकलांगों का सम्मिलन

विकलांगों का सम्मिलन	पुरुष	स्त्री	रोगियों की संख्या
सीपी+एमआर+वीआइ+एचआई	01	-	01
सीपी+एमआर+वीआई	01	-	01
एलवी+एमआर	06	03	09
एचआइ+एमआर	-	01	01
एचआई+एमआर+एएसडी	01	-	01
वीआइ+एमआर	02	-	02
एचआई+वीआई	-	01	01
वीआई	01	-	01
कुल	**12**	**05**	**17**

आत्मविमोह के साथ अतिरिक्त विकलांगों की इकाई:

एसडी इकाई ने आत्मविमोह के साथ अतिरिक्त विकलांगों के 35 बच्चों को शामिल किया है। यह इकाई, और तीन अनुभागों में बाँटी गयी है जैसे प्राथमिक, मध्यम और संक्रमण। प्राथमिक के लिए उम्र की सीमा 6-10 वर्ष की है, मध्यम के लिए 10-14 वर्ष की है और संक्रमण के लिए 14-18 वर्ष की है। हर

विशेष शिक्षिका द्वारा आत्मविमोह के बच्चे कार्यकलाप सीखते हुए

अनुभाग में, 8 से 10 बच्चे पढ़ रहे हैं। प्रवेश के दौरान, बचपन आत्मविमोह माप निर्धारण (सीएआरएस) मनोविकृत शिक्षित रूपरेखा (पीईपी) और कार्यक्रम की बनावट के उपकरण के लिए वृत्तिमूलक निर्धारण परीक्षणसूची के साथ बच्चे मूल्यांकित किये गये ताकि उनका वर्तमान स्तर कार्यकलाप का पता चले और वैयक्तिक शैक्षिक कार्यक्रम का कार्यान्वयन हो।

इस इकाई में, पीईसीएस तरीके द्वारा मौखिक और गैर-मौखिक-दोनों तरीकों से बच्चों को संचार का उपयोग करने के प्रशिक्षण दिया गया। इस मूल्यांकन के आधार पर, इन बच्चों को अच्छी तरह सीखने के लिए उचित शिक्षण-अधिगम उपकरण (टीएलएम) और दृश्य कौशलों का उपयोग करके संरचनात्मक कक्षा शिक्षण दिया गया।

सारणी 33 : एएसडी इकाई में छात्रों में विकलांगों का सम्मिलन

क्र. सं.	विकलांगों का सम्मिलन	पुरुष	स्त्री	छात्रों की संख्या
1.	एएसडी+एमआर	24	6	30
2.	एसडी+निचला संलक्षण	1	-	01
3.	एएसडी+एडीएचडी	2	-	02
4.	एसडी+सीपी	1	1	02
	कुल	**28**	**7**	**35**

कड़े और गंभीर विकलांगों की इकाई:

इस इकाई में 14 बच्चे भर्ती हुए, जहाँ सारे बच्चे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के साथ अतिरिक्त विकलांगों, जैसे मानसिक मंदन के साथ अभिग्रहण, और निम्न दृष्टि के निदान कर दिये गये और इस प्रकार कड़े और गंभीर बहु अशक्त बच्चे करार कर दिये गये। ये बच्चे एफएसीपी ध्यान दल द्वारा मूल्यांकित किये गये और तब गंभीर कड़े कार्यक्रम मूल्यांकन परीक्षण सूची भी अपनायी गयी। उनकी भर्ती के समय उनके कार्यकलापों का स्तर देखा गया। उस मूल्यांकन के आधार पर, दीर्घकालीन और अल्पकालीन लक्ष्यों की योजना बनायी गयी और कार्यान्वित की गयी। जब बच्चे इकाई में आये, तब बच्चों पर वैयक्तिक ध्यान दिया गया और आईईपी का कार्यान्वयन किया गया। हर बच्चे को संचार संचिकाएँ दी गयीं ताकि वे वृत्तिमूलक संचार करें और माता-पिताओं को गृह-कार्यक्रम दिये गये ताकि वे अपने बच्चों के वृत्तिमूलक शिक्षितता, संचार विकास, चाल-चलन, स्व-सहयोग क्षमताएँ, स्थापन और उठाने में ध्यान दें। इस इकाई में बहु विकलांगों के विभिन्न सम्मिलन के बच्चे भर्ती किये गये।

सारणी 34 : एसपीएमडी इकाई में छात्रों में विकलांगों का सम्मिलन

विकलांगों का सम्मिलन	पुरुष	स्त्री	लाभार्थियों की संख्या
सीपी+एमआर+अपस्मार	06	05	11
सीपी+एमआर+वीआई+अपस्मार	-	01	01
सीपी+एमआर+एलवी+अपस्मार	02	-	12
कुल	**08**	**06**	**14**

वाणी, श्रवण और संचार विभागः

अच्छा संचार बच्चों तथा उनके माता-पिताओं के साथ काम करने का केन्द्र कार्य है। इसमें बच्चों, युवा लोगों और उनकी चिन्ता करनेवालों से ध्यान देना, प्रश्न करना, समझना और बतायी गयी बातों पर उत्तर देना आदि सबंधित हैं। संचार का मतलब है एक वर्ग के लोग दूसरों से बोलनेवाली बातों की अन्योन्य क्रिया द्वारा सूचना, विचार, भावनाएँ, माँगें और इच्छाओं का आदान-प्रदान कर लेना। वाणी भाषा का मौखिक उत्पादन है। यह संबंधित मौखिक चलन संरचना (जैसे जीभ, मुँह) का उचित समय पर समन्वय करके ध्वनि उत्पादित करने की योग्यता है। संचार अव्यवस्था वह क्षति है जो मौखिक, गैर मौखिक और लेखाचित्र चिह्नों की पद्धतियों को प्राप्त करने, भेजने, प्रक्रिया करने और सम्मिश्रित करने की योग्यता में होती है।

यह विभाग वाणी और श्रवण से संबंधित बच्चों और व्यस्कों की समस्याओं पर सेवा करता है। मूल्यांकन, निदान, हस्तक्षेप, प्रयोगात्मक गृह प्रशिक्षण कार्यक्रम, अनुवर्ती श्रव्यता चिकित्सक मूल्यांकन, श्रवण उपकरणों का प्रयोग और बिठाना, कर्ण ढाँचा छाप आदि कार्यकलाप होते हैं।

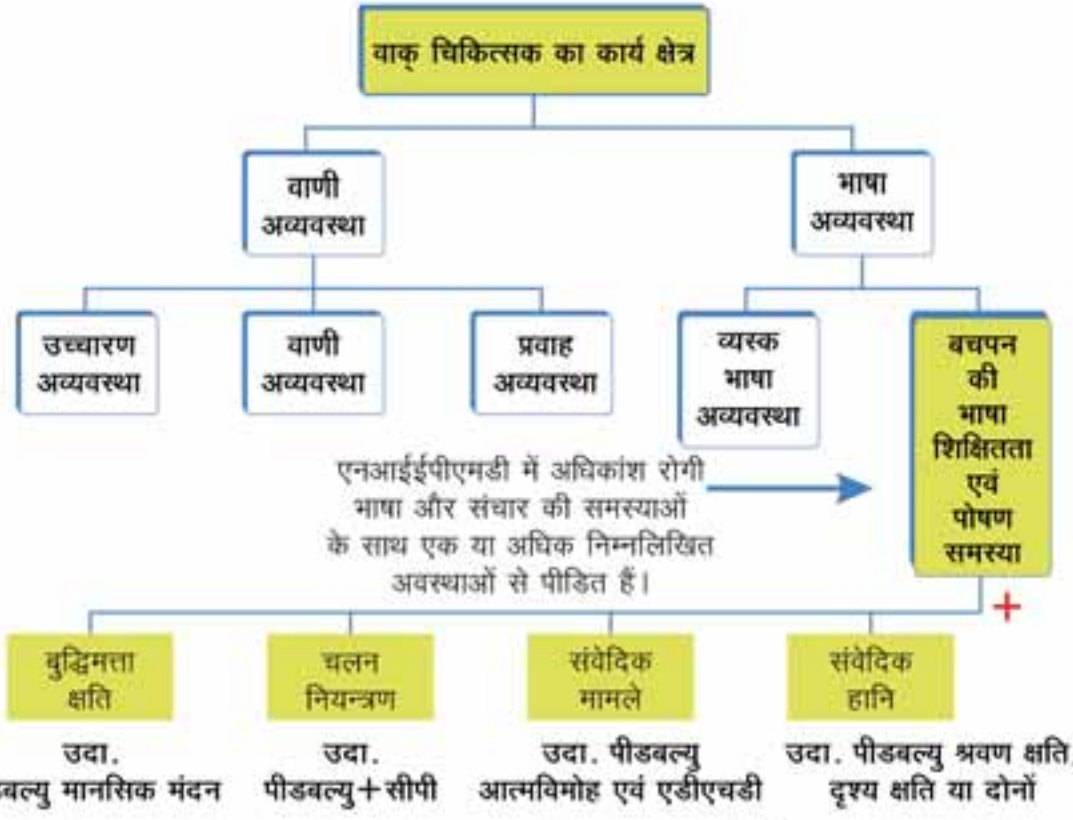

चित्र 4 : संचार चिकित्सा प्राप्त करनेवाले लाभार्थियों की वृक्ष संरचनाएँ

माता–पिताओं को प्रदर्शनात्मक गृह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिया जाता है जो वाणी और भाषा क्षमताओं के सम्मिश्रण & अभिव्यक्ति पर केन्द्रित करता है। यहाँ रोगी पर केन्द्रित अभिगम अपनाया जाता है, जहाँ बच्चों की अशक्तताओं से बढ़कर उनकी योग्यताओं पर ज़ोर दिया जाता है। इस प्रयोजन के लिए एक युक्ति

"मेरा प्रतिभाशाली बच्चा" का प्रयोग किया जाता है जहाँ माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य इस हस्तक्षेप कार्यक्रम में साझेदारों के रूप में शामिल कर लिये जाते हैं।

बच्चों और व्यस्कों को दी जानेवाली चिकित्सक सेवा के अलावा, यह विभाग अन्य संस्थानों के बाचिलियर ऑफ ऑडियालोजी, स्पीच एण्ड लांग्वेज पेथालोजी और मास्टर ऑफ रेहैबिलिटेशन साइन्स के छात्रों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन करने का काम करता है।

मौखिक मानचित्रण अभ्यास

समानान्तर भाषण

वाणी, श्रवण और संचार विभाग में दल चिकित्सा कार्यकलाप

सारणी 35 : नये लाभार्थी & अनुवर्ती लाभार्थी (वाणी, श्रवण & संचार)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती लाभार्थी		
एकल विकलांग	विकलांग	कुल	एकल विकलांग	विकलांग	कुल
339	448	787	574	3025	3599

श्रवण चिकित्सा विभाग नौजवानों से लेकर जरा चिकित्सक आबादी तक श्रवण चिकित्सात्मक मूल्यांकन करता है, जिसमें शिशु आवरण श्रव्यता, ओएई चित्रपट चलाना, एबीआर चित्रपट चलाना, शुद्ध ध्वनि श्रव्यता, और प्रतिबाधिता श्रव्यता जैसे कलात्मक उपकरणों का उपयोग होता है। श्रव्यता मूल्यांकन

के बाद, उचित श्रवण उपकरणों और साधनों का वितरण होता है तथा श्रवण उपकरण का प्रयोग और बिठाना वगैरह भी किया जाता है। अन्त में बच्चों को वैयक्तिक और दल श्रव्य संबंधी और वाणी संबंधी प्रशिक्षण में हस्तक्षेप दिया जाता है। यह विभाग पुनर्वास पेशेवरों को सीआरई के कार्यक्रम भी चलाता है।

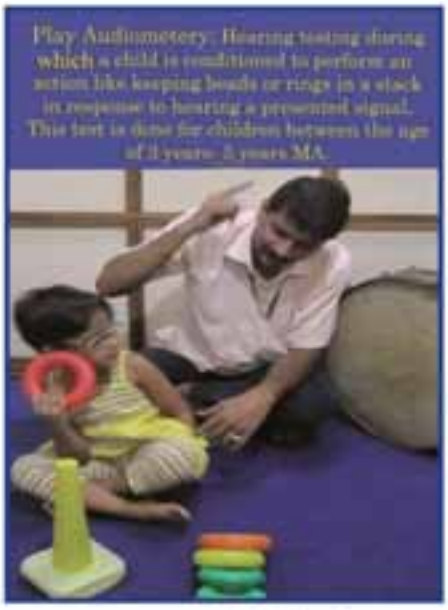

खेल श्रव्यता

समाज कल्याण विभाग:

समाज कल्याण विभाग इस संस्थान के विभिन्न विभागों और विभिन्न सेवाओं के लिए आनेवाले विकलांग व्यक्ति के बीच सेतु का काम करता है। विभिन्न सेवाओं के लिए पंजीकृत सभी विकलांग व्यक्ति इस विभाग द्वारा पूर्ण रूप से अवलोकित किये जाते हैं। यह विभाग रोगियों को आवश्यक सेवाएँ प्राप्त करने के लिए विभिन्न विभागों में जाने का परामर्श और मार्गदर्शन देताहै। यह विभाग रोगियों को एनआईईपीएमडी के अन्य उचित विभागों में भी भेजता है और रोगियों का पूर्ण ध्यान और सेवाएँ प्रदान करने के लिए एनआईईपीएमडी के बाहर के अन्य विभिन्न संगठनों में भी भेजता है। बहु विकलांग व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों के लिए दी जानेवाली विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों से यह विभाग माता-पिताओं को प्रबुद्ध करता है। और परिवार की अधिकारिता के लिए इन योजनाओं और कार्यक्रमों को प्राप्त करने की कार्यविधि भी से यह विभाग माता-पिताओं को शिक्षित करता है। माता-पिताओं से बतायी जानेवाले विकलांग से संबंधित मामले जो

समाज कल्याण विभाग में क्षेत्र स्तर के कर्मचारियों को दिग्विन्यास

परिवार में समस्या बनकर खड़े हैं, उन्हें भी समाज सेवक द्वारा उचित ढंग से समझाये जाते हैं और उन समस्याओं से अधिक सफलतापूर्वक सामना करने के लिए माता–पिताओं को समाज कल्याण पद्धतियाँ अपनायी जाती हैं। यह विभाग परिवार में विकलांग व्यक्ति पर एक व्यापक निदान सूचक रिपोर्ट भी देता है और उस समस्या को प्रभावी ढंग से संभालने के तरीके भी बताता है।

सारणी 36 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (समाज कल्याण)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती लाभार्थी		
एकल विकलांग	विकलांग	कुल	एकल विकलांग	विकलांग	कुल
936	382	1318	977	1119	2096

चल सेवाएँ:

समाज कल्याण विभाग एनआईईपीएमडी की 50 की.मी. की त्रिज्या के अन्दर रहनेवाले विकलांग व्यक्तियों को पहचानने निमित्त नियमित रूप से चल सेवाएँ भी चला रहा है। इन चल सेवाओं को चलाने के लिए दो योग्य पुनर्वास कर्मचारी लगाये गये हैं। इन चल सेवाओं के लक्ष्य निम्न प्रकार के हैं:

1. जितनी जल्दी हो सके, उतनी जल्दी विकलांग लाभार्थियों को पहचानना।
2. इस विकलांग के बारे में माता-पिता/परिवार के सदस्यों को समझाना।
3. विकलांग सदस्यों के प्रबन्धन के संबंध में घर पर और समुदाय स्तर पर माता-पिताओं को शिक्षित करना।
4. उचित सेवाओं के लिए रोगियों को एनआईईपीएमडी और निकटस्थ सेवा प्रदानकर्ताओं के साथ जोड़ना।
5. विकलांग पहचान पत्र के बारे में और विकलांग व्यक्तियों को प्राप्त विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में परिवार के सदस्यों को समझाना।
6. समुदाय स्तर पर विकलांग व्यक्तियों के लिए उचित साधनों और उपकरणों का प्रावधान करना।

यह दल व्यक्तिगत सेवाओं के अलावा, अशक्तताओं की यथासमय खोज करने और उन्हें रोकने के संबंध में बोध सृजन कार्यक्रम भी चलाता है। चल सेवाओं द्वारा पंजीकृत रोगियों का विवरण निम्नलिखित है।

सारणी 37 : चल सेवाओं द्वारा पंजीकृत नये रोगी

वर्ष	रोगियों की संख्या		कुल
	बहु विकलांग	एकल विकलांग	
2013-14	232	2155	2387

विस्तार केन्द्रः

एनआईईपीएमडी ने रोगियों की माँगों की पूर्ति के लिए राज्य संसाधन प्रशिक्षण केन्द्र (एसआरटीसी), एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नै, मयिलाडुदुरै में अरिवगम्, तमिलनाडु और मनोचेतना, वारांगल, आन्ध्र प्रदेश के सहयोग से संबंधित जिलों में विस्तार केन्द्रों का निर्माण किया है। एनआईईपीएमडी केन्द्र में उचित मानवशक्ति लगाकर विस्तार केन्द्र को पूर्ण रूप से कार्य निभाने के विचार से तकनीकी पक्ष को महत्व दे रहा है। और विकलांग व्यक्तियों को स्तरीय सेवाएँ प्रदान कर रहा है। पंजीकृत लाभार्थियों का विवरण और पुनर्वास सेवाएँ प्राप्त विकलांग व्यक्तियों की संख्या निम्नलिखित हैं।

सारणी 38 : वर्ष 2013-14 के दौरान एसआरटीसी, चेन्नै में पुनर्निर्माण सेवाएँ प्राप्त लाभार्थी

वर्ष	बहु विकलांग	एकल विकलांग	कुल
2013-14	630	810	1440

सारणी 39 : वर्ष 2013-14 के दौरान एसआरएम, विश्वविद्यालय, चेन्नै में पुनर्निर्माण सेवाएँ प्राप्त लाभार्थी

वर्ष	नये लाभार्थी	अनुवर्ती सत्र	कुल
2013-14	443	3319	3762

सारणी 40 : वर्ष 2013-14 के दौरान अरिवगम, मयिलाडुतुरै में पुनर्निर्माण सेवाएँ प्राप्त लाभार्थी

वर्ष	नये लाभार्थी	अनुवर्ती सत्र	कुल
2013-14	695	1885	2580

सारणी 41 : वर्ष 2013-14 के दौरान मनोचेतना, वारांगल (एपी) में पुनर्निर्माण सेवाएँ प्राप्त लाभार्थी

वर्ष	नये लाभार्थी	अनुवर्ती सत्र	कुल
2013-14	1172	1441	2613

योजनाएँ और रियायतें:

यह विभाग रोगियों तथा उनके परिवारों को राज्य सरकार, राष्ट्रीय ट्रस्ट और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय आदि की योजनाओं तथा कार्यक्रमों को प्राप्त करने में सहायता करता है।

सारणी 42 : वर्ष 2013-14 के दौरान मनोचेतना, वारांगल (एपी) में पुनर्वास सेवाएँ प्राप्त लाभार्थी

योजनाओं और रियायतों के प्रकार	स्थानीय बस पास	बाह्य बस पास	रेलवे रियायत	निर्मय योजना		परिवार कुटीर सेवाएँ
लाभार्थियों की संख्या	361	51	44	नये–12	नवीकरण–37	40

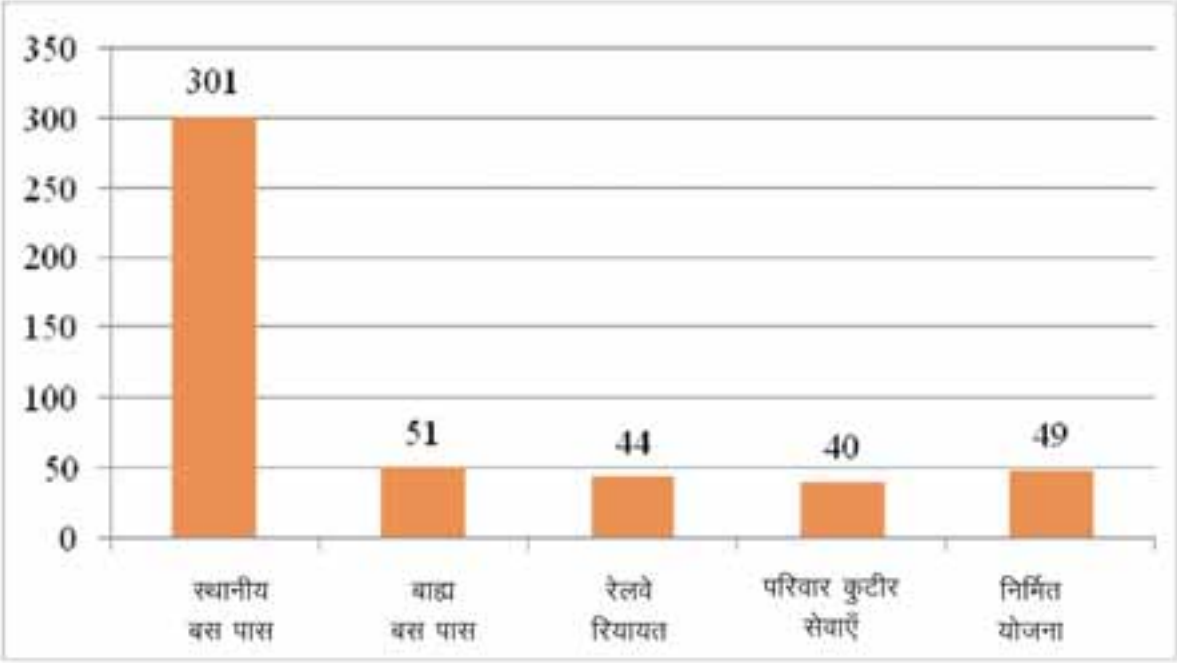

चित्र 5 : विभिन्न योजनाएँ और रियायतें प्राप्त लाभार्थियों की संख्या का लेखाचित्रीय प्रतिवेदन

परिवार कुटीर सेवा:

एनआईईपीएमडी की सेवाएँ चाहते हुए आनेवाले बाह्य लाभार्थियों को परिवार कुटीर सेवा प्रदान की जाती है। यह सुविधा नियोजन के आधार पर दी जाती है और रोगियों को 7 से 10 दिन की अवधि के लिए दी जाती है। यह प्रावधान रोगियों तथा उनके परिवार के लिए अल्प अवधि के लिए एनआईईपीएमडी के परिसर में ठहरने का मौका देता है जो रोगी को मूल्यांकन करने, परामर्श प्राप्त करने और पेशेवरों द्वारा दी गयी सिफारिशों मूल्यांकन करने, परामर्श प्राप्त करने और पेशेवरों द्वारा दी गयी सिफारिशों के अनुसार गृह आधारित कार्यक्रमों की योजना बनाने में सहायक होती है। 2013-14 वर्ष में कुल 40 बहु अशक्तता युक्त व्यक्तियों ने, अपने परिवार के साथ इस परिवार कुटीर सेवा प्राप्त की है और एनआईईपीएमडी के मानदण्ड के अनुसार प्रभार प्राप्त किये गये हैं।

वयस्क स्वतंत्र जीवन विभाग:

व्यावसायिक कार्यकलापों में विकलांग व्यस्क

यह विभाग बहुविकलांग व्यस्कों को स्वतंत्र जीवन व्यतीत करने की अधिकारिता पर ध्यान देता है। विभागीय कार्यकलापों में मूल्यांकन, मौखिक मार्गदर्शन, क्षमता विकास कार्यक्रम, परिवार के सदस्यों को और बहुविकलांग व्यक्तियों को अधिकारिता, स्थापन सेवाएँ और चिकित्सात्मक अनुसंधान आदि शामिल हैं। इन्धियोन कौशल सं.1 "गरीबी घटाओ और काम तथा रोजगार पूर्वेक्षण" को ध्यान में रखकर, वर्ष भर विभागीय कार्यकलापों की योजना विभिन्न पहलुओं में की गयी। इन कार्यकलापों में मूल्यांकन, मौखिक मार्गदर्शन, क्षमता प्रशिक्षण, रोजगार स्थापन, चिकित्सात्मक अनुसंधान, घरेलू क्षमता में व्यस्क महिलाओं के लिए प्रशिक्षण और परिवार के सदस्यों को आमदनी उत्पादन कार्यक्रम शामिल हैं।

सारणी 43 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (ईएआईएल)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती लाभार्थी		
एकल विकलांग	विकलांग	कुल	एकल विकलांग	विकलांग	कुल
125	40	165	4755	4822	9577

परिवार के सदस्यों की माँगों को ध्यान में रखकर, इस वर्ष में "घरेलू क्षमताएँ प्रशिक्षण" के नाम से एक नयी सेवा विशेष मांगों की वयस्क महिलाओं के लिए स्थापित की गयी है। इस इकाई में 18 से 35 वर्ष की 25 वयस्क महिलाएँ हैं। हर व्यक्ति के सर्वतोमुखी विकास जैसे व्यक्तिगत स्वास्थ्य, घरेलू उत्तरदायित्व, यौन शिक्षा, स्व समर्थन, कार्य आचरण, सुरक्षा क्षमताएँ और बुनियादी वृत्तिमूलक शिक्षितता पर अधिक जोर दिया जाता है।

बहुविकलांग वयस्कों और उनके परिवारों के लिए आमदनी उत्पादन कार्यक्रम वर्ष भर चालू रहा जहाँ विभिन्न स्व सहयोग दलों का निर्माण किया गया। 2013-14 वर्ष के दौरान विभिन्न इकाइयों द्वारा उत्पादित आमदनी का विवरण निम्नलिखित है।

सारणी 44 : विभिन्न इकाइयों का आमदनी उत्पादन

क्रम सं.	इकाई	रकम
1	आमदनी उत्पादन इकाई	25890.00
2	उत्पादन इकाई	8475.00
3	घरेलू क्षमता इकाई	22835.00

1. सिलाई और एम्ब्राइडरी
2. सन तैयार करना
3. आभूषण बनाना
4. रसायनिक उत्पाद
5. मोमबत्ती तैयार करना
6. बधाई पत्र तैयार करना

"माता से शिशु अभिगम" द्वारा परिवार के सदस्यों को शक्ति देने की संकल्पना जारी रहती है जिसमें चौथी टोली सिलाई और एम्ब्राइडरी पाठ्यक्रम चलाया गया। यह पाठ्यक्रम विकलांगों का व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र, गिण्डी, चेन्नै के सहयोग से चलाया जाता है।

फीनाइल तैयार करना

पीडबल्युडी की माताएँ मोमबत्ती तैयार करती हैं।

एम्ब्राइडरी इकाई

प्रधान मंत्री राष्ट्रीय परिषद् क्षमता विकास कार्यक्रम एक और उपक्रम था, जो देशभर पहुँचता था। यह कार्यक्रम सभी व्यक्ति विशेष को विकसित क्षमताओं, ज्ञान और संतोषजनक रोजगारी के लिए शक्ति देने पर लक्ष्य करता है। बेहतर जीवन स्तर (क्यूओएल) का प्रावधान करना क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य केन्द्र है। इस कार्यक्रम में गैर सरकारी संगठनों के सहयोग के साथ चलाये गये 41 कार्यक्रमों में 956 लोग लाभान्वित हुए। लाभान्वित लोगों का विवरण तालिका 2 और लेखाचित्र 1 में जोड़ा गया है। सह पाठ्यचर्या के अंग के रूप में बहुविकलांग वयस्कों और उनके परिवार के सदस्यों ने 26 और 27 दिसंबर 2013 को दो दिनों के लिए जीवन क्षमताओं में प्रशिक्षण युवा विकास का राजीव गाँधी राष्ट्रीय संस्थान, श्रीपेरुम्पुदुर, चेन्नै में, प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बहुविकलांग वयस्कों का जीवन क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

बहुविकलांग व्यक्तियों के "सच्चे अधिकार" निश्चित करने के लिए, उनकी योग्यताएँ दिखाते हुए "बहुविकलांग वयस्कों की आर्थिक अधिकारिता की ओर" नामक एक वृत्तचित्र बनाया गया।

देशभर में प्रधान मंत्री क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम 2013-14 की झलकें

आसाम – वेल्डिंग ट्रेड

मदुरै – रसायनिक उत्पाद

कोयमुत्तूर – खडिया तैयार करना

नागपट्टिनम – लिफाफा तैयार करना

येनम – कंप्यूटर प्रशिक्षण

बस्ती (यू.पी.) – कागज थैली

तिरुच्चिराप्पल्ली (त.ना.) – अराका आवरण प्लेट

कन्याकुमारी (त.ना.) – साबुन पाउडर तैयार करना

सारणी 45 : वर्ष 2013-14 के दौरान चलाये गये प्रधान मंत्री क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण

क्रम. सं.	लाभ भोगियों की संख्या	राज्य	व्यापार
1.	60	1. आसाम (i) जोहर्ट (एनई) (ii) गुवाहाटी (एनई) (iii) दिब्रुगढ़ (एनई)	(i) फिल्म बनाना (ii) सन बनाना (iii) वेल्डिंग
2.	40	2. उडीसा (i), पूरी (ii)	(i) कायर बनाना, (ii) वेल्डिंग
3.	19	3. नई दिल्ली	(i) पैकिंग और उपहार आवरण
4.	20	4. हरियाणा (i) रोहतक	(i) स्क्रीन प्रिंटिंग
5.	479	5. तमिलनाडु कन्याकुमारी (2) मदुरै तिरुच्चि (2) नागपट्टिनम तिरुवण्णामलै (2) तिरुवारूर तंजाऊर करूर (2) विरुदुनगर नामक्कल चेन्नै तिरुवळ्ळूर (2) काँचीपुरम कोयमुत्तूर	 (i) पेपर मष बनाना, (ii) साबुन पाउडर बनाना (i) रासायनिक उत्पाद (i) सन उत्पाद, (ii) सुपारी आवरण लिफाफा बनाना (i) सिलाई, (ii) घरेलू उपकरणों को ठीक करना घरेलू उपकरणों को ठीक करना (i) सन उत्पाद (i) सिलाई, (ii) मोबाइल ठीक करना (i) आभूषण बनाना घरेलू उपकरणों को ठीक करना (i) कपडे प्रिंटिंग (i) पायंदाज, (ii) सिलाई (i) बुनाई खडिया बनाना
6.	111	6. आन्ध्र प्रदेश (i) वारांगल (ii) हैदराबाद (iii) गुण्टूर (iv) अम्मलापुरम (v) विशाखपटनम	 (i) मोबाइल ठीक करना (ii) जिल्द करना और छपाई (iii) खाद्य संसाधन (iv) सिलाई (v) सिलाई
7.	25	7. उत्तर प्रदेश (i) बस्ती	 (i) कागज थैली
8.	25	8. मुंबई (i) जोगेश्वरी (ई)	 (i) सन थैली
9.	81	9. पुदुच्चेरी (i) पुदुच्चेरी (2) (ii) येनम	(i) आभूषण बनाना और शुष्क पुष्प बनाना (ii) आभूषण बनाना (iii) कंप्यूटर प्रशिक्षण
10.	20	10. अगरताला (एनई) (i) त्रिपुरा	 (i) सिलाई
11.	50	11. बिहार (i) पटना (रुकनपुरा) (ii) पटना (बेगुसराई)	 (i) कागज उत्पाद (ii) स्क्रीन प्रिंटिंग
12.	26	12. केरल (i) पालक्काडु	(i) रासायनिक उत्पाद

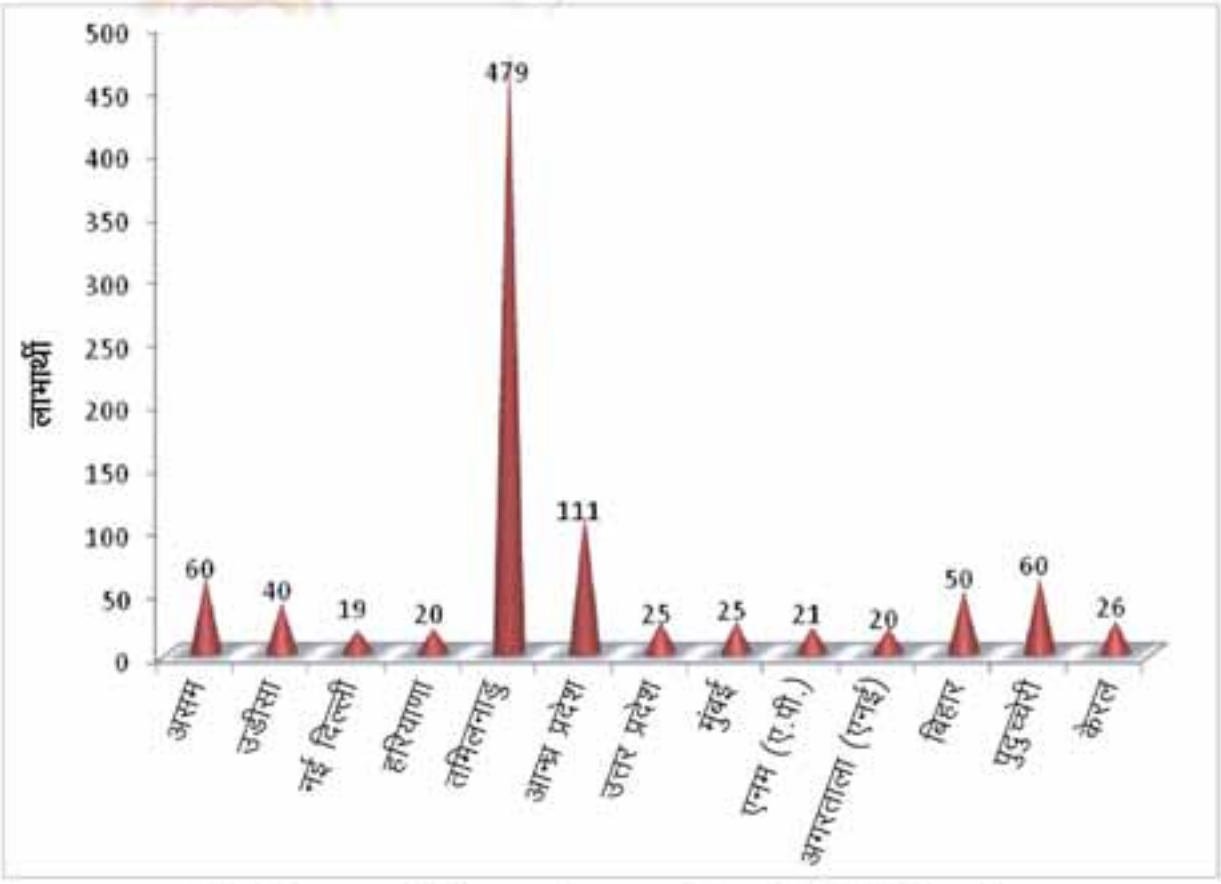

चित्र 6 : प्रधान मंत्री क्षमता विकास कार्यक्रम 2013-14 के अधीन
लाभार्थियों का राज्य रीति से विवरण

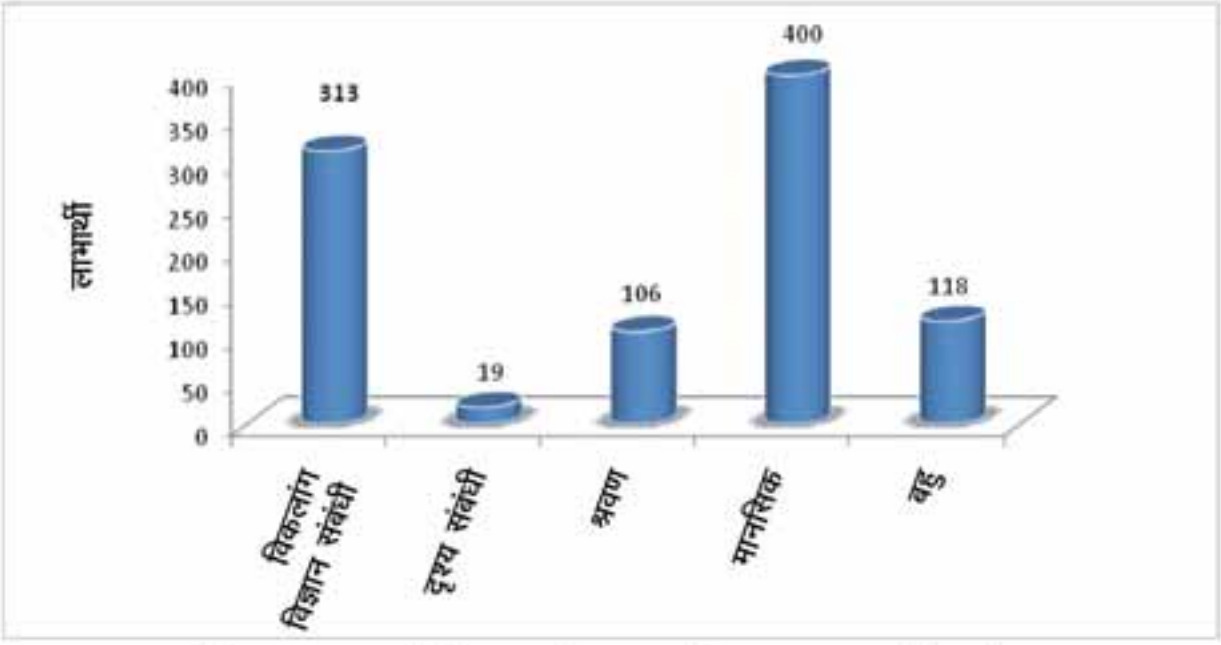

चित्र 7 : प्रधान मंत्री क्षमता विकास कार्यक्रम 2013-14 के अधीन
अशक्तता रीति से लाभार्थियों का विवरण

सफलता की कहानी - 1

मास्टर टी-धरुण जो एक वर्ष दो महीने का है, बड़ा सक्रिय और सहयोगशील है। उसका निदान किया गया कि वह विकासशील में धीमी सीमारेखा बुद्धिमान है। व्यावसायिक चिकित्सा से संबंधित समस्याएँ पता लगाने के लिए एक विस्तृत मूल्यांकन के लिए वह व्यावसायिक चिकित्सा विभाग में आया। चिकित्सा हस्तक्षेपों में एनडीटी, क्रूस अभिगम, जीवरासायनिक अभिगम, और विभिन्न ओ.टी. हस्त व्यवहार तकनीक अपनाये गये।

इन हस्तक्षेपों के द्वारा गर्दन, सिर नियंत्रण और शरीर नियंत्रण क्षमताएँ प्राप्त की और उसने संतोषजनक अभिवृद्धि की। वह अपनी सहायता से दस मिनट से अधिक बैठ पाया। वह अपनी उम्र के लायक हाथ चलाने की क्षमता पाया। जैसे हाथ से मुँह तक की क्षमता, मुँह से बोलने की क्षमता, चबाना, काटना, निगलना आदि क्रियाओं में वृद्धि आयी। लार टपकने की समस्या कम हो गयी। उपरिलिखित क्रिया योग्यताओं से यह संभव था।

खेल क्षमताओं में काफी संतोषजनक परिवर्तन (उम्र के अनुसार) आये। उदा : खेलने के उपकरणों में खुद दिखाना, पहुँचना, ग्रहण करना और आवाज करनेवाले खिलौनों से काम लेना आदि। खेल की चीजों की ओर गौर दृष्टि से देखने में भी वृद्धि हुई।

अभिभावकों को उचित गृह कार्यक्रम, जैसे उठाना और ले चलना, हाथ से काम करने के तकनीक और खाने की स्थितियाँ और तकनीक आदि दिये गये।

सफलता की कहानी - 2

आद्य हस्तक्षेप में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के प्रशिक्षणार्थी और उनकी पूर्ण अंतःशक्ति यथासमय विकास में केन्द्रित रही।

अभिभावकों और प्रधान प्रशिक्षकों तथा उनके आश्रितों के मनों में यह एक चिर स्थायी याद रही। तीन वर्ष से कम शिशुओं पर प्रधान प्रशिक्षकों ने अपने निरंतर प्रयत्न दिखाये।

इन प्रशिक्षणार्थियों ने संज्ञानात्मक क्षमताएँ, चाल क्षमताएँ, भाषा विकास और सामाजीकरण में विकास करने पर ध्यान दिया। खिलाना जैसे स्वसहयोग क्षमताओं के लिए प्रधान प्रशिक्षक से प्रशिक्षणार्थियों ने कई हस्तलाघव सीखे और स्वयं करके दिखाया। बाद में उन्होंने आँसू बहाये बिना बच्चों को खिलाने का अभ्यास पाया। अभिभावकों को भी पाँचों स्नातकोत्तर डिप्लोमा के प्रशिक्षणार्थियों ने बच्चे को बिठाना, खिलाना, और कोमल चाल-चलन क्षमताओं में शक्ति प्रदान की। रोगियों पर प्रशिक्षणार्थियों ने संवेदिक विकास पर अच्छी तरह ध्यान दिया। संवेदिक चलन विकास, संवेदिक चलन कार्यकलापों ने संज्ञाता के विकास में सहायता की। बच्चों के चेहरे खुशी से विकसित हुए और इससे उनकी माताओं के चेहरों पर भी मुस्कराहट तैरने लगी।

सफलता की कहानी - 3

बच्ची सहाना, 6 वर्ष की बच्ची प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से पीडित हुई। (सस्तंभी डिप्लेजिया)

बच्ची सहाना भौतिक चिकित्सा इकाई में मूल्यांकन के लिए एनआईईपीएमडी में आयी। वह कुछ क्षणों के लिए रेंग सकती है और घुटनों के बल बैठ सकती है। और वह द्विपक्षी अपर सिरे पर पूरा वजन उठा नहीं सकती। चतुष्पक्षीय अवस्था में बैठने में शरीर में स्थिरता ला नहीं सकती, बाहर जाते समय भी तथा श्रेणीय अस्थिरता भी मौजूद थी।

हस्तक्षेप कौशलः

- पीटी इकाई में एनडीटी अभिगम अपनाया गया है।
- शरीर की अवस्था ठीक कर दी गयी और बच्ची को अभ्यास करते समय अधिक सक्रिय होने का प्रोत्साहन देकर माँसपेशियों को सरलीकृत किया गया।
- जोड़ उपगमन बढ़ाना, कोमल ऊतक, संभलकर काम करना आदि उपक्रमात्मक रूप में किये गये।
- भंगिमा सुधार, ठवन प्रशिक्षण, संभलने का प्रशिक्षण।
- दर्द प्रबन्धन और बिजली की चिकित्सा तरीके।

उन्नतियाँः

- वह मई 2012 से चिकित्सा पा रही है, हर सत्र में 45 मिनट की अवधि के, सप्ताह में दो बार।
- स्थिति ठीक करना, घुटने के बल बैठना, अर्द्ध-घुटने पर बैठना, शरीर की स्थिरता पर उसने काम किया, अर्द्ध-घुटने से उठना, खड़ा होना और ठवन प्रशिक्षण दिया गया।
- मौजूदा हालत है कि बच्ची घुटनों के बल या अर्द्ध घुटनों के बल बैठ सकती है, ऊँचे बैठकर खड़ी हो सकती है जिसमें थोड़ी सहायता चाहिए और रोलेटर की सहायता से चल पाती है।

सफलता की कहानी -4

कुमारी डी. रत्ना, जो 14 वर्ष की है, को बहुअशक्तताओं का निदान किया गया है। प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात इकाई में उसने माध्यमिक स्तर तक की पढाई की। उसका मौजूदा स्तर का निष्पादन है स्व-कार्य क्षमताएँ, शैक्षिक क्षमताएँ करने में, चलन कार्य, भाषा और संचार में, खेल और मनोरंजन कार्यों में कठिनाई होती है। उसमें खाने-पीने में कठिनाई, एडीएल कार्यकलापों में समस्या आदि देखी गयीं। वह स्पष्ट बोल नहीं पा रही थी। वह सूक्ष्य कार्य क्षमताओं में कमजोर थी और हाथ तथा तथा आँख समन्वय क्षमताओं में अच्छी थी। वह स्वतंत्र होकर चल सकती थी।

हस्तक्षेप के बाद, वह पढाई में अधिक रुचि दिखा रही है। वह दो अंकों का जोड़ कर सकती है। वह फल, सब्जियों, स्वरों, तमिल अक्षरों को जब भी दिखायें, चित्र में दिखाती है। एनआईईपीएमडी के कार्यकर्ताओं के नाम मालूम हैं। वह अंग्रेज़ी और तमिल के शब्दों को पहचानती है।

वह अपना नाम, जन्म तिथि, घर का पता, फोन नंबर लिखती है और वह अपना हस्ताक्षर करके पोस्टमैन से अनुरक्षण अनुदान प्राप्त करती है। वह सामान्य पाठशाला शिक्षा में आठवीं कक्षा पास कर चुकी है। वैयक्तिक क्षमताओं में, वह मासिक रजोधर्म विषयक स्वास्थ्य से परिचित है। वह घरेलू मामलों में अपनी माँ की सहायता करती है। वह स्वतंत्र रूप से पी सकती है।

इशारे की भाषा सीखते हुए

उसमें लार टपकना अब नियंत्रण में है। व्यावसायिक क्षमताओं में, वह बड़ों के पर्यवेक्षण में काफी या जूस वगैरह बना सकती है। वह कला और दस्तकारी कार्यों में रुचि रखती है। वह अच्छी लड़की है। वह अपनी कक्षा की सहेलियों के साथ सहयोग करती है। वह अन्य लोगों के साथ आसानी से मिल लिया करती है। वह पढाई में, कक्षा के कार्यकलापों में और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अधिक रुचि रखती है।

सफलता की कहानी - 5

सात वर्ष का मास्टर वी. नरेश चोपड़ा निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति के परिवार का है। वह चलन, वाणी और संज्ञानात्मक मामलों में धीमे विकास की शिकायत से लाया गया था। बच्चा असमरक्तता की जोड़ी का पैदा हुआ था। अब माँ-बाप के साथ वह रहता है। बच्चा 25.07.2012 को एनआईईपीएमडी में आया। बच्चा यहाँ चिकित्सा, मनोविज्ञान, पीटी, ओटी, वाणी चिकित्सा और विशेष शिक्षा जैसे बहुअनुशासनिक दल द्वारा निरीक्षण किया गया। मूल्यांकन दल ने देखा कि बच्चा आत्मविमोह वर्णक्रम अव्यवस्था से पीडित है और विकास का हल्का अवरोध है। उसको विशेष शिक्षा विभाग में भेजा गया।

विशेष शिक्षा में, उसे एक वर्ष (जुलाई 2012–अप्रैल 2013) की अवधि के लिए स्कूल की तैयारी (अंत : शिक्षा) के लिए ईसीएसई इकाई को भेजा गया। ईसीएसई इकाई में बच्चे के माता-पिता को एडीएल, संकल्पना का निर्माण, सामाजिक और भाषायी क्षमताओं का सामना करना पड़ा। वह अधिकांश कार्यों में अपनी माता पर निर्भर करता था। अतः महत्वपूर्ण समस्या क्षेत्रों में अधिक ध्यान दिया गया और लक्ष्य निश्चित किये गये तथा हस्तक्षेप भी दिया गया। ईसीएसई कक्षा के दौरान उसने स्थानीय, प्रान्तीय और राष्ट्रीय स्तर के खेलकूदों में भाग लिया और पुरस्कार भी जीते।

- सातवाँ आरोहणीय विशिष्टता पुरस्कार 2013 – "खेलकूद" के क्षेत्र में विशिष्टता के लिए जो तमिलनाडु असमान योग्य संघ धर्मार्थ न्यास द्वारा 14 नवंबर 2013 को चलाया गया।
- 22 फरवरी 2014 को असमान योग्य व्यक्तियों के लिए हुई तेरहवीं प्रान्तीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता में 5–8 वर्ष के बच्चों की 25 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।
- फरवरी 2013 को बहु विकलांगों के लिए असमर्थों के लिए सातवें खेलकूद (भारतीय पारालिंपिक समिति से संबद्ध) प्रतियोगिता में भाग लिया और बहुअशक्तता संवर्ग के अन्दर पुरस्कार प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान पाया, 50 मीटर दौड़ में प्रथम आया और टेनिस बाल फेंकने में तीसरा रहा।

- फरवरी 2013 में वेगम् 2013 – असमान योग्य व्यक्तियों की खेलकूद प्रतियोगिता में उसने भाग लिया। निशान पर गेंद फेंकने में उसने प्रथम स्थान पाया। 25 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में वह तीसरा आया।

वह विभिन्न शिक्षण कौशलों/तकनीकों द्वारा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया गया और हर क्षेत्र में उसने खास उन्नति दिखायी। लेखन कला में, पठन कला में, संचार क्षमताओं में उसने उन्नति की। और सरल वाक्यों में बोलने, अन्य बच्चों के साथ सहयोग करके खेलने में, 10 चीजों तक गिनने में, एडीएल क्षमताओं में स्वतंत्र रहने में वह सफल रहा। वह नियमित पाठशाला (अन्तः शिक्षा) में भेजा गया। उसको दाखिला मिला और आईआरटी स्कूल, बालया नेडुंकुप्पम, कूवत्तूर, कल्पाक्कम में 2013–14 वर्ष के एलकेजी में पढ रहा है। उसका निष्पादन अच्छा है और पढ़ाई में अच्छा अंक प्राप्त करता है। उसी समय अन्य क्षमताओं की उन्नति के लिए सप्ताह में दो बार पाठशाला अनलंब सेवाओं के लिए आता है।

सफलता की कहानी - 6

वयस्क लड़कियों के लिए विशेष आवश्यकताओं के साथ अपने अधिकारों को यथार्थ रखना।

24 वर्ष की कुमारी ए. पुनीता, अपने परिवार की कनिष्ठ पुत्री है। परिवार के सभी सदस्यों ने और विशेषकर उसकी दो बड़ी बहनों और माता-पिता ने पूर्ण सहयोग दिया। जैसे ही उसकी विशेष आवश्यकताएँ पहचानी गयीं, वह अपने जीवन के हर कदम पर विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। जब वह एनआईईपीएमडी में आयी, तभी उसमें छिपी प्रतिभा बाहर दिखाई दी।

वह अपने घर के निकट एक स्कूल में सातवीं कक्षा तक पढाई की। 01.01.2012 वर्ष में वह एनआईईपीएमडी में पंजीकृत हुई। आरंभिक बहुअनुशासनिक मूल्यांकन के बाद, वह व्यस्क स्वतंत्र जीवन विभाग में भेजी गयी। वहाँ विशेषज्ञों द्वारा एक विस्तृत मूल्यांकन तैयार किया गया। व्यक्तिगत स्वास्थ्य, संचार क्षमताएँ, शैक्षिक क्षमताएँ, कार्य आचरण क्षमताएँ, घरेलू कार्यकलाप लिंग शिक्षा, स्वसमर्थन, सुरक्षा

क्षमताएँ आदि में उसका मौजूदा स्तर का प्रदर्शन देखा गया और आगे के प्रशिक्षण के लिए वह नव स्थापित घरेलू क्षमता इकाई में भेजी गयी।

दो वर्ष के अन्दर, वह सफलता के रास्ते से निकली। व्यावसायिक प्रशिक्षकों के सहयोग के साथ नियमित प्रशिक्षण पाया। व्यक्तिगत स्वास्थ्य क्षमताओं के प्रशिक्षण में अधिक जोर दिया गया जिसे परिवार ने और समुदाय के लोगों ने स्वागत किया। उसकी प्रस्तुति क्षमताओं में प्रशिक्षण देने पर, वह हल्का नाश्ता तैयार करने में रुचि ली और विभाग में प्रसिद्धि पायी। जैसे कहा जाता है, "योग्यताएँ देखो असमर्थताएँ नहीं", कुमारी पुनीता ने आगंतुकों, पेशवरों और समुदाय के अन्य सदस्यों को उसने निरूपित किया। अब तक उसके दल ने रु.26,305/- की विक्रय-रकम कमाई। श्रीमती सी. माला, व्यवसायिक प्रशिक्षिका ने सहयोग दिया।

इसी प्रकार, अपने विभाग के सहकर्मियों के साथ विश्वास प्राप्त करके, अपनी सह व्यस्क लड़कियों की देखभाल करने में एक प्रशिक्षिका के रूप में अपने को व्यस्त कर लिया। वह अपने दैनिक कार्यों में अपने दलों में एक आदर्श माडल मानी जाने लगी।

कुछ उल्लेखनीय क्षमताएँ कुमारी ए. पुनीता में देखी गयीं जब वह प्रशिक्षण काल में व्यस्क लड़कियों की माँग में अभ्यास कर रही थी। वह व्यस्क स्वतंत्र जीवन क्षमताओं के अनुरूप काम कर रही थी।

- **व्यक्तिगत स्वास्थ्य क्षमताएँ :** नाश्ता बेचने में स्वास्थ्य का ध्यान रखना, कपड़े में और बनाव-श्रृंगार में साफ-सुथरापन रखना।
- **कार्य आचरण क्षमताएँ :** स्वतंत्र रूप से रसोई करना, रसोईघर, बर्तन, कपड़े आदि संभालकर रखना।
- **लिंग शिक्षा क्षमताएँ :** व्यस्क लड़कों और नये सदस्यों के साथ अच्छे ढंग से बात करना।
- **सुरक्षा क्षमताएँ :** स्वतंत्र रूप से यात्रा करना, अपने आप की देखभाल कर लेना।
- **शैक्षिक क्षमताएँ :** स्वतंत्र रूप से जाकर खरीददारी करना, चुट्टे गिनना, चीजों को बराबर प्राप्त करना।

इस प्रकार कुमारी पुनीता अपने परिवार के सदस्यों, पेशेवरों, समुदाय की सहायता से अपने इस स्तर को उपलब्ध कर पायी। और सीधे ही **इन्वियॉन स्ट्रेटजी 2012 के लक्ष्य सं.6 (लिंग समता और नारी अधिकारिता सुनिश्चित करना)** को उसने प्राप्त किया।

अध्याय 5

विकलांग व्यक्तियों को खरीद/उपकरणों और साधनों की उपयुक्तता की सेवाओं के लिए सहायता की योजना

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने इस संस्थान को विकलांग व्यक्तियों को सहायक उपकरणों के वितरण के लिए एक कार्यान्वयन अभिकरण के रूप में चुना है। इस योजना के अधीन वितरित साधन और उपकरण पूर्ण रूप से भारतीय मानक ब्यूरो के विनिर्देशन को निश्चित करते हैं। समुदाय की माँग और आवश्यकता के अनुसार मूल्यांकन और वितरण शिबिरें आयोजित की गयीं। राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (एनआईईपीएमडी) ने विभिन्न स्थानों पर शिबिरों का आयोजन किया और भारत सरकार की एडीआईपी योजना के कार्यान्वयन के लिए केन्द्र खोला जिसमें 2013-14 प्रतिवेदित वर्ष के दौरान 1922 व्यक्तियों को 2390 साधन और उपकरण वितरित किये गये। इसका विवरण निम्नलिखित है:

सारणी 46 : एआईडीपी योजना के अधीन निधियाँ

वर्ष	आदि शेष	प्राप्त सहायक अनुदान बचत खाते में ब्याज	प्राप्ति की तिथि	खर्च	अन्तशेष
2008-09	86,62,628	रु. 84,62,174 2,50,615	22.04.08 24.12.08 18.02.09	रु. 1,16,39,132	रु. 57,36,285
2009-10	57,36,285	रु. 12,50,000 रु. 1,72,175	06.04.09	रु. 59,16,189	रु. 12,42,271
2010-11	12,42,271	रु. 3,00,11,000 रु. 2,36,773	23.4.2010 29.12.2010 15.2.2011 31.3.2011	रु. 34,05,397	रु. 2,80,84,647
2011-12	2,80,84,647	शून्य रु. 9,78,435	–	रु. 75,51,676	रु. 2,15,11,406
2012-13	2,15,11,406	शून्य रु. 6,06,942	–	रु. 2,15,93,428	रु. 5,24,920
2013-14	5,24,920	2,25,00,000 2,48,086	28.9.13 27.12.13	रु. 1,76,35,983	रु. 56,37,023

गुजरात में एक लाभार्थी वितरण शिविर में श्रवण साधन प्राप्त करते हुए

उडीसा में एक लाभार्थी वितरण सिविर में तिपहिये पैरगाडी प्राप्त करते हुए

सारणी 47 : वर्ष 2013-14 के लिए एडीआईपी योजना के अधीन प्राप्त लाभार्थियों का विवरण

क्रम	राज्य	जिला	दिनांक	लाभार्थियों का विवरण					कुल
				ओएच	बीएच	एमएच	एचएच	पीएओ	
1.	तमिलनाडु	काँचीपुरम	24.11.13	03	-	-	03	-	06
2	गुजरात	अहमदाबाद	24.12.13	21	-	267	-	-	288
3	तमिलनाडु	चेन्नै	04.01.14	03	-	04	-	-	007
4	तमिलनाडु	तिरुवळ्ळूर	14.02.13	-	-	-	61	-	061
5	गुजरात	अहमदाबाद	17.02.14	-	-	205	-	-	205
6	तमिलनाडु	कडलूर	21.02.14	-	-	196	-	-	196
7	आन्ध्र प्रदेश	वारांगल	26.02.14	100	-	100	015	-	215
8	तमिलनाडु	तिरुवळ्ळूर	30.05.13	75	-	-	-	-	075
	तमिलनाडु	काँचीपुरम	1.4.13-	135	026	389	120	199	869
		(मुख्यालय)	31.03.14						
कुल जोड				**337**	**026**	**1161**	**199**	**199**	**1922**

सारणी 48 : वर्ष 2013-14 के लिए एडीआईपी योजना के अधीन वितरित साधनों एवं उपकरणों का विवरण

क्र.सं.	विवरण	उपकरणों की संख्या	क्र.सं.	विशेष	उपकरणों की संख्या
1.	तिपहिये साइकिल	0128	11.	श्रवण साधन	0199
2	पहिया दार कुर्सी (ए)	0140	12	हस्ताक्षर गाइड	0003
3	पहिया दार कुर्सी (C)	0076	13	ब्रेइल घड़ी	0020
4	सहायक बैसाखी	0091	14	ब्रेइल स्लेट	0003
5	कोहनी बैसाखी	0098	15	स्टैण्ड माग्निफैयर	0005
6	वाक्कर	0009	16	अबाकस	0003
7	चलन छड़ी	0027	17	क्रिकेट गेंद	0003
8	रोलेटर	0025	18	हस्त माग्निफैयर	0005
9	शिक्षण-अभिगम सामग्रियाँ	1161	19	सीडी प्लेयर	0015
10	कृत्रिम अंग और ओर्थोटिक	0367	20	फोल्डिंग केन (एनआईवीएच)	0012
कुल जोड़					**2390**

अध्याय 6

अनुसंधान & विकास

किसी एक विशिष्ट विषय पर प्रासंगिक सूचना के लिए वैज्ञानिक एवं क्रमिक खोज ही अनुसंधान है। इसमें ध्यानपूर्वक जाँच-पड़ताल या पूछताछ शामिल है विशेषकर ज्ञान की किसी भी शाखा में नये यथार्थों के लिए शोध द्वारा ध्यान देना है। अनुसंधान एक शैक्षिक कार्य है। इसमें समस्याओं की परिभाषा देना और पुनर्परिभाषा देना, परिकल्पनाओं को नियमित करना या समाधान देना, संकलित करना, आयोजन करना और आँकडों का मूल्यांकन करना और निष्कर्ष पर आना है। यहाँ पुनर्वास के क्षेत्र में केवल प्रमाण पर आधारित अनुसंधान ही किया जाता है। अनुसंधान और विकास एनआईईपीएमडी के लक्ष्यों में एक है।

अनुसंधान परियोजनाओं के निर्देशन के लिए शैक्षिक समिति का गठन किया गया है। इस प्रकार ली गयी अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित है:–

1. बहुविकलांग के व्यक्तियों की उत्पत्तिमूलक रूपरेखाएँ बनाना-समरक्तता की उत्पत्तिमूलकता:

विकृति या विकलागों के साथ संतति में बढ़ते जोखिम के साथ समरक्तता संबंधित है। माता-पिता से संतति में दोषपूर्ण आटोसोमल अप्रबल जीन का वंशानुक्रम हर गर्भ काल में 25% तक है। परियोजना का अनुमानित खर्च रु.13,42,000 का है। इस परियोजना में रु.12,02,800 का खर्च किया गया है।

लक्ष्य:

माता-पिता और उनके बहुविकलांगों से ग्रस्ति बच्चों की समरक्तता के अध्ययन द्वारा हम यह दिखाने की आशा करते हैं कि कैसे समरक्तता के माता-पिता अपने संवाहक (आटोसोमल अप्रबल) दोषपूर्ण जीन अपने बच्चों को देते हैं जिसके परिणाम में प्रभावी दोषपूर्ण अव्यवस्था आती है।

पद्धति:

इस अध्ययन अभिकल्प ने विलोपन या द्विरावृत्ति के रूप में या असमयुग्मता की क्षति (एलओएच) के रूप में मात्रिक जाति संबंधी असंतुलन देखने के लिए एसएनपी क्रम विन्यास अपनाया गया। माता-पिता और साधारण सहोदर भाई-बहन भी निरीक्षण के रूप में परीक्षित किये गये। रोगियों में विलोपन और द्विरावृत्ति देखी गयी तथा उनके माता-पिता और सहोदरों में भी देखी गयी। सभी मामलों में एलओएच का विस्तार विभिन्न आधार जोडियाँ कई गुणसूत्रों में देखी गयीं। वे एलओएच जो निरीक्षणों पर लाँघ नहीं रहे थे, वे शक्तिशाली क्षेत्र थे जो परीक्षित जीन को लक्ष्य कर रहे थे।

परिणाम:

देखे गये 10 रोगियों में से 5 में, ये एलओएच क्षेत्रों के आटोसोमल अप्रबल जीन रोगी की अव्यवस्था के साथ मेल खा रहे थे। हमने देखा कि साधारण सहोदर इस प्रकार के दोषपूर्ण जीन प्राप्त नहीं कर रहे थे और एलओएच क्षेत्रों का कम अंश पा रहे थे। नीति निर्धारकों को समझना है कि समरक्तता संबंधों के विरुद्ध विधान बनाने की माँग या कम से कम समरक्तता संबंध से जुडी जोडियों को परखने का आदेश देना है।

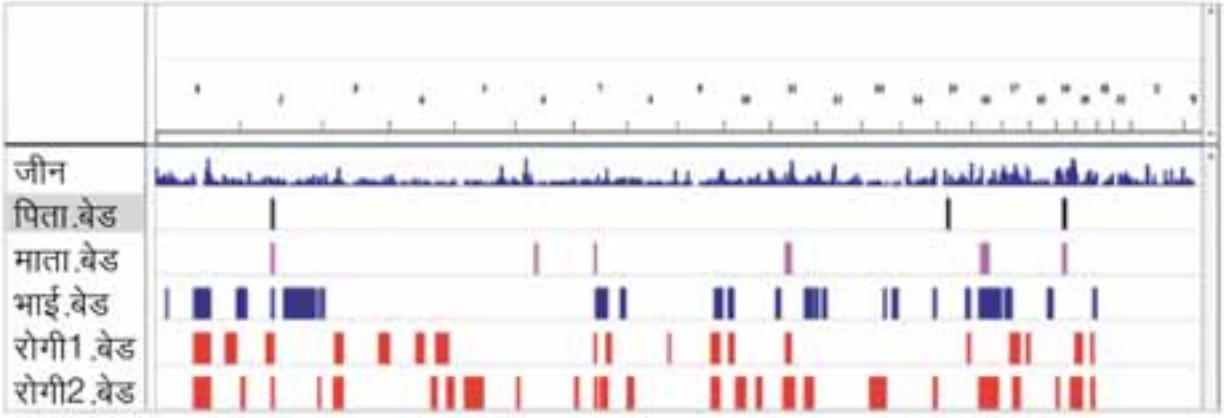

चित्र 8 : आटोसोमल गुण सूत्रों पर एलओएच (विषमयुग्मता की क्षति)। हर खण्ड गुणसूत्र पर, उचित ढंग से एलसीएचएस (दीर्घ अविराम समयुग्मज) फैलाव को दिखाता है।

वर्तमान स्थिति : पूर्ण हुआ।

2. भारत में बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए वर्तमान सेवा प्रावधान - एक आँकडे पर आधारित संग्रहण

बहुविकलांग व्यक्तियों में विभिन्न अशक्तताओं का सम्मिलन होता है, जिनमें भौतिक चलन, मानसिक मंदन, दृश्य, श्रवण और अन्य सह संबंधी अशक्तताएँ हो सकती हैं। इस प्रकार, पूरे देश में प्राप्त वर्तमान सेवाओं और सेवा तरीकों संबंधी आँकडा–बैंक बनाना आवश्यक है।

परियोजना की कालावधि 3 वर्ष की है और परियोजना का अनुमानित व्यय रु.10 लाख है। और यह समाज कल्याण विभाग में चलायी जायेगी। आज की तारीख तक इस परियोजना के लिए रु.7,74,000/- की रकम खर्च की गयी है।

उद्देश्य:

भारत में बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए सेवाएँ प्रदान करनेवाले वर्तमान संगठनों, संस्थानों का एक संकलित आँकड़े आधार का प्रावधान करना।

लक्ष्य:

- बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए काम करनेवाले संगठनों/संस्थानों के पते संग्रहीत करना और वर्गीकृत करना।

- भारत भर में बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए प्राप्त सेवाएँ संबंधी सूचनाएँ संग्रहीत करना।
- बहुविकलांग व्यक्तियों को प्राप्त सेवा वितरण मॉडल से संबंधित सूचनाओं का पुनरीक्षण करना।
- दीर्घकालीन पुनर्वास के लिए बाहरी लाभार्थियों को संगठनों/संस्थाओं में सौंपना।
- बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए प्रभावी सेवाएँ प्रदान करने के लिए एनजीओओं की माँगों का मूल्यांकन करना।

प्रत्याशित परिणाम:

- बहुअशक्तकतायुक्त व्यक्तियों के लिए सेवाओं का प्राबधान करनेवाले संगठनों/संस्थानों की सूची का आँकड़ा बैंक।
- संगठनों/संस्थानों की जिलावार निर्देशिका की तैयारी की जायेगी।
- और आगे के अनुसंधान के लिए देशवार आँकड़ा संग्रहीत करना।
- एनआईईपीएमडी में असाधारण सेवा वितरण मॉडल तैयार करना।
- तमिलनाडु और अन्य प्रांतों में काम करनेवाले एनजीओओं के साथ नेटवोर्किंग।
- प्रकाशन और प्रस्तुतिकरण

वर्तमान स्थिति:

- देशभर में फैले कुल 223 संगठनों के विवरण एकत्रित किये गये।
- एकत्रित आँकडे की जाँच-पड़ताल, संपादन और संग्रहण का कार्य जारी है।
- निर्देशिका की अन्तिम छपाई ग्रंथाकार और रूपांकन जारी है।

3. यंत्रचालित उपकरण द्वारा क्षमता प्रशिक्षण की बनावट में बहु संवेदिक विकृतिवाले बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए तकनीकी अनुकूलन।

एनआईईपीएमडी के व्यस्क स्वतंत्र जीवन विभाग विज्ञान और तकनीक विभाग (डीएसटी) के सहयोग के साथ विकलांग और प्रौढ तकनीक हस्तक्षेप (टीआईडीई) की योजना के अन्तर्गत "यंत्रचालित उपकरण द्वारा क्षमता प्रशिक्षण की बनावट में बहु संवेदिक विकृतिवाले बहु विकलांग व्यक्तियों के लिए तकनीक अनुकूलन" शीर्षक पर एक परियोजना बनायी गयी।

जैसे मालूम है कि उच्चतम परिणाम पाने के लिए क्षमता प्रशिक्षण बनावट में प्रौढों को प्रशिक्षण देना, विशेषकर बहु विकलांग व्यक्तियों को प्रशिक्षण देने में उचित योजना बनाना और उचित अनुकूलन

की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखकर, उक्त परियोजना प्रौढ़ स्वतंत्र जीवन (एआईएल) विभाग में शुरू की गयी। स्पर्श भाव को उद्दीप्त करने के मूल सिद्धान्त पर यह उपकरण काम करता है। इस तरीके से हर व्यक्ति स्वतंत्र रूप से क्षमता प्रशिक्षण बनावट में आधारभूत आवश्यक कार्य कर लेने के लिए अनुकूलित किया गया। इसी प्रकार यही प्रक्रिया गृह वातावरण में साधारणीकरण के लिए भी निर्मित की गयी।

इस वर्ष के दौरान इन कार्यकलापों की प्रगति का पुनरीक्षण करने के लिए डीएसटी द्वारा हैदराबाद में 10 जनवरी 2014 को एक बैठक हुई। इसमें अतिरिक्त बजट के रूप में एक लाख और अनुदान की अनुमति दी गयी और अतिरिक्त आठ महीने की कालावधि बढायी गयी।

उद्देश्यः

- यंत्रचालित अनुकूलित उपकरण बनाना।
- क्षमता प्रशिक्षण बनावट में बुनियादी आवश्यकताओं के लिए प्रशिक्षण प्रावधान करना।
- प्रौढ़ों के अपने कार्यों में तथा घरेलू वातावरण में विशेष आवश्यकताओं में स्वतंत्रता प्राप्त करना।

वर्तमान स्थितिः

- एक अनुकूल उपकरण बनाया गया।
- अनुकूल उपकरण के प्रभावीकरण निर्मित किया गया।

परिणामः

- सभी कार्यों में और घरेलू वातावरण में प्रशिक्षक के उपयोग के लिए एक बहु-संवेदिक अनुकूल उपकरण (कंपित्र)।
- अनुकूल उपकरण के रूप में माता-पिताओं पर शिक्षकों के लिए पुस्तिका।

4. संस्तंभी चतुर्भुजचलन प्रमस्तिष्कीय पक्षाघातवाले रोगियों के लिए सार्वजनिक विचार-विमर्श तरीका, प्राचल और हस्तक्षेप पर एक अध्ययनः

चतुर्भजचलनवाले रोगी सार्वजनिक विचार-विमर्श में अधिक परिवर्तन पाते हैं। इस प्रकार की चलन क्षति संस्तंभी चतुर्भुजचलन प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात में देखी जा सकती है, अतः उनके सार्वजनिक विचार विमर्शीय प्राचलन को मूल्यांकित करना आवश्यक हो गया है और देखना है कि कहीं खसन समझौता होता है या नहीं। इस परियोजना की कालावधि 3 वर्ष की है और परियोजना की अनुमानित लागत रू.5 लाख है। आज तक इस परियोजना में रु.60,000/- तक का खर्च किया गया है।

उद्देश्यः

संस्तंभी चतुर्भुजचलन प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात वाले रोगियों के सार्वजनिक विचार विमर्श तरीका, प्राचल पर अध्ययन करना, और उसके लिए हस्तक्षेपी संलेख बनाना।

प्रत्याशित परिणामः

अध्ययन के परिणामों के आधार पर निम्नलिखित क्षेत्रों में सिफारिशों दी जायेंगी, वे हैं– फेफड़ों संबंधी कमी पुनर्वास के लिए संलेख तैयार करना, सेवा मॉडलों में फेफड़ों संबंधी कमी पुनर्वास में जोड लेना, बहुविकलांग लाभार्थियों के लिए अलग फेफड़ों संबंधी पुनर्वास इकाई का निर्माण करना।

वर्तमान स्थितिः

यह अध्ययन 3 चरणों में चलाने का निर्णय किया गया है। पहले चरण में समाविष्ट बातें हैं:

1. अन्तःगत मापदण्ड वाले रोगियों को पहचानना।
2. कंप्यूटरीकृत स्पैरोमीटर का उपयोग करके सार्वजनिक विचार-विमर्श प्राचल को मूल्यांकित करना।
3. सामान्य विषयों के साथ स्वसन प्राचलों के मूल्यों की तुलना करना।
4. उचित फेफड़ों संबंधी पुनर्निर्माण संलेख की कमियों और उपकरणों के क्षेत्रों को ढूँढना।

पहले चरण के पूर्व मूल्यांकन में समाविष्ट 40 रोगियों में से 20 लोग परीक्षणात्मक हैं और 20 लोग नियंत्रित दल में हैं। परीक्षणात्मक दल के लिए चिकित्सीय कार्यक्रम दिया गया, इस दल के 15 रोगियों ने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।

फेफड़ों संबंधी प्रशिक्षण में समाष्टि बातें है:

1. श्वसन अभ्यास
2. कंधों/कंधे की करधनी का सक्रिया अभ्यास
3. वक्षीय विस्तार अभ्यास
4. मध्यपटीय दृढ़ीकरण अभ्यास आदि।

ये अभ्यास 6 सप्ताह की कालाषधि तक दिये गये, जिनमें फुफ्फुसीय मात्रा के आन्तरायिक परीक्षण और शक्तियाँ तीसरे सप्ताह में की गयीं। 30 रोगियों के लिए ऑकडे विश्लेषण (15 परीक्षणात्मक और 15 नियंत्रित दल के) अभी प्रक्रम में हैं।

5. बहुविकलांग बच्चों में निद्रा पद्धतियों और उनका दैनिक कार्यकलापों में प्रभाव पर एक अध्ययनः

परिचयः

बहुविकलांग लाभार्थियों को निर्विघ्न निद्रा करने में बार-बार समस्याएँ होती हैं। अनिद्रा के कारण पढ़ाई में ध्यानहीनता, चिड़चिड़ाहट और व्यतिकरण पैदा होते हैं। अतः निद्रा पद्धितियाँ और निद्रा अव्यवस्थाओं की चिकित्सा उपरिलिखित कठिनाइयों को दूर करने में सहायक रहेंगी। इस परियोजना की अवधि 3 वर्ष की है और इस परियोजना के लिए रु.7.5 लाख की रकम निर्धारित की गयी है।

उद्देश्यः

50 बहुविकलांग रोगियों की निद्रा पद्धति का अभिलेख करना, उनकी निद्रा पद्धति का विश्लेषण करना और हस्तक्षेप देना।

प्रत्याशित परिणामः

अपर्याप्त निद्रा से पीडित रोगियों को दीर्घ निद्रा लेने दिया जायेगा और इस प्रकार चिड़चिड़ाहट कम करने तथा जीवन स्तर बढ़ाने का प्रयत्न किया जायेगा। बहु विकलांग बच्चों के लिए जो निद्रा अव्यवस्थाओं से पीडित उचित चिकित्सा देने में सहायता होगी।

वर्तमान स्थितिः

बहुविकलांग और निद्रा की समस्याओं से पीडित 50 बच्चों को पहचाना गया। निद्रा पद्धतियों के मूल्यांकन संबंधी प्रपत्र तैयार किया गया। एक समझौता विज्ञप्ति (एमओयू) तैयार की गयी और निद्रा स्लीप क्लीनिक चेन्नै के डॉ. रामकृष्णन द्वारा हस्ताक्षर किया गया। निद्रा अभिलेख पॉलिसोम्नोग्राफी के लिए रोगी चिकित्सालय भेजे गये। रात के 9.30 बजे से लेकर बच्चे के उठने तक निद्रा पद्धति का अध्ययन किया गया। इस निद्रा विश्लेषण के लिए 23 बच्चे भेजे गये हैं। रिपोर्ट दिखाता है कि तीव्र नेत्र संचलन निद्रा (आरईएम), गर्राटे की बाधाएँ, अपर्याप्त भोजन, झटके की बाधाएँ, देरी से सोना आदि समस्याएँ हैं। विशेषज्ञ द्वारा बच्चों को यथानुसार हिदायतें दी गयीं। अतिक्रियाशील बच्चों में निद्रा का अभिलेख लेना कठिन था, क्योंकि उन बच्चों ने सिर पर बंधे संवेदी इलैक्ट्रोड़ों को निकाल दिया। चिकित्सालय ने अतिक्रियाशील बच्चों की निद्रा पद्धति का अभिलेख लेने के लिए अनुकूल बनाया है।

डॉ. रामकृष्णन, निद्रा अव्यवस्थाओं के विशेषज्ञ, ने एक उपकरण बताया है जो बच्चों में अश्वसन आघात को रोकेगा। निम्नलिखित प्रकार की उन्नति देखी गयी है– ध्यान का समय विस्तृत हुआ, क्योंकि बच्चों की अविरत निद्रा की अवधि लंबी हो गयी। मूल्यांकित सभी 23 बच्चों के लिए – दवाई देना, व्यायाम और घर में निद्रा-कक्षा में संशोधन किये गये। माता-पिता का कहना है कि निद्रा पद्धति में विलक्षण उन्नति हुई है।

सारणी 49 : वर्ष 2013-14 में पत्रिकाओं में प्रकाशित अनुसंधान प्रपत्र

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम
1	श्री नचिकेता रौठ	भारतीय दृश्य विधान में श्रवण क्षति के जोखिम घटक : एक अनुदर्शी अध्ययन	स्वास्थ्य और कल्याण की भारतीय पत्रिका 3(8), 2013
2.	श्रीमती बी. लीलावती, डॉ. जे. विजयलक्ष्मी, डी. स्टालिन अरुल रंगन और आर. आनन्द कृष्णन	बहुविकलांग व्यक्तियों को शिक्षण में बाह्य कार्यकलापों पर एक अध्ययन	विशेष शिक्षा की भारतीय पत्रिका 2 & 3 (2013)
3.	श्री नचिकेता रौठ	हकलाहट के अवधारण पर एक अध्ययन	लिबेर्टा अकाडेमिया जनवरी, 14
4.	डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन और डॉ. के. बालभास्कर	बहुविकलांग व्यक्ति के परिवारों के लिए बहुविकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समझौते (यूएनसीआरपीडी) के कार्यान्वयन में राष्ट्रीय संस्थान की भूमिका : एक अध्ययन	मनोविज्ञान और शिक्षा की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 1(5) जनवरी 2014
5.	श्रीमती बी. लीलावती	बहुविकलांग बच्चों में मूलपाठ विषयक क्षमताओं को विकसित करने के बाद कार्यकलाप	रेनबो (पाक्षिक पत्रिका) अक्तूबर, 2013
6.	श्री नचिकेता रौठ और एस. कुमार	कोल्कत्ता में सामुदायिक सौर स्तर और पुलिस के अभिमत	भारतीय पुनर्वास परिषद् की पत्रिका 1-2, 2013.

अध्याय 7

महत्वपूर्ण घटनाएँ

सेवा और शैक्षिक जैसे नियमित कार्यकलापों के अलावा, यह संस्थान विभिन्न विशेष कार्यक्रम चलाये और बहुविकलांग व्यक्तियों की बेहतरी के लिए सम्मेलनों, कार्यशालों और अभिज्ञा कार्यक्रमों का आयोजन किया।

एनआईईपीएमडी ने विश्व आत्मविमोह दिवस 2 अप्रैल 2013 को मनाया। इस अवसर पर आत्मविमोह के डिप्लोमा प्रशिक्षणार्थियों और आत्मविमोहयुक्त व्यक्तियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाये गये।

आत्मविमोहयुक्त लोग सांस्कृतिक कार्यक्रम चला रहे हैं।

प्रति आतंकवाद दिवस

21 मई 2013 को भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव गाँधी की मृत्यु जयन्ती का स्मरणोत्सव मनाने के लिए प्रतिआतंकवाद दिवस मनाया गया। इस दिन श्री नचिकेता रौठ, निदेशक (प्रभारी), एनआईईपीएमडी ने शिक्षकों को प्रतिआतंकवाद दिवस की शपथ दिलायी।

शिक्षकों द्वारा प्रतिआतंकवाद की शपथ

हेलन केलर जन्मदिवस समारोह

हेलन केलर का जन्म दिन एनआईईपीएमडी में 27 जून 2013 को मनाया गया। इस अवसर पर एनआईईपीएमडी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाये और बधिरांध व्यक्तियों के अभिभावकों को कल्याणकारी सुविधाएँ दीं।

बधिरांध लोग सांस्कृतिक कार्यक्रम चला रहे हैं।

बी.एड. विशेष शिक्षा (बहुअशक्तताएँ) का प्रथम उपाधि ग्रहण समारोह 7 जुलाई 2013 को एनआईईपीएमडी के परिसर में मनाया गया। डॉ. जी. विश्वनाथन, कुलपति, तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय, चेन्नै मुख्य अतिथि रहे। डॉ. वर्षा गतू, रीडर, एओई जीएनआईएचएच, मुम्बई, विशिष्ट अतिथि थीं।

डॉ. जी. विश्वनाथन स्नातक को प्रमाण पत्र दे रहे हैं।

राष्ट्रीय मेला:

विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 25 से 28 जुलाई 2013 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित "स्वावलंबन-विकलांग व्यक्तियों के लिए साधन और उपकरण पर राष्ट्रीय मेला" प्रदर्शनी में एनआईईपीएमडी ने भाग लिया।

सुश्री कुमारी शेल्जा, तत्कालीन मंत्री, एमएसजे & ई, भारत सरकार
'स्वावलंबन' प्रदर्शनी में एनआईईपीएमडी के स्टाल में पदार्पण

अतिथि व्याख्यान:

श्रीमती रंजनी पद्मनाभन, रेडियेशन ऑंकालजिस्ट, अनुसंधान सहायक, यूनिवर्सिटी आफ मेरीलैंड और जार्ज टाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए, ने "कैंसर के चिह्न और लक्षण" पर 30 जुलाई 2013 को एनआईईपीएमडी में विकलांग व्यक्तियों के अभिभावकों तथा शिक्षकों के लिए एक अतिथि व्याख्यान दिया।

'कैंसर के चिह्न और लक्षण' पर अतिथि व्याख्यान दे रही हैं।

प्रशिक्षण:

एनआईईपीएमडी, सेंस इण्टरनेशनल (इंडिया) और पेर्किंस इण्टरनेशनल, यूएसए, के सम्मिलित तत्वावधान में "बधिराँधतायुक्त बच्चों के संचार मूल्यांकन पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण" पर एनआईईपीएमडी, चेन्नै में 1–3 अगस्त, 2013 को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री शिवशंकरन, आईएएस, सचिव, असाधारण योग्यों का कल्याण विभाग, तमिलनाडु सरकार, मुख्य अतिथि रहे। बधिराँधता के लगभग 35 वरिष्ठ पेशेवरों और परामर्शदाताओं ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया।

डॉ. नीरजा चन्द्रमोहन उद्घाटन भाषण देते हुए।

मंत्री का भ्रमण:

परिवार ने "बौद्धिक और विकासशील अशक्तताएँ" पर चेन्नै गोल मेज सम्मेलन 2013 एनआईईपीएमडी में 7-8 अगस्त 2013 को आयोजित किया। माननीय मंत्री श्रीमती पी. वळरमति, समाज कल्याण और पुष्टिकर भोजन कार्यक्रम विभाग, तमिलनाडु सरकार मुख्य अतिथि रहीं। इस कार्यक्रम में मंत्री महोदया ने एनआईईपीएमडी के सभी सेवा कार्यकलापों का निरीक्षण किया। निदेशक ने भी मंत्री महोदया को बधिराँधतायुक्त व्यक्तियों को दी जानेवाली विभिन्न सेवाओं और पुनर्वास कदमों को समझाया।

माननीय मंत्री श्रीमती पी. वळरमति, समाज कल्याण विभाग, तमिलनाडु, सरकार, बधिराँधतायुक्त व्यक्तियों के माता-पिता के साथ बातचीत करते हुए।

मुख्य अतिथि उद्घाटन के दौरान कुत्तुविळक्कु प्रज्वलित कर रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवसः

एनआईईपीएमडी ने 15 अगस्त 2013 को 67वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया। डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, ने राष्ट्रीय तिरंगा झण्डा फहराया और स्वतंत्रता दिवस भाषण दिया।

डॉ. नीरघा चन्द्रमोहन राष्ट्रीय ध्वज फहरा रही हैं।

सद्भावना दिवस का अनुपालनः

श्री राजीव गाँधी, भारत के भूतपूर्व प्रधान मंत्री का जन्म दिवस मनाने हेतु 20 अगस्त 2013 को सद्भावना दिवस मनाया गया। डॉ. नीरघा चन्द्रमोहन, निदेशक ने शिक्षकों को सद्भावना दिवस की शपथ दिलायी।

निदेशक द्वारा शिक्षकों को सद्भावना दिवस शपथ

उत्तर-पूर्व सम्मेलनः

एनआईईपीएमडी और अशक्तता मामला विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सम्मिलित तत्वावधान में गुवाहाटी, असम में "बहुविकलांग व्यक्तियों का पुनर्वास" पर उत्तर पूर्व सम्मेलन 27-28 सितंबर 2013 को आयोजित किया गया। माननीय राज्य मंत्री पोरिका बलराम नायक, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार मुख्य अतिथि रहे और श्री अकोन बोरा, जेल तथा समाज कल्याण मंत्री, आसाम सरकार विशिष्ट अतिथि थे।

उद्घाटन के दौरान सम्मेलन-स्मारिका का विमोचन

सम्मेलन में प्रतिभागी

मुख्य आयुक्त का भ्रमणः

श्री प्रसन्न कुमार पिंचा, मुख्य आयुक्त, बहुविकलांग व्यक्तियों के मुख्य आयुक्त का कार्यालय, नई दिल्ली, ने 6 अक्तूबर 2013 को एनआईईपीएमडी में भ्रमण किया।

डॉ. नीरघा चन्द्रमोहन, निदेशक बहुविकलांग व्यक्तियों के मुख्य आयुक्त को सेवा-कार्यकलापों का विवरण दे रही हैं।

विकलांगों का फिल्म दिखाना:

विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, एनआईईपीएमडी तथा वी केयर फिल्म फेस्ट ने मिलकर 26–27 अक्तूबर 2013 दो दिन सिक्किम सरकारी महाविद्यालय, गैंगटाक में विकलांग पर फिल्में दिखायीं। श्री टी.आर. सुब्बा, कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि रहे। श्रीमती टी. रेवती, अध्यक्षा, ठाकुर हरिप्रसाद संस्थान, हैदराबाद विशिष्ट अतिथि थीं। इन दिनों में विभिन्न विकलांग पर केन्द्रित 27 फिल्में दिखायी गयीं।

फिल्मोत्सव का उद्घाटन

आडिटोरियम में विकलांगों पर फिल्में देखते हुए दर्शकगण

कार्यकारिणी परिषद् की बैठक:

एनआईईपीएमडी, चेन्नै में 9 नवंबर, 2013 को 17वीं कार्यकारिणी परिषद् की बैठक, श्री अविनाश के अवस्थी, सह सचिव, डीडीए, एमएसजे & ई, भारत सरकार की अध्यक्षता में हुई। एनआईईपीएमडी में उनके निरीक्षण के दौरान, सह सचिव ने बहुविकलांग व्यक्तियों की दी जानेवाली सेवाओं और विभिन्न कार्यकलापों का पुनरीक्षण किया।

भौतिक चिकित्सक श्री अविनाश के अवस्थी
सह सचिव को चिकित्सा कार्यकलापों का वर्णन कर रहे हैं।

श्री अविनाश के अवस्थी,
सह सचिव विशेष पाठशाला का निरीक्षण कर रहे हैं।

राष्ट्रीय सम्मेलनः

एनआईईपीएमडी और इण्डियन स्कूल साइकालॉजी एसोसिएशन (इनस्पा) के सम्मिलित तत्वावधान में "बहुविकलांग व्यक्तियों को पाठशाला मनोविज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन" एनआईईपीएमडी में 22–24 नवंबर 2013 को आयोजित किया गया। श्री पी. राजवेलु, माननीय मंत्री, पर्यटन और समाजकल्याण मंत्रालय, पुदुच्चेरी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने 22 नवंबर 2013 को सम्मेलन का उद्घाटन किया।

उद्घाटन के समय मुख्य अतिथि कुत्तुविळक्कु प्रज्वलित कर रहे हैं।

एनआईईपीएमडी ने "बहु विकलांग व्यक्तियों का पुनर्वास पर राष्ट्रीय सम्मेलन : पुनर्वास के उत्तम अभ्यास और मॉडल – राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण" पर सिरी फोर्ट, नई दिल्ली में 27–28 नवंबर 2013 को आयोजित किया। सुश्री स्तुति काकेड़, सचिव, डीडीए, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार मुख्य अतिथि रहीं। श्री अविनाश के अवस्थी, सह सचिव, डीडीए, एमएसजे एवं ई, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि थे। लगभग 230 प्रतिभागियों ने उक्त सम्मेलन में भाग लिया।

सुश्री स्तुति काकेड, सचिव
उद्घाटन सत्र में भाषण दे रही हैं।

श्री अविनाश के अवस्थी, सह सचिव,
उद्घाटन भाषण दे रहे हैं।

अभिज्ञा अभियानः

एनआईईपीएमडी और राष्ट्रीय न्यास के सम्मिलित तत्वावधान में 21 नवंबर 2013 को आद्य हस्तक्षेप के उद्देश्य पर 'बढ़ते कदम-V' – एक अभिज्ञा अभियान आत्तूर–कांचीपुरम जिलें में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में निम्नलिखित कार्यकलाप हुए – स्कूल बच्चों की एक रैली, पाठशाला प्रबन्धन, पंचायत नेता, वार्ड के सदस्य और समुदाय के लोग। उक्त अभियान अभिविन्यास के दौरान स्वसहयोग ग्रूप के लिए आद्य पहचान और हस्तक्षेप के महत्व पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। विकलांगों को रोकने का ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से सामान्य जनता के लिए एक 'गली नाटक' भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम से 450 सदस्य लाभान्वित हुए।

आद्य हस्तक्षेप पर अभिज्ञा रैली

विकलांग व्यक्तियों का अन्तर्राष्ट्रीय दिवासः

विकलांग व्यक्तियों का अन्तर्राष्ट्रीय दिवस एनआईईपीएमडी से विभिन्न कल्याण कार्यकलापों और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उक्त उत्सव के अंग के रूप में एनआईईपीएमडी ने विकलांग व्यक्तियों, अभिभावकों, शिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों के लिए 26–29 नवंबर, 2013 तक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। 2 दिसंबर 2013 को एक अभिज्ञा अभियान का आयोजन चेन्नै के निकट विभिन्न स्थान पर (जैसे तांबरम रेल्वे स्टेशन, पेरुंकळत्तूर बस अड्डा, तिरुवान्मियूर बस अड्डा, एग्मोर रेलवे स्टेशन और ब्राडवे बस अड्डा)। लोगों को एनआईईपीएमडी के शिक्षकों और छात्रों द्वारा अशक्तता के बारे में बताया गया और पुस्तिकाएँ वितरित की गयीं। 3 अक्तूबर, 2013 को एनआईईपीएमडी ने विकलांग व्यक्तियों और छात्रों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। खेलकूद में विजित लोगों को पुरस्कार और पदकें दी गयीं। आय उत्पत्ति कार्यक्रम के अधीन योग्य लाभार्थियों को सिलाई की मशीनें वितरित की गयीं।

खेलकूद प्रतियोगिता में बहुविकलांग व्यक्ति

बहुविकलांग व्यक्तियों के अन्तर्राष्ट्रीय दिवस पर अभिज्ञा अभियान

विजेताओं को मुख्य अतिथि पुरस्कार वितरित कर रहे हैं।

संसद की सलाहकार समिति की बैठक:

"राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान की भूमिका" पर संसद की सलाहकार समिति की बैठक 18 दिसंबर 2013 को कमेटी कमरा "सी" संसद गृह उपगृह, नई दिल्ली में हुई। तत्कालीन माननीय मंत्री कुमारी शेल्जा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने अध्यक्षता ग्रहण की। तत्कालीन माननीय राज्य मंत्रीगण श्री पोरिका बलराम नायक, श्री माणिक राव होडलिया गवित, सांसद, राज्य सभा सदस्य, श्रीमती स्तुति काकेड़, सचिव, डीडीए, एमएसजे & ई, भारत सरकार और श्री अविनाश के. अवस्थी, सहसचिव, डीडीए, एमएसजे & ई, भारत सरकार उक्त अवसर पर उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस समारोह:

एनआईईपीएमडी ने 26 जनवरी 2014 को गणतंत्र दिवस मनाया। डॉ. नीरधा चन्द्रमोहन, निदेशक ने तिरंगा झण्डा फहराया और गणतंत्र दिवस पर भाषण दिया।

निदेशक राष्ट्र ध्वज फहरा रही हैं।

आईएएस अधिकारियों को प्रशिक्षण:

आईएएस प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों के लिए संस्थानगत संलग्न कार्यक्रम के अन्तर्गत लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मुसौरी से 18 आईएएस अधिकारी एनआईईपीएमडी में 17–19 जनवरी 2014 को शैक्षिक यात्रा पर आये।

आद्य हस्तक्षेप के बारे में आईएएस अधिकारियों को दिग्विन्यास दिया गया।

विकलांगों पर फिल्मों का प्रदर्शनः

विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, एनआईईपीएमडी, राष्ट्रीय व्यास और वी केयर फिल्म फेस्ट के सम्मिलित तत्वावधान में "अशक्तताओं पर फिल्मोत्सव 16 जनवरी 2014 को सिरी फोर्ट आडिटोरियम–II, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। श्री गोविन्द निहलानी, निर्माता एवं निर्देशक मुख्य अतिथि थे। डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी ने स्वागत भाषण दिया। श्री संदीप मारवा, अध्यक्ष, एशियन अकादमी ऑफ फिल्म & डिविजन, श्रीमती क्रियन मेहरा–केर्पेलमैन, निदेशक, भारत एवं भूटान का यूएन सूचना केन्द्र, श्रीमती पूनम नटराजन, अध्यक्षा, राष्ट्रीय न्यास आदि ने उद्घाटन समारोह में विषय-प्रवेश भाषण दिये। श्री के.वी.एस. राव, निदेशक, विकलांग मामलों का विभाग, ने धन्यवाद समर्पित किया। विभिन्न विकलांग मामलों की लगभग 21 फिल्में दिखाई गयीं।

प्रदर्शनीः

अरुणिम कार्यक्रम के अन्तर्गत लार्सन & टूब्रो, पोरूर, चेन्नै में 31 जनवरी और 1 फरवरी 2014 को राष्ट्रीय न्यास द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में एनआईईपीएमडी ने भाग लिया।

एनआईईपीएमडी ने 'दि लेडी 2014 : महिलाओं के लिए प्रदर्शनी सह सम्मेलन' प्रदर्शनी में एक स्टाल लगाया, जो ग्रीन ग्लोबस द्वारा ओईएमसीए मैदान, रायपेटा, चेन्नै में 7–9 फरवरी 2014 को आयोजित की गयी थी। 7 फरवरी 2014 को महामहिम डॉ. के. रोसैय्या, राज्यपाल, तमिलनाडु ने प्रदर्शनी को उद्घाटित किया।

महामहिम डॉ. के. रोसैय्या, राज्यपाल, तमिलनाडु द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह

प्रदर्शनी में एनआईईपीएमडी का स्टाल

अभिज्ञा अभियानः

एनआईईपीएमडी ने मेदारामसमक्का-सालम्मा जतारा के अभिज्ञा अभियान में भाग लिया, जो भक्तों का द्विवार्षिक संगूटीकरण, तडवाय मंगल, वारांगल जिला, आन्ध्र प्रदेश में 12–14 फरवरी 2014 को हुआ।

वारांगल में अभिज्ञा अभियान

पुदुवाळ्वु परियोजना के सीडीएफ कर्मचारियों को आद्य अवगमन, हस्तक्षेप & निवारण पर अभिज्ञा किट का वितरण

दिग्विन्यास कार्यक्रमः

एनआईईपीएमडी ने अपने परिसर में 26 फरवरी 2014 को "पुदुवाळ्वु परियोजना" के समुदाय अशक्तता सुकरकरों को विकलांगों का आद्य अवगमन, हस्तक्षेप और निवारण पर एक दिग्विन्यास कार्यक्रम आयोजित किया। कडलूर, तिरुवळ्ळूर, चेन्नै और काँचीपुरम जिलों के अशक्तता सुकरकरों ने भाग लिया। श्री पी.एन. श्रीनिवास, मुख्या क्षेत्रीय प्रबन्धक, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन, चेन्नै मुख्य अतिथि रहे। डॉ. रेणुका श्रीधर, संयुक्त सीएमएस (जीडीएमओ) & श्री ए. महेन्द्रन, महा परिषद् के सदस्य, एनआईईपीएमडी विशिष्ट अतिथि थे।

खेलकूद प्रतियोगिताः

एनआईईपीएमडी ने विशेष शिक्षा डिप्लोमा के प्रशिक्षणार्थियों को 14–16 फरवरी 2014 को राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन अपने परिसर में और तमिलनाडु भौतिक शिक्षा और खेलकूद विश्वविद्यालय, चेन्नै में किया। डॉ. जे.ए. बेंजमिन, महासचिव, सिवुस इण्डिया और डॉ. एम.एस. नागराजन, वरिष्ठ प्रबन्धक, स्पेशल ओलिम्पिक्स, एशिया पसिफिक रीजियन उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह

उद्घाटन के समय खेलकूद प्रतियोगिता के प्रतिभागी

एक प्रतियोगिता में भाग लेते हुए प्रतिभागी

प्रान्तीय स्तर की कार्यशालाः

एनआईईपीएमडी ने वारांगल, आन्ध्रप्रदेश में 28 फरवरी से 1 मार्च 2014 तक "बहुविकलांग : अवगमन, हस्ताक्षेप, प्रबन्धन और पुनर्वास" पर एक प्रान्तीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया। श्री जी. किशन, आईएएस, जिला कलेक्टर & मैजिस्ट्रेट, वारांगल, उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। डॉ. रामचन्दर दारक, प्राचार्य, काकतीय मेडिकल कालेज, वारांगल और प्रो. पी. जयचन्द्रन, विजय मानव सेवाएँ, चेन्नै उक्त अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे।

उद्घाटन के समय मुख्य अतिथि
कुत्तुविळक्कु प्रज्वलित कर रहे हैं।

एक वक्ता अपना भाषण दे रहे हैं।

सम्मेलन के प्रतिभागी

क्षेत्रीय सम्मेलनः

एनआईईपीएमडी और एनआईएचएच ने मिलकर शिलांग, मेघालय में 14–15 मार्च 2014 को "श्रवण क्षति और अतिरिक्त विकलांग–पुनर्वास के उत्तम प्रयोग और माडल राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य" पर उत्तर पूर्व क्षेत्रीय सम्मेलन चलाया।

डॉ. नीरघा चन्द्रमोहन,
निदेशक उक्त सम्मेलन में विषय प्रवेश भाषण देती हैं।

सम्मेलन के प्रतिभागी

अध्याय 8

प्रशासन

प्रशासन स्कंध विभिन्न अनुभागों से बना है जैसे प्रशासन, स्थापना, संपदा & अनुरक्षण, लेखा, भण्डार और क्रय आदि। संस्थान के प्रभावी कार्यों में प्रशिक्षण कार्यक्रम/शैक्षिक कार्य & पुस्तकालय और सूचना अनुभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रशासन, कार्मिक, सतर्कता, भारत सरकार की विभिन्न नीतियों का कार्यान्वयन, नियम विनियम, मार्गदर्शन, क्रय, संभारतन्त्र, शैक्षिक कार्यक्रम क्रियाओं की निविदा, बजट और वित्तीय प्रबंधन, संपदा, सूचना का प्रचार-प्रसार, संचार माध्यम का प्रचार, आरटीआई, राजभाषा का कार्यान्वयन आदि प्रशासन स्कंध के इन अनुभागों के अधीन किये जाते हैं।

8.1 कर्मचारी वर्ग

नियमित पदों की स्वीकृति और रिपोर्ट की कालावधि के दौरान, वर्ष 2012-13 में भरे गये पदों का विवरण निम्नलिखित हैं:–

स्वीकृत संख्या के विवरण : एनआईईपीएणडी

स्वीकृत पदों की कुल संख्या		
(भारत सरकार/ईएफसी द्वारा स्वीकृत)	:	71 पद
दशा-I में सृजित पदों की संख्या	:	32 पद
दशा-II में पदों की संख्या	**:**	**39 पद**

ग्रूप–ए

निदेशक	=	01
उप कुलसचिव (प्रशासन)	=	01
सह प्राध्यापक	=	06
लेखा अधिकारी	=	01
प्रवक्ता	=	06
सूचना & संचार माध्यम अधिकारी	=	01

ग्रूप–बी

पुनर्वास अधिकारी	=	06
कार्यक्रम सहायक	=	06
विशेष शिक्षा शिक्षक	=	04
कुल	=	32 पद

सारणी 49 : दशा-I में भरे गये पदों और खाली पदों का विवरण (31 मार्च 2014 तक)

क्र.सं.	पद का नाम	मंजुर	हेल्ड	खाली पद
1.	निदेशक	01	01	00
2.	सह प्राध्यापक	06	03	03
3.	उप कुलसचिव (प्रशासन)	01	01	00
4.	लेखा अधिकारी	01	01	00
5.	प्रवक्ता	06	06	00
6.	सूचना & संचार माध्यम अधिकारी	01	01	00
7.	पुनर्वास अधिकारी	06	06	00
8.	कार्यक्रम सहायक	06	06	00
9.	विशेष शिक्षा शिक्षक	04	04	00
कुल		**32**	**29**	**03**

सूचनाः (i) मुंबई से एनआईएचएच ग्रूप-डी (चपरासी) के एक पद का स्थानांतरण हो गया है।

8.1.1 पहचाने गये सुरक्षित पद एससी/एसटी, ओबीसी और पीडबल्युडी को भरनाः

पहचाने गये पिछड़े संचित खाली पदों को भरने के मामले में भारत सरकार के अनुदेशों का पालन करते हुए, विशेषकर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति/अन्य पिछडे वर्ग और विकलांग व्यक्तियों के संबंध में, विशेष भर्ती चालन चलाकर करना था, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने देखिए उनका पत्र संख्या : डी.ओ. सं.27-02/2008 सीडी दिनांक 7 मई 2010, एनआईईपीएमडी पिछडे संचित खाली पदों को भरने के संबंध में उचित आवश्यक कार्रवाई करने, उसके संबंध में वार्षिक सीधी भर्ती योजना प्रस्तुत करने और विस्तृत प्रगति रिपोट प्रस्तुत करने का अनुदेश दिया था। फिर भी यह बताया गया है कि एनआईईपीएमडी की स्थापना 2005 में हुई थी और भारत सरकार/ईएफसी द्वारा स्वीकृत 71 पदों में से दशा-I में केवल 32 पद ही सृजित किये गये और स्वीकृत पदों को भरने की भर्ती कार्रवाई मार्च, 2007 के बाद ही की गयी। एससी/एसटी/पीडबल्युडी/ओबीसी के लिए भरने को कोई पिछडा संचित खाली पद पहचाना नहीं गया है।

8.1.2 सतर्कता मामले:

प्रतिवेदित वर्ष के दौरान एनआईईपीएमडी में कोई भी अनुशासनिक/सतर्कता का मामला बाकी नहीं है या उनपर कार्रवाई शुरू नहीं हुई है।

8.2 पुस्तकालय और सूचना सेवा

वर्ष 2013-14 के दौरान एनआईईपीएमडी का पुस्तकालय अधिग्रहण द्वारा नया ज्ञान प्राप्त करने में सुविधा देने के मिशन में लगातार उन्नति कर रहा है। वह प्रयोक्ताओं को विभिन्न सेवाएँ जैसे प्रमाण, संसाधन बाँट लेना और सूचना सतर्क सेवा आदि दे रहा है। एनआईईपीएमडी पुस्तकालय उसी संस्थान के शिक्षकों तथा छात्रों सरकारी अधिकारियों, पुनर्वास पेशेवरों, विकलांग व्यक्तियों तथा उनके मात-पिताओं को प्रबन्ध करता है। पुस्तकालय संग्रहण में पुस्तकें, पत्रिकाएँ, शोध-प्रबन्ध, रिपोट, प्रामाणिकताएँ, पुस्तिकाएँ और अन्य पठन सामग्रियाँ शामिल हैं। इस वर्ष के दौरान 7287 आगन्तुक पुस्तकालय में आये और प्रयोक्ताओं को 2021 पुस्तकें वितरित की गयीं। इसके अलावा पुस्तकालय में शिक्षकों और छात्रों के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला भी उपलब्ध है। शिक्षक और छात्र इण्टरनेट और डिजिटल साधनों (जैसे ई-पत्रिकाएँ और ई-पुस्तकें) का उपयोग कर सकते हैं। पुस्तकालय के कार्यकलाप सोल साफ्टवेयर के साथ स्वचलित किये गये हैं।

सारणी 50 : 31 मार्च 2014 के अनुसार कुल संभार

क्र. सं.	संभार	2013-14 के दौरान जमा	31 मार्च 2014 तक कुल
01	पुस्तकें	291	1975
02	पत्रिकाएँ	10	10
03	समाचार पत्र कर्तन	184	2225
04	पुरानी पुस्तकें	25	97

अभिज्ञा जगाने निमित्त यह विभाग विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों में स्टाल लगाता है। विकलांग व्यक्तियों के अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के दौरान समाचार पत्रों में अभिज्ञा विज्ञापन भी प्रकाशित किये। प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात अभिज्ञा दिवस, हेलन केल्लर दिवस, आत्मविमोह अभिज्ञा दिवास और विकलांग व्यक्तियों के अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के दौरान अभिज्ञा अभियान चलाया गया। सूचना के प्रचार-प्रसार में इस विभाग ने 40,000 अभिज्ञा विज्ञापन, अधिकारिता समाचार

पत्र, वार्षिक रिपोट और विवरणिकाएँ प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अभिज्ञा अभियानों के दौरान एनजीओओं तथा सरकारी संगठनों को वितरित कीं।

वर्ष 2013-14 के दौरान प्रदर्शनी सहभागिता और अभिज्ञा अभियान के विवरण निम्नलिखित हैं:

तालिका 51 : प्रदर्शनी और अभिज्ञा अभियान के विवरण

क्र.सं.	प्रदर्शनी & संगठक का नाम	तिथि & स्थान
1.	विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "विकलांग व्यक्तयों के लिए साधन और उपकरण पर राष्ट्रीय मेला"	25 से 28 जुलाई 2013 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में
2.	एनआईईपीएमडी और राष्ट्रीय मेला के सम्मिलित तत्वावधान में आद्य हस्तक्षेप के लक्ष्य के साथ एक अभिज्ञा अभियान – "बढ़ते कदम – V"	21 नवंबर 2013, आत्तूर, काँचीपूरम जिला
3.	अरुणिम कार्यक्रम के अधीन राष्ट्रीय न्यास, लार्सन & टूब्रो, चेन्नै में	31 जनवरी – 1 फरवरी 2014, चेन्नै
4.	"दि लेडी 2014 : महिलाओं के लिए प्रदर्शनी सह सम्मेलन" ग्रीन ग्लोबस द्वारा आयोजित	7–9 फरवरी 2014, चेन्नै
5.	मेदाराम समक्का 0 सरलम्मा यतात्र–भक्तों का द्विवार्षिक संगुटीकरण तद्वाई मंगल में	12-14 फरवरी 2014, वारांगल, आन्ध्र प्रदेश
6.	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस प्रदर्शनी, हिन्दुस्तान कालेज, चेन्नै	1 मार्च 2014, चेन्नै

8.3 आरटीआई अधिनियम 2005 के अधीन किये गये कार्य :

यह संस्थान 2007 से सूचना अधिनियम का अधिकार 2005 कार्यान्वित कर रहा है। श्री एम. राजेश, सूचना संचार माध्यम अधिकारी सीपीआईओं के रूप में नामोदिष्ट कर दिये गये हैं और संस्थान के मामले में पौनर्वादिक प्राधिकारी हैं डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी। आरटीआई अधिनियम के अधीन निर्दिष्ट कर्तव्यों को निभाते समय, संस्थान ने प्रतिवेदित वर्ष 2013-14 के दौरान 33 आरटीआई आवेदन पत्र प्राप्त किये जिनमें से 30 आवेदन निपटाये गये। 03 आवेदकों को राशि जमा करने को कहा गया। इस संबंध में केन्द्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) को वार्षिक विवरण प्रस्तुत किया गया।

8.4 राजभाषा कार्यानवयन

इस संस्थान में हिन्दी के कार्यान्वयन के प्रयोजन के लिए जो समिति बनायी गयी, वह कार्यालयीन मामलों में हिन्दी के बेहतर उपयोग के लिए राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) के दिये गये सभी अनुदेशों को

अपना रही है। कार्यालय की मोहर और कार्यालय के पैड वगैरह द्विभाषिक बनाये गये हैं। हिन्दी में प्राप्त आरटीआई आवेदनों का उत्तर हिन्दी में दिया गया है। इस संस्थान का मासिक रिपोट पत्र हिन्दी में भेजा गया है और विभिन्न परीक्षाओं से संबंधित प्रश्न-पत्र भी द्विभाषिक तैयार किये गये हैं और छात्रों को भी हिन्दी में परीक्षा लिखने की अनुमति दी गयी है। वर्ष 2013-14 के दौरान हुए हिन्दी पत्राचार का विवरण निम्नलिखित है:

हिन्दी में प्राप्त पत्रों की संख्या	:	12
हिन्दी में तैयार किये गये और भेज गये पत्रों की संख्या	:	15

8.5 विभिन्न सरकारी आदेशों का कार्यान्वयन:

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार डीओपीटी – ओएम सं.11013/3/2009–स्थापना (ए) दिनांक 21 जुलाई 2009 के अनुदेशों के अनुसार, एनआईईपीएमडी ने हमारे कार्यालय में कार्यरत महिलाओं के लिंग संतापन के रोकथाम के लिए सीसीएस (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3 के अनुसार एक समिति बनायी है जो प्रभावी ढंग से काम कर रही है। वर्ष 2013-14 के दौरान उक्त समिति की नियत कालिक पुनरीक्षण बैठकें भी चलायी गयीं।

प्रतिहिंसावाद दिवस 21 मई 2013 को भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव गाँधी की मृत्यु दिवास की याद में मनाया गया। इस संबंध में, डॉ. नीरघा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी ने शिक्षकों और छात्रों को प्रतिहिंसावाद दिवस की शपथ दिलायी।

इस संस्थान ने 20 अगस्त 2013 को सद्भावना दिवस की शपथ ली। भारत के भूतपूर्व प्रदान मंत्री दिवंगत श्री राजीव गाँधी के जन्म दिन को मनाने के लिए, राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भावना बढ़ाने के लिए मनाया गया। युवा मामले और खेलकूद मंत्रालय के पत्र देखिए ओ.एम. दिनांक 11 जुलाई 2008 पत्र के अनुसार पालन किया गया।

अध्याय 9

विकलांग व्यक्तियों के लिए संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र

सीआरसी, कोषिकोडु, केरल

विकलांग व्यक्तियों के लिए संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र (सीआरसी) केरल के कोषिकोडु में विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित हुआ था। इसके द्वारा विकलांग व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास देने का प्रावधान था। यह केन्द्र 2011 से एनआईईपीएमडी के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन समाज कल्याण काम्प्लेक्स, वेळ्ळि मडुकुन्नु में कार्यरत था। यह सीआरसी को तकनीकी और मानवाधिकार का सहयोग प्रदान कर रहा था। सीआरसी का आधारशिला लगाने का समारोह 13 अप्रैल 2013 को तत्कालीन माननीय मंत्री सुश्री कुमारी शेल्जा, एमएसजे & ई, भारत सरकार की अध्यक्षता में हुआ। डॉ. एम.के. मुनीर, पंचायती राज और समाज कल्याण के माननीय मंत्री, केरल सरकार और श्री एम.के. राघवन, सांसद आदि समाज कल्याण काम्प्लेक्स, वेळ्ळिमडुकुन्नु, कोषिकोडु में उपस्थित थे।

विकलांग बच्चों को सामाजिक कार्यों में भाग लेने में वृद्धि करने हेतु
व्यावसायिक चिकित्सक द्वारा बाह्य ग्रूप कार्यकलापों की सुविधा दी जा रही है।

उद्देश्य:

1. विकलांग व्यक्तियों को सेवाएँ प्रदान करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन विकास के लिए सरकारी और गैर सरकारी सेक्टारों के पुनर्वास पेशेवर, ग्राम स्तर के कार्यकर्ता, बहु पुनर्वास कार्यकर्ता और अन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण देने का कार्य करना।
2. अभिभावकों और समुदाय में अभिज्ञा पैदा करने के लिए लोक शिक्षा कार्यक्रम चलाना।
3. साधनों और उपकरणों के अभिकल्पन, गढाई और जुड़न का काम करना।

4. समाज में नौकरी, पुनर्वास, चलन, संचार, मनोरंजन, और संघटन पैदा करने के मौके की वृद्धि के लिए शैक्षिक सेवाएँ और क्षमता-विकास का काम चलाना।

5. उक्त क्षेत्र की विकलांग की कठोरता और प्रकृति को ध्यान में रखकर विकलांग लोगों के असमान दलों की माँगों के निर्दिष्ट संदर्भ में अनुसंधान और विकास का कार्य करना।

6. उक्त क्षेत्र के सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के उचित पुनर्वास सेवाएँ प्रेषित करने के लिए कौशलों का विकास करना।

7. स्वेच्छा संगठनों, अभिभावक दलों और स्व-सहयोग दलों का उत्साह बढ़ाकर और सहयोग देकर सेवाओं की बढ़त को प्रेरित करना।

8. ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार सेवाएँ प्रदान कर और समुदाय पर आधारित पुनर्वास के सिद्धान्तों को अपनाकर चालू चिकित्सायी, शैक्षिक और रोजगार सेवाओं के साथ अनुबन्ध स्थापित करना।

आत्मविमोह विकीर्ण अव्यवस्थायुक्त बच्चों के लिए
दृष्टि संबंध और समाजीकरण की वृद्धि हेतु ग्रूप में गेंद चलाने का खेल खेलाना।

वर्ष 2013-14 के दौरान विकलांग व्यक्तियों को दी जानेवाली पुनर्वास सेवाओं के विवरण निम्नलिखित हैं:

सारणी 52 : वर्ष 2013-14 के लिए सीआरसी-कोषिकोडु में पंजीकृत लाभार्थी

लाभार्थी	2011-12	2012-13	2013-14
नये लाभार्थी	126	260	323
अनुगमन सत्र	994	9218	13437

चित्र 9 : सीआरसी-के में पंजीकृत लाभार्थियों की संख्या

आद्य हस्तक्षेप इकाई में वाणी चिकित्सक सामाजीकरण प्रक्रिया
और आद्य संचार क्षमता प्रशिक्षण कराती

सारणी 53 : वर्ष 2012-13 के लिए विभागवार नये लाभार्थी और अनुवर्ती मामले

विभाग	नये लाभार्थी			अनुवर्ती सत्र		
	2011-12	2012-13	2013-14	2011-12	2012-13	2013-14
चिकित्सकीय मनोविज्ञान	81	162	230	133	1362	1995
अभिभावक परामर्श	20	127	179	44	780	456
भौतिक चिकित्सा	29	59	182	194	1144	2882
व्यावसायिक चिकित्सा	38	106	83	188	2302	2371
विशेष शिक्षा	44	110	76	199	1894	2786
वाणी, भाषा एवं संचार	55	117	229	238	2391	3043

दल बनावट में नियमों को समझने, दूसरों की अभिज्ञा,
पार्श्व में घूमने की क्षमता बढ़ाने निमित्त शिरोपरि गेंद फेंकना।

संस्तंभी चतुर्भुजचालित सीपी बच्चे को सीधा तना मुद्रा के लिए केटी फीता लगाया गया है।

मोबाइल सेवाएँ

मोबाइल सेवाओं द्वारा निम्नलिखित लाभार्थियों ने वर्ष 2013-14 के दौरान पुनर्वास प्राप्त किये:

सारणी 54 : मोबाइल सेवा द्वारा पुनर्वास प्राप्त लाभार्थियों की संख्या

क्र. सं.	सेवा का प्रकार	लाभार्थियों की संख्या
1	मनोविज्ञान	889
2	भौतिक चिकित्सा	882
3	विशेष शिक्षा	866
4	वाणी, भाषा एवं संचार	757
	कुल	**3394**

सारणी 55 : वर्ष 2013-14 में चलाये गये अल्प अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	कुल
1	4–5 अप्रैल, 2013	आत्मविमोह – पहचान और प्रबन्धन प्राथमिक पाठशाला के शिक्षकों और अंगनवाडी कर्मचारियों के लिए बीआरसी – वेंगरा, मलप्पुरम जिला, केरल	39
2	20 अगस्त, 2013	अंगनवाडी प्रशिक्षणदाता, कुन्नमंगलम को विकलांग पुनर्वास पर दिग्-विन्यास और सुग्राहीकरण कार्यक्रम	94
3	21 अगस्त, 2013	अंगनवाडी प्रशिक्षण दाता, कुन्नमंगलम् को विकलांग पुनर्वास पर दिग्विन्यास और सुग्राहीकरण कार्यक्रम	93
4	25–27 सितंबर, 2013	बहु विकलांग बच्चों के लिए संवेदिक एकीकरण, केई साफिया आत्मविमोह केन्द्र, नया माहे	42
5	23–25 अक्तूबर, 2013	विशेष माँगोंयुक्त बच्चों के लिए संचार, शोर इन्स्टिट्यूट फार मेन्टली चेल्लेंज्ड पन्निकोडु, मुक्कम	50
6	25–27 नवंबर, 2013	प्रमस्तिष्कीय पक्षाघातयुक्त बच्चों का प्रबन्धन, पोप पॉल मेर्सी होम, अतनी, त्रिसूर जिला	38
7	18–20 दिसंबर, 2013	विकलांग बच्चों के अभिभावकों की मानसिक स्वास्थ्य माँगों के साथ व्यवहार मुक्कम, कोषिकोडु	51
8	27–31 दिसंबर, 2013	दिग्विन्यास् एवं चालन, ब्रेइल, संकेत भाषा, सीआरसी, वेळ्ळिमडुकुन्नु, कोषिकोडु	50
9	6–18 मार्च, 2014	विकलांग व्यक्तियों की चिकित्सा विज्ञान सेवाओं पर संसाधन शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण, पेरम्बरा, कोषिकोडु और कासरकोडु में	150
		कुल	**607**

केई साफिया आत्मविमोह केन्द्र, नये माहे, में बहुविकलांग बच्चों के लिए संवेदिक एकीकरण पर सीआरई कार्यक्रम

पोप पॉल मेर्सी होम, त्रिशूर में प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

डॉ. नीरघा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी और डॉ. विजय लक्ष्मी, प्रवक्ता (चिकित्सा विज्ञान) "दिग्विन्यास और चालन, संकेत भाषा और ब्रेइल' पर सीआरई कार्यक्रम के एक प्रतिभागी के स्पर्श अनुभूति और विभेदीकरण की परीक्षा कर रही हैं।

तालिका 56 : प्रकाशन

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम
1	श्री एस. कार्तिकेयन एवं के.जी. गणेश	अशक्तता पुनर्वास में परिवार चिकित्सा का महत्व	शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान की पत्रिका 3 (1), 105–107

सीआरसी का 'अरिवु' का प्रकाशन, आईएसबीएन संख्या के साथ विकलांगों पर हस्त पुस्तिका

आधारशिला स्थापना समारोह की झलकें

श्रीश्री कुमारी शैल्जा, तत्कालीन मंत्री, एमएसजे & ई, भारत सरकार द्वारा सीआरसी, कोषिकोडु के आधार शिला का अनावरण

सीआरसी-के के आधारशिला लगाने के समारोह के समय कुमारी शैल्जा, तत्कालीन मंत्री, एमएसजे & ई, भारत सरकार कुत्तुविळक्कु प्रज्वलित कर रही हैं।

डॉ. एम.के. मुनीर, माननीय मंत्री, पंचायत और समाज न्याय, केरल सरकार द्वारा सीआरसी पुनर्वास सेवाओं का उद्घाटन भाषण

मलयालम में अभिभावकों और तृणमूल स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए पुनर्वास सेवाओं पर पुस्तक का पूज्य मेयर प्रो. ए.के. प्रेमाजम, कोषिकोडु निगम द्वारा विमोचन

श्री एम.के. राघवन, माननीय सांसद, कोषिकोडु द्वारा अध्यक्षीय भाषण

डॉ. नीरधा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी सीआरसी के लक्ष्यों पर भाषण दे रही हैं।

समाचार से

ആരാമം

വൈകല്യംശാപമല്ല

അഷ്റഫ്

(CRC- Composite Regional Centre for Persons with Disabilities)

(CRC)

673012

0495-2730045

E-mail: crckozhikode@gmail.com

"आरमम्" – महिलाओं की पत्रिका ने "विकलांग अभिशाप नहीं है" शीर्षक पर एक लेख प्रकाशित किया जिसमें सीआरसी – कोषिकोडु की सेवाओं का उल्लेख, संपर्क विवरणों के साथ हुआ है।

माध्यमम् दैनिक (20.02.14)

मनोरम्मा दैनिक (20.02.14)

ഇ–വലയിൽ കുടുങ്ങാതിരിക്കാം

रोटरी क्लब द्वारा आयोजित बच्चों और जवानों को "इण्टरनेट व्यसन" पर सीआरसी शिक्षक का व्याख्यान

एनआईईपीएमडी का विस्तार केन्द्र, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

जापानी मस्तिष्क – शोथ और अतिपाती मस्तिष्क-शोथ संलक्षण के कारण बहुअशक्तताओं की उच्चतर प्रचलन दर को ध्यान में रखकर अशक्तता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने एनआईईपीएमडी को गोरखपुर, यू.पी.में सीआरसी निर्मित करने का निर्देश दिया। इसके अनुसार एनआईईपीएमडी ने जिला प्रशासन के सहयोग के साथ गोरखपुर, यू.पी. में विकलांग व्यक्तियों के लिए एक संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र निर्मित करने के कार्य शुरू किये। जिला प्रशासन के संबंधित प्राधिकारियों ने बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज परिसर, गोरखपुर ने शुरू में एक अस्थायी भवन दिया। श्री जी.पी. गुप्ता, आई.ए.एस. आयुक्त, गोरखपुर प्रभाग द्वारा 18 फरवरी 2014 को केन्द्र की शुरूआत हुई। उसी समय गोरखपुर में सीआरसी शुरू करने के लिए उचित स्थान पर 3-5 एकड की भूमि दिलाने की प्रार्थना जिला प्रशासन से की गयी है।

विकलांग व्यक्तियों के लिए गोरखपुर, यू.पी. में संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र का उद्घाटन।

समाचार पत्र कर्तन

सीआरसी से आएगी आत्मनिर्भरता : कमिश्नर

विकलांगों के पुनर्वास के लिए खुला केंद्र

अध्याय 10

लेखापरीक्षा रिपोट और वार्षिक लेखा

वर्ष 2013-14 में 11.08 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, उसमें वर्ष 2012-13 का अंतिम शेष 0.38 करोड रुपये था। 9.25 करोड़ रुपये सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से सहायक अनुदान के रूप में प्राप्त हुआ और वर्ष 2013-14 में 1.45 करोड़ रुपये शिक्षण शुल्क, पंजीकरण शुल्क अतिथि गृह शुल्क और आवेदन पत्र शुल्क तथा आरआईपी परिपक्वता और बचत बैंक जमा पर ब्याज आदि प्राप्तियाँ जमा हुईं। वर्ष 2013-14 के दौरान 8.44 करोड़ रुपये आवर्ती और अनावर्ती खर्च हुए और 31 मार्च 2014 को अंतिम शेष 2.64 लाख रुपये रहा जो वर्ष 2014-15 के लिए अधिशेष के रूप में लिया जायेगा।

सी. & ए.जी. (डीपीसी) अधिनियम 1971 की धारा 20(1) की शर्त पर सीएजी, नई दिल्ली ने एनआईईपीएमडी के वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा करने को 2006–2011 तक 5 वर्ष की अवधि के लिए न्यस्त किया। वित्तीय वर्ष 2010-2011 से 2015-16 तक 5 वर्ष की अवधि तक की वार्षिक लेखा परीक्षा वित्त मंत्रालय ने वित्तीय मामला विभाग देखिए ओ.एम.सं.1(16)-बी(आर)/2011 दिनांक 27.07.2011, लेखा परीक्षा महानिदेशक (केन्द्र), चेन्नै को दी गयी है। इसके अनुसार, एनआईईपीएमडी के वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा डीएजी(सी) कर रहा है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए, लेखा विवरण, तुलन पत्र, आय और व्यय विवरण, और प्राप्तियाँ तथा प्रतिभूतियों का विवरण आदि का लेखा परीक्षित विवरण लेखा परीक्षा महानिदेशक (केन्द्र) चेन्नै को सौंपा गया। लेखा परीक्षा महानिदेशक (केन्द्र), चेन्नै द्वारा नियुक्त लेखा परीक्षा दल ने एनआईईपीएमडी से 16.06.2014 से 27.06.2014 तक लेखा परीक्षा के लिए भेंट की। वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए संस्थान के लेखा परीक्षा रिपोट, लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र और प्रमाणित लेखा डीएडी से प्राप्त होना बाकी है। लेखा और लेखा परीक्षा का सारांश नीचे दिया गया है:

प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केंन्द्रीय) चेन्नै का कार्यालय
"लेखा परीक्षा भवन", 361, अण्णा सालै, तेनामपेट, चेन्नै-600 018

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)
Chennai
"Lekha Pariksha Bhavan", 361, Anna Salai, Teynampet, Chennai-600 018.

No. PDA(C)/CE/1/28-41/2014-15/108

दिनांक : 31.10.2014

सेवा में

सचिव, भारत सरकार,
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
कमरा नं. 613-ए - विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली - 116 001.

महोदय,

विषय : राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता संस्थान, चेन्नै के वर्ष 2013-14 के लेखों की पृथक् लेखा-परीक्षा रिपोरट।

मैं राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नै के वर्ष 2013-14 के वार्षिक लेखों पर लेखापरीक्षा रिपोट सहित वर्ष 2013-14 के लेखों की विवरणी अग्रेषित करता हूँ। संसद को पृथक् लेखा परीक्षा रिपोट के साथ प्रस्तुत किये गये लेखों के दिनांक इस कार्यालय को सूचित किये जाएँ। संसद को प्रस्तुत की गयी रिपोट की तीन प्रतियाँ इस कार्यालय को यथा-समय प्रस्तुत की जाएँ।

कृपया संलग्नों के साथ इस पत्र की प्राप्ति की पावती भेजें।

भवदीय

हस्ताक्षर
उप निदेशक/प्रशासन

संपर्क.....

दूरभाष / Phone : 044-2431 6400

फैक्स / Fax : 044-2433 8924

तार / E-mail : dgacchennai@cag.gov.in

No. PDA(C)/CE/1/28-41/2014-15/109

दिनांक : 31.10.2014

पृथक् लेखापरीक्षा रिपोट की प्रति के साथ प्रति निदेशक, राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नै को अग्रेषित की गयी है। लेखा परीक्षा रिपोट और वार्षिक लेखों की तीन प्रतियाँ अंग्रेजी और हिन्दी रूप में इस कार्यालय को भेजी जाएँ। संसद को लेखों और पृथक् लेखा परीक्षा रिपोट की प्रस्तुति के दिनांक भेजे जाएँ।

ह./-

उप निदेशक / प्रशासन

महा निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय
लेखापरीक्षा भवन, 361, अण्णा सालै, तेनामपेट, चेन्नै - 600 018.

सेवा में

निदेशक
राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान,
मुट्टुक्काडु
चेन्नै

महोदय,

मैं इसके साथ दिनांक 3/10/2014 के पत्र सं. PDA(C)/CE/1/28-41/2014-15/109 अग्रेषित कर रहा हूँ।

भवदीय

हस्ताक्षर
उप निदेशक/प्रशासन

दिनांक, 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नै के लेखों पर भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक की अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, मुट्टुकाडु, चेन्नै के 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लेखों के तुलन पत्र और उसी तिथि को समाप्त वर्ष के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक के (ड्यूटियाँ, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत आय तथा व्यय लेखे, प्राप्तियाँ और भुगतान लेखों की लेखा परीक्षा की है। वर्ष 2015-2016 तक की लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणियों का उत्तरदायित्व संस्थान के प्रबंधन का है। हमारी जिम्मेदारी अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर अपनी राय प्रकट करना है।

2. इस अलग लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (CAG) की, लेखा व्यवहारों तक वर्गीकरण, अनुरूपण और उत्तम लेखा नीतियों, लेखा मानकों और प्रकट नियमों आदि पर टिप्पणियाँ करने तक है। विधि, नियमावली और विनियम (स्वामित्व और नियमितीकरण) और कुशलता सहित निष्पादन पक्षों आदि के वित्तीय लेन-देनों के संबंध में लेखा परीक्षा अवलोकन आदि की भारत के नियंत्रक व महालेखा (CAG) परीक्षक की निरीक्षण रिपोर्ट आदि के द्वारा अलग से यदि कोई हो तो रिपोर्ट की गयी है।

3. हमने सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा-परीक्षा की है। इन मानकों की आवश्यकता है कि हमें लेखा परीक्षा के प्रति योजना बनाना और निष्पादन करना है ताकि हमें यह समुचित आश्वासन पाना है कि क्या वित्तीय विवरणियाँ दोषपूर्ण विवरणियों से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में लेखा मूल्यांकन के लिए उपयोग किये गये लेखा सिद्धांत और उल्लेखनीय अनुमान जो प्रबंधन द्वारा तैयार किये गये हैं, और साथ ही साथ वित्तीय विवरणियों के समग्र मूल्यांकन में राशियों का समर्थन करते साक्ष्य मौजूद हैं। हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए समुचित आधार प्रस्तुत करती है:

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i) हमने अपनी लेखा परीक्षा के लिए और हमारी जानकारी तथा विश्वास के लिए आवश्यक सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

ii) तुलन पत्र और आय और व्यय लेखा तथा प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किये गये प्रारूप में तैयार किये गये हैं।

iii) हमारी राय में, राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, मुट्टुकाडु, चेन्नै ने संस्थान की नियमावली और विनियमों द्वारा जैसे कि लेखा बहियों के हमारे परीक्षण से पता चलता कि लेखों की उचित बहियों और संबंधित अभिलेखों का अनुरक्षण समुचित रूप से किया गया है।

iv) आगे हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि :

अ. लेखों में संशोधन का प्रभाव

संस्थान के लेखे की लेखा परीक्षा के अवलोकन के आधार पर संशोधन किया गया। नियत आस्तियाँ और देनदारियाँ ₹ 00.77 करोड़ मात्रा में वृद्धि हो गई और आय और खर्च में ₹ 1.32 करोड़ की वृद्धि हुई।

ब. सहायक अनुदान

वर्ष 2013-14 के दौरान ₹ 11.76 करोड़ सहायक (NIEPMD) मुख्य खाता ₹ 9.26 करोड़, ADIP योजना ₹ 2.25 करोड़, ERC अनुदान प्राप्त हुआ, कोषिकोडु, ₹ 0.25 करोड़। ₹ 3.20 करोड़ अंतर्गत प्राप्तियाँ (मियादी परिपक्वता मिलाकर ₹ 2.77 करोड़) और ₹ 2.67 करोड़ गत वर्ष के खर्च में से बचे शेष ₹ 0.43 करोड़ 31 मार्च, 2014 तक संस्थान ₹ 10.42 करोड़ खर्च कर सका और ₹ 3.23 करोड़ शेष रह गये। (NIEPMD) मुख्य खाता ₹ 2.64 करोड़, ADIP योजना ₹ 0.56 करोड़ और CRC कोषिकोडु ₹ 0.03 करोड़)

v) पिछले अनुच्छेदों में हमारे अवलोकन पर हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा देखे गये तुलन पत्र और आय तथा व्यय लेखे प्राप्ति और भुगतान लेखे लेखा बहियों से मेल खाते हैं।

vi) हमारी राय में और हमें दी गयी सूचना और हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त वित्तीय विवरणियों के साथ पढ़ी जानेवाली लेखा नीतियाँ और लेखों पर टिप्पणियाँ और उल्लेखनीय मामलों की शर्त पर ऊपर बताये गये और अन्य मामले जिन्हें इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंधों के रूप में प्रस्तुत किया गया है सच्चा और निष्कलंक दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं जो सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप हैं।

क) दिनांक 31 मार्च, 2014 को राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, मुट्टुकाडु, चेन्नै के व्यवहारों का तुलन पत्र के साथ जहाँ तक संबंध है, यह मामला सही है। और

ख) उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय लेखे के अधिशेष का जहाँ तक संबंध है सच्चा और स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

भारत के महालेखा परीक्षक की ओर से

ह./-

प्रधान महालेखापरीक्षक (सेंट्रल), चेन्नै

स्थान : चेन्नै

दिनांक : 31.10.2014

अलग लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का अनुबंध

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**
   आंतरिक लेखा परीक्षा चार्टर्ड एकाऊँण्ट ने की थी।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**
   आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त है और संस्थान के आकार और प्रकृति के अनुरुप है।

3. **नियत आस्तियों प्रणाली और संपत्ति-सूची की भौतिक जाँच**
   वर्ष 2013-14 के लिए संस्थान द्वारा नियत आस्तियों और संपत्ति-सूची की भौतिक जाँच की गयी।

4. **सांविधिक बकायों के भुगतान में नियमितता**
   संस्थान, उचित प्राधिकारियों के पास सांवधिक बकायों को बराबर भरने में नियमित रहा है।

ह./-
उप निदेशक / प्रशासन

ग्राम: NIEPMD
ई-मेल: niepmd@gmail.com
टेलिफैक्स: 044-27472389
दूरभाष सं. 2747 2104, 2747 2113, 2747 2046

राष्ट्रीय बहुविकलाँग व्यक्ति अभिकारिता संस्थान (NIEPMD)

(सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

ईस्ट कोस्ट मार्ग, मुट्टुकाडु, कोवलम डाक, चेन्नई - 603 112, तमिलनाडु

31.03.2014 के अनुसार वित्तीय विवरणी की सूची

अ.क्र.	तमशील	पृष्ठ सं.
1.	31.03.2014 को स्थित तुलन-पत्र	1
2.	31.03.2014 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय का लेखा	2
3.	31.03.2014 को समाप्त अवधि के लिए प्राप्ति और भुगतान का लेखा	3
4.	अनुसूची 1 और 2	4
5.	अनुसूची 3	5
6.	अनुसूची 4	6
7.	अनुसूची 5 और 6	7
8.	अनुसूची 7	8
9.	अनुसूची 8	9
10.	अनुसूची 9 और 10	10
11.	अनुसूची 11	11 - 12
12.	अनुसूची 12 और 13	13
13.	अनुसूची 14 और 15	14
14.	अनुसूची 16 और 17	15
15.	अनुसूची 18 और 19	16
16.	अनुसूची 20, 20-क और 20-ख	17
17.	अनुसूची 21	18
18.	अनुसूची 22 और 23	19
19.	अनुसूची 24	20 - 22
20.	अनुसूची 25	23
21.	अनुबंध I – IV	24 - 27

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को समाप्त के लिए आय तथा व्यय का लेखा

(राशि रु में)

समग्र/पूँजी निधि और देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
समग्र/पूँजी निधि	1	472402874.00	450879779.00
आरक्षित और अधिशेष	2	0.00	0.00
निर्दिष्ट/धर्मदाय निधियाँ	3	7400523.00	8039790.00
प्रतिभूति सहित ऋण व उधार	4	0.00	0.00
अप्रतिभूति ऋण व उधार	5	0.00	0.00
अस्थगीत जमा देनदारियाँ	6	0.00	0.00
चालू देनदारियाँ और प्रवाधान	7	31877595.50	10273205.50
कुल		**511680992.50**	**469192774.50**
आस्तियाँ			
नियत अस्तियाँ	8	**342693927.00**	29707773.00
जोड़ें : पूर्वावधि समायोजन अस्तियों में		0.00	0.00
निवेश : निर्दिष्ट धर्मादायी निधियाँनिवेश-अन्य	9	0.00	0.00
चालू आस्तियाँ ऋण, अग्रिम आदि	10	0.00	0.00
विविध व्यय	11	168987065.50	439485001.50
(बट्टे खाते या समायोजित न किये जाने की सीमा तक)		0.00	0.00
कुल		**511680992.50**	**469192774.50**
उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ	24		
फुटकर देनदारियाँ और लेखों पर टिप्पणियाँ	25		

सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **उप कुलसचिव** **निदेशक**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को समाप्त के लिए आय तथा व्यय का लेखा

(राशि रु में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
विक्रय/सेवाओं से प्राप्त आय	12	0.00	0.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	13	82574000.00	72194769.00
शुल्क/चंदे	14	4553590.00	2395600.00
निवेशों से आय (उद्दिष्ट/धर्मदाय निधियों के निवेश से प्राप्त आय निधियों का अंतरण)	15	0.00	0.00
रायल्टी, प्रकाशनों आदि से आय	16	0.00	0.00
अर्जित आय	17	19849704.00	48997.00
अन्य आय	18	910466.00	832715.50
तैयार मालों और चालू कार्यों के स्टॉक में वृद्धि/(कमी)	19	0.00	0.00
योग (अ)		**107887760.00**	**75472081.50**
व्यय			
कार्यक्रमों और सेवाओं पर व्यय	20	26231655.00	14613843.00
स्थापना व्यय	20A	20752082.00	20528661.00
अन्य कार्यक्रम व्यय	20B	0.00	0.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	22944323.00	18310188.00
अनुदानों, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22	0.00	0.00
ब्याज	23	0.00	0.00
मूल्यह्रास (अनुसूची-8 के अनुरूप वर्षान्त में निवल योग)		3829980.00	2789374.00
योग (आ)		**73758040.00**	**56242066.00**
आय के ऊपर व्यय के आधिक्य का शे, (अ -आ)			
विशेष प्रादक्षित निधि (हरेक को) स्पष्ट रूप से बताएँ			
सामान्य प्रारक्षित निधि को/से अंतरण			
शेष राशि अधिशेष/(कम)		**34129720.00**	**19230015.50**
समूह/पूँजी विधि को ले जाया गया			
विशिष्ट लेखा नीतियाँ	**24**		
लेखों पर फुटकर देयताएँ और लेखों पर फुटकर देनदायियाँ	**25**		

सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **उप कुलसचिव** **निदेशक**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को समाप्त अवधि के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा प्राप्त राशियाँ (राशि रु में)

क्र.सं.	आदिशेष	2012-13	2013-14
1	NIEPMD मुख्य खाता	5222143	3804980.50
2	NIEPMD ADIP खाता	0	524920.00
3	NIEPMD CRC-K खाता	0	161461.00
4	सहायक अनुदान (NIEPMD खाता)	76942000	92574000.00
5	सहायक अनुदान (ADIP खाता)	0	22500000.00
6	सहायक अनुदान (CRC-K खाता)	0	2500000.00
7	शिक्षण शुल्क	1481830	2773085.00
8	परीक्षा शुल्क	213900	588485.00
9	पुस्तक प्राप्तियाँ / दान	49610.5	246602.00
10	समाचार पत्र विक्रय	2098	2230.00
	ऋण एवं अग्रिम वसूली		
11	अग्रिम भारी व्यय	23000	35000.00
12	बाढ़ अग्रिम	0	0.00
13	छात्रवृत्ति खाता	16100	16700.00
14	मोटर साईकिल अग्रिम	73600	48300.00
15	कंप्यूटर अग्रिम	120000	111000.00
16	स्थानीय यात्रा भुगतान अग्रिम	0	0.00
17	त्योहार अग्रिम	30000	23250.00
18	CPF की प्राप्तियाँ	1259841	2405689.00
19	रद्दी का विक्रय	20156	34373.00
20	पंजीकरण और आवेदन शुल्क	660900	1102020.00
21	निविदा फार्म विक्रय	20850	21600.00
22	अतिथि गृह प्राप्ति	88960	98050.00
23	उपयोग खर्च की प्राप्तियाँ	135312	142652.00
24	प्रशिक्षण शुल्क	36900	90000.00
25	सुरक्षा जमानत	2490355	1253303.00
26	इग्नू NIEPMD	0	113828.00
27	CPWD से अग्रिम	0	5685354.00
28	बचत खाता का ब्याज - NIEPMD का मुख्य खाता	258975	332292.00
29	बचत खाता का ब्याज - ADIP खाता	0	248086.00
30	बचत खाता का ब्याज - CRC-K खाता	0	44264.00
31	मशीनों का विक्रय	0	13787.00
32	ऋण का ब्याज	48997	70116.00
33	NPS की प्राप्ति - NIEPMD पेंशन	1499725	0.00
34	निरीक्षण शुल्क	0	11825.00
35	आर.सी.आई. अनुमोदन शुल्क की प्राप्तियाँ	2070	0.00
36	छात्रावास रखरखाव खर्च	491000	291050.00
37	विज्ञान व तकनीकि मंत्रालय से सहायक अनुदान	175000	0.00
38	प्राप्तियाँ एवं पुनः निवेश कुल	104214825	42304367.00
39	CRC-K को सहायक अनुदान	0	0.00
40	छात्रवृत्ति सहायता खाता	0	325250.00
41	अनुज्ञा पत्र शुल्क प्राप्तियाँ	24729	48297.00
	कुल	195602866.5	180546216.50

क्र.सं.	भुगतान	2012-13	2013-14
1	वेतन व मजदूरियाँ	20528661	20752082.00
2	प्रशासनिक व्यय	17096709	22785621.00
3	प्रोग्राम और सेवाओं पर व्यय	14613843	26231655.00
4	ADIP योजना पर व्यय	0	17635983.00
	स्टाफ को प्रदत्त किये गये ऋण व अग्रिम		
5	मोटर साईकिल अग्रिम	24000	54000.00
6	संगणक अग्रिम	84000	30000.00
7	त्योहार अग्रिम	22500	22500.00
8	स्थानीय यात्रा भुगतान अग्रिम	0	0.00
9	चिकित्सा अग्रिम	0	0.00
10	छात्रों व अन्य व्यक्तियों का जमानत लेखा	392400	135500.00
11	यात्रा भत्ता अग्रिम	35000	22000.00
12	पूंजी खाते (नियत आस्तियाँ)	8900355	6984555.00
13	CPWD की ओर से अग्रिम	10000000	0.00
14	स्टाफ को अस्थाई अग्रिम	0	69900.00
15	मीयादी जमा पर रखी पूंजी	115200000	45037671.00
16	नया पेंशन, ब्याज, ग्रेच्युटी आदि	0	2542138.00
17	बीमा - पूर्व भुगतान व्यय	1211497	24878.00
18	पुस्तक विक्रेता को अग्रिम जमा	0	0.00
19	सेन्ट्रा इण्टरनेशनल का अग्रिम	0	0.00
20	ADIP लेखा-व्यय	0	0.00
21	इंडियन बैंक की प्राप्तियाँ	0	0.00
22	छात्रवृत्ति अनुदान खाता	139378	316540.00
23	वित्त मंत्रालय से सहायक अनुदान	14495	160505.00
24	CRC-K खाते में व्यय	1516166	446648.00
25	छात्रवृत्ति खाता	0	16100.00
26	हाथ में पोस्टेज अग्रिम शेष	4176	4070.00
27	पूर्वोत्तर प्रान्त में कार्यक्रम व्यय	752893	0.00
28	CRC-K व्यय		2434786.00
29	इंडियन बैंक में बचत खाता	3804980.5	26411605.50
30	ADIP योजना - बचत खाता	0	5637023.00
31	CRC-K योजना - बचत खाता	0	270939.00
32	इग्नू-एसएसटी NIEPMD - बचत खाता	0	113828.00
33	NIEPMD-CPF - बचत खाता	1259841	2405689.00
	कुल	195602894.5	180546216.50

सहायक लेखा अधिकारी | लेखा अधिकारी | उप कुलसचिव | निदेशक

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को समाप्त के लिए आय तथा व्यय का लेखा

(राशि रु में)

	चालू वर्ष		गत वर्ष	
अनुसूचि-1 समूह/पूँजी निधि				
वर्ष के आरंभ में शेष राशी		450879779.00		421332246.00
जोड़े : 31.03.2012 के अनुसार NIEPMD मुख्य खाता में व्यय बिना अनुदान बकाया		3804980.50		5222143.00
		454684759.50		426554389.00
घटाएँ : गत वर्ष के अनुदानों का समायोजन क्योंकि अनुसूची-8 से नियत आस्तियाँ हटा दी गयी (अन्य संगठनों का अंतरण)		454684759.50		426554389.00
जोडे : पूँजीगत व्यय, आस्तियों की खरीद के लिए		10000000.00		
जोडे : पूँजी अनुदान		0.00		8900355.00
जोडे/(घटाएँ) : आय तथा व्यय लेखे (जोडे) से अंतरित		34129720.00		19230015.50
आय तथा व्यय शेष राशि				
घटाएँ : एनआईईपीएमडी के मुख्य खाते में 31.3.2013 के अनुसार अनुपस्थित अनुदान बकाया		-26411605.50		-3804980.50
वर्ष के अंत में शेष राशि की स्थिति		**472402874.00**		**450879779.00**

अनुसूची-2 प्रारक्षित और अधिशेष राशियाँ	चालू वर्ष		गत वर्ष	
1. प्रारक्षित पूँजी राशी				
वर्ष के दौरान जोड़ी गयी अतिरिक्त				
घटाएँ : वर्ष के दौरान कटौतियाँ		**0.00**		**0.00**
2. पुनर्मूल्यांकन प्रारक्षित राशिः				
गत वर्ष के लेखे के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ : वर्ष के दौरान कलौतियाँ		**0.00**		**0.00**
3. विशेष प्रारक्षित राशिः				
गत वर्ष के लेखे के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ: वर्ष के दौरान कटौतियाँ		**0.00**		**0.00**
4. सामान्य प्रारक्षित राशिः				
गत वर्ष के लेखे के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ: वर्ष के दौरान कटौतियाँ		**0.00**		**0.00**
कुल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

वित्तीय विवरणी का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

अनुसूची 3 - 31.03.2014 अनुसार उद्दिष्ट धर्मदाय राशि

(राशि रु में)

अनुसूची-3 उद्दिष्ट / धर्मदाय निधियाँ	N.E. रिजन		CRC कोझिकोडे		एडिप योजना	
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
एडिआईप योजना						
क. निधियों का आदिशेष	80,39,790	87,92,683	161461	1515166	21511406	
ख. निधियों में अतिरिक्त राशियाँ					0	0
i. सहायक अनुदान			2500000		22500000	0
ii. निधियों के खाते में से किये गये निवेशों पर आय			44264		248086	606942
iii. अन्य अतिरिक्तियाँ (NIEPMD मुख्य खाते से अग्रिम प्राप्त)					0	0
कुल (क+ख)	**80,39,790**	**87,92,683**	**2705725**	**1516166**	**23273006**	**22118348**
ग. निधियों के उद्देश्यों पर निधियों की उपयोगिता/व्यय						
I. पूँजी व्यय						
- नियत आस्तियाँ					0	0
- अन्य					0	0
कुल					**0**	**0**
II. राजस्व व्यय						
- वेतन, मजदूरियाँ और भत्ते आदि					0	0
- PWD के लिए सहायता उपकरण खर्च					17635983	21593428
- NIEPMD मुख्य खाते में अग्रिम					0	
- अन्य प्रशासनिकव्यय और HRD खर्च	6547229	752893	2434786	1354705	0	0
कुल					**17635983**	**21593428**
कुल (ग)	**6547229**	**752893**	**2434786**	**1354705**	**17635983**	**21593428**
वर्ष के अंत में कुल शेष राशि (क+ख–ग)	**1,492,561**	**8039790**	**270939**	**161461**	**5637023**	**524920**

टिप्पणियाँ:

1) अनुदानों से संबद्ध शर्तों के आधार पर संबंधित लेखा शीर्षों के अंतर्गत प्रकटन किये जाने चाहिए।

2) केन्द्र/राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधियों को अलग निधियों के रूप में दिखाना चाहिए और अन्य किसी निधि के साथ जोड़ना नहीं चाहिए।

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2014 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

	चालू वर्ष		गत वर्ष	
अनुसूची-4 सुरक्षित ऋण और उधार राशियाँ				
1. केन्द्र सरकार			0	0
2. राज्य सरकार (ब्यौरेवार उल्लेख करें)			0	0
3. वित्तीय संस्थान				
क) शर्त आधारित ऋण			0	0
ख) उपचित ब्याज और देय राशियाँ			0	0
4. **बैंक:**				
क) शर्त आधारित ऋण			0	0
- उपचित ब्याज और देय राशियाँ			0	0
ख) अन्य ऋण (ब्यौरेवार उल्लेख करें)			0	0
- उपचित ब्याज और देय राशियाँ			0	0
5. अन्य संस्थान और एजेंसियाँ			0	0
6. डिबेंचर और करार पत्र			0	0
7. अन्य (ब्यौरेवार उल्लेख करें)			0	0
योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशियाँ				

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
अनुसूची-5 प्रतिभूति रहित ऋण और उधार राशियाँ		
1. केन्द्र सरकार	0	0
2. राज्य सरकार (ब्यौरेवार उल्लेख करें)	0	0
3. वित्तीय संस्थान	0	0
4. बैंक :		
क) शर्त आधारित ऋण	0	0
ख) अन्य	0	0
5. अन्य संस्थान और अभिकरण एजेंसियाँ	0	0
6. डिबेंचर (रोखे) और करार पत्र	0	0
7. नियम आस्तियाँ	0	0
8. अन्य (ब्यौरेवार उल्लेख करें)	0	0
कुल	**शून्य**	**शून्य**
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशियाँ		

अनुसूची-6 स्थगि देनदारी व्यय	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) पूँजीगत उपकरण और अन्य आस्तियों के तारण द्वारा प्राप्त स्वीकृतियाँ	0	0
ख) अन्य	0	0
i. वर्ष 2012-13 के लिए संयुक्त क्षेत्रिय केन्द्र कोझीकोडे पर खर्च की गई राशी	0	0
कुल	**शून्य**	**शून्य**
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशियाँ		

वित्तीय विवरणी (गैर-लाभांश संगठन) का फार्म

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2014 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची - 7 चालू देयताएँ और प्रावधान	चालू वर्ष		गत वर्ष	
क) चालू देयताएँ				
1. स्वीकार्यताएँ				
2. फुटकर लेनदार				
क) मालों के लिए				
ख) अन्य (जमावती धन जमा)	2816813	2816813	1699010.00	1699010.00
3. प्राप्त अग्रिम राशियाँ				
4. उपचित ब्याज पर देय नहीं				
क) सुरक्षित ऋण/उधार				
ख) असुरक्षित ऋण/उधार				
5. सांविधिक देयताएँ				
क) अतिदेय				
ख) अन्य : नया पेंशन योगदान	0	0	0	0
ग) NIEPMD मुख्य खाते में 31-03-2014 के बिना खर्च किया अनुदान शेष:-	26411605.5	26411605.5	3804980.5	3804980.5
घ) इम्नू-एसएससी - बचत खाता लेखा - इंडियन बैंक	113828		524920	524920
	0	113828	161461	161461
6. अन्य चालू देयताएँ (जी पी एफ (एस) और (ए) की प्राप्ति	2405689	0	1259841	1259841
7. छात्रवृत्ति खाता	16700	16700	16100	16100
8. विज्ञान मंत्रालय से सहायक अनुदान	0	0	160505	160505
9. छात्रवृत्ति सहायक अनुदान खाता	12960	12960	4250	4250
10. सेवा ग्रेज्युटी/उपदान	0	0	0	0
कुल (क)	**31777595.5**	**29371906.5**	**7031067.5**	**7031067.5**
ख) प्रावधान				
1. कराधान के लिए	0	0	0	0
2. उपदान	0	0	0	0
3. अधिवर्षिता/पेंशन और ग्रेज्युटी देय	0	0	2,542,138	2,542,138
4. संचित छुट्टी, नकदीकरण	0	0	0	0
5. व्यापार वारंटियाँ / दावे	0	0	0	0
6. अन्य (ब्यौरेवार उल्लेख करें) लेखा परीक्षा खर्च	100000	100000	100000	100000
कुल ख	100000	100000	2642138	2642138
कुल (क + ख)	31877595.5	29471906.5	**10273205**	**10273205**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै

31 मार्च, 2014 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची - 8 नियत आस्तियाँ										
वर्णन	सकल अवरूद्ध राशि				मूल्यह्रास				निवल ब्लाक	
	वर्ष के प्रारंभ की लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के लिए जोडी गयी राशियाँ	वर्ष के लिए कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक की लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ की स्थिति	2012-13 के लिए जोडी गयी राशियाँ	वर्ष के लिए कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक का कुल	चालू वर्ष के अंत पर स्थिति	गत वर्ष के अंत पर स्थिति
1	2	3	4	5 (2+3-4)	6	7	8	9 (6+7-8)	10 (5-9)	11
क. नियत आस्तियाँ										
1. भूमि										
ख) पट्टे पर ली गयी	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
2. भवन	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
क) मुफ्त में मिली भूमि	12905178	0	0	12905178	1435818	229387	0	1665205	11239973	11469360
ख) पट्टे पर ली गयी भूमि	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
ग) स्वामित्व वाले फ्लैट्स/हस्ती की मिल्कियत के भावन	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
3. संयंत व मशीनरी और उपकरण	7539142	680559	0	8219701	1860945	612707	0	2473652	5746049	5678197
4. वाहन	1180263	0	0	1180263	681170	74864	0	756034	424229	499093
5. फर्नीचर / जुडनार	7118544	1406785	--	8525329	1615718	636280	0	2251998	6273331	5502826
6. कार्यालय उपकरण	4118058	597123	--	4715181	818337	356817	0	1175154	3540027	3299721
7. कंप्यूटर	2840921	3224613	--	6065534	1078595	694825	0	1773420	4292114	1762326
8. विद्युत संस्थापनाएँ	1750000	0	--	1750000	253750	149625	--	403375	1346625	1496250
9. पुस्तकालय की पुस्तकें	3716243	1075475	0	4251718	3176243	1075475	0	4251718	0	0
10. ट्यूबेल्स और जल आपूर्ति	--	--	--	--	--	--	--	--		
11. अन्य निय आस्तियाँ	--	--	--	--	--	--	--	--	0	0
चालू वर्ष का कुल	**40628349**	**6984555**	**0**	**47612904**	**10920576**	**3829980**	**0**	**14750556**	**32862348**	**29707773**
गत वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--		
ख) पूँजीगत चालू कार्य	**0**	**309831579**	**0**	**309831579**	**0**	**0**	**0**	**0**	**309831579**	--
टिप्पणी :वर्ष 2012-13 के दौरान कोई भी आस्तियाँ अंतरित या प्राप्त नहीं की गयी।										
कुल									**342693927**	**29707773**
(टिप्पणी दी जाए कि आस्तियों की लागत भाडे पर ऊपर में सम्मिलित)										

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
अनुसूचि - 9 उद्दिष्ट/धर्मदाय निधियों से निवेश		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		
3. शेयरों में		
4. डिबेंचर (रोखे) और बंध पत्र		
5. नियंत्रित व्यवसाय और संयुक्त कार्य		
6. अन्य (विशिष्ट तथा बताएँ)		
कुल	**शून्य**	**शून्य**

अनुसूचि-10 निवेश अन्य	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		
3. शेयरों में		
4. डिबेंचर और बंध पत्र		
5. नियंत्रित व्यवसाय और संयुक्त कार्य		
6. अन्य (विशिष्टतया बताएँ)		
कुल	**शून्य**	**शून्य**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2014 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-11 चालू आस्तियाँ, ऋण व अग्रिम राशियाँ आदि	चालू वर्ष		गत वर्ष	
क. चालू आस्तियाँ				
1. माल सूचियाँ :				
क) भंडार व अतिरिक्त पुर्जे				
ख) खुले औजार				
ग) व्यापार में लगा स्टाक				
तैयार माल				
चालू कार्य				
कच्ची सामग्रियाँ				
2. फुटकर देनदारियाँ :				
क) छ महीनों से अधिक अवधि से रूके पड़े बकाये	0.00	0	0.00	0.00
ख) अन्य इलेक्ट्रीसीटी कार्यालय में सुरक्षा जमा	0.00	0	0.00	0.00
ग) अन्य - अध्यापक शिक्षा विश्वविद्यालय तमिलनाडु को बी.एड. के लिए सुरक्षा जमा	0.00	0	0.00	0.00
3. नकदी शेष (चेकों/ड्राफ्टों और फुटकर धन) राशियाँ	4070.00	0	4176.00	0.00
4. बैंक में शेष :				
क) अनुसूचित बैंक (अनुबंध-2)				
चालू खातों में				
इंडियन बैंक में जमा खातों में (लाभ जमा) इंडियन बैंक में मियादी जमा	128355271.00		108630376.00	
इंडियन बैंक के बचत खाते में (NIEPMD - मुख्य खाते में)	26411605.5		3804980.50	
इंडियन बैंक के बचत खाते में (NIEPMD - एडिप खाते में)	5637023.00		524920.00	
इंडियन बैंक के बचत खाते में (GPF -खाते में)	270939.00		161461.00	
आवर्ती जमा खाता - नया पेंशन योजना खाता	2405689.00		1259841.00	
इंडियन बैंक के बचत खाते में (CRC-K मुख्य खाते में)	0.00		0.00	
इंडियन बैंक के बचत खाते में (इग्नू - NIEPMD खाते में)	113828.00	163198425.00		114385754.50
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में				
जमा चालू खाते में				
जमा खाते में (इसमें मार्जिन मनी शामिल है)				
बचत खातों में				
5. डाकघर - बचत खातों में				
कुल (क)	**163198425.00**	**163198425.00**	**114385754.50**	**114385754.50**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2014 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-11 चालू आस्तियाँ, ऋण व अग्रिम राशियाँ आदि	चालू वर्ष		गत वर्ष	
ख. ऋण, अग्रिम राशियाँ और अन्य आस्तियाँ				
1. ऋण :				
क) कर्मचारी (मोटर साइकिल, संगलक, मात्रा भत्ता, खाद्य अग्रिम और त्योहार अग्रिम)	270150		359200	359200
ख) हस्ती करने जैसे कार्यों के समान कार्यों को करने वाली अन्य हस्तियाँ				
ग) अन्य (विशिष्टतया बताएँ)	69900			
2. नकद, वस्तु रूप में प्राप्त होने वाले मूल्य वसूली योग्य अग्रिम व अन्य :				
क) पूँजी खाते में (CPWD के साथ अग्रिम)	263927		315780860	
ख) पूर्व भुगतानें : स्कूल बस का बीमा	1112761		1211479	
ग) अन्य (कार्यक्रम के लिए अग्रिम राशियाँ)	172110		172110	
घ) अन्य - CRC कोषिकोडु	446648	2335496	0	317164449
3. उपचित आय :				
क) उद्दिष्ट/धर्मदाय निधियों से निवेश पर				
ख) निवेशों पर – अन्य				
ग) ऋणों और अग्रिम राशियों पर				
घ) अन्य (वसूल नहीं की जा सकी रु... की राशि)	3453144	3453144	7575598	7575598
4. वसूली योग्य दावे :				
कुल (ख)	**5788640**	**5788640**	**325099247**	**325099247**
कुल (क+ख)		**168987065.50**		**4394850010.50**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2014 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-12 विक्रयों/सेवाओं से आय	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. विक्रयों से आय		
क) पूर्ण सामग्री का विक्रय		
ख) कच्ची सामग्री का विक्रय		
ग) रद्दी माल का विक्रय	0	0
2. सेवाओं से आय		
क) श्रमिक और संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्शदात्री सेवाएँ		
ग) एजेंसी कमीशन और बट्टा		
घ) रखरखाव सेवाएँ (उपकरण/संपत्ति)		
ङ) अन्य (विशिष्टतया बताएँ)		
कुल	**शून्य**	**शून्य**

अनुसूची-13 अनुदान/आर्थिक सहायताएँ	चालू वर्ष	गत वर्ष
(प्राप्त अनुदान/परिदान राशियाँ)		
1. क) केन्द्र सरकार – NIFPMD – मुख्य खाता	82574000	76942000
ख) केन्द्र सरकार – NIFPMD–CRC-K	0	0
2. राज्य सरकारों		
3. सरकारी एजेंसियों (संस्थाएँ)		
4. संस्थान/कल्याण कि निकायों		
5. अंतर-राष्ट्रीय संगठनों		
6. अन्य (विशिष्टतया बताएँ) घटाएँ : पूँजी खर्च	0	8900355
7. जमा : मियादी जमा और बचत खाता से ब्याज जमा	0	4153124
कुल	**82574000**	**72194769**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2014 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगरूप अनुसूचियाँ (राशि रु में)

अनुसूची-14 शुल्क/चन्दे		चालू वर्ष	गत वर्ष
1. संबंधन शुल्क		0	0
2. पाठ्यक्रम शुल्क (डिप्लोमा, डिग्री, स्नातकोत्तर (पी.जी.) और प्रमाण पत्र) शिक्षण शुल्क और परीक्षा शुल्क		3361570	1697800
3. प्रवेश शुल्क			
4. वार्षिक शुल्क/चन्दे			
5. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क (आवेदन एवं पंजीकरण शुल्क)		1192020	697800
6. परामर्शदात्री शुल्क			
7. अन्य (विशिष्टतया बताएँ)			
कुल		**4553590**	**2395600**
टिप्पणी : प्रत्येक मद के संबंध में लेखा नीतियाँ प्रकट की जानी है।			

अनुसूची-15 निवेशों से आय	उद्दिष्ट प्रायोजित निधि से निधि		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
(उद्दिष्ट/अर्मदाय निधियों से निधियों को अंतरित किये गये विदेशों पर आय)				
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
ख) अन्य बँध पत्रों/डिबेंचरों पर लाभांश				
2. लाभांश				
क) शेयरों पर				
ख) म्यूच्वल निधि प्रतिभूतियों पर				
3. भाडे				
4. अन्य विशिष्टतया बताएँ				
कुल	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**
उद्दिष्ट/धर्मदाय निधियों को अंतरित				

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-16 प्रकाशनों, रायल्टी आदि से आय	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. रायल्टी से आय	0	0
2. प्रकाशनों से आय	0	0
3. आन्य (विशिष्टतया बताएँ)		
कुल	**0**	**0**

अनुसूची-17 अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. मीयादी जमा राशियों पर		
क) अनुसूचित बैंकों में	0	0
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में	9056164	
ग) संस्थाओं में		
घ) गत वर्ष मीयादी जमा पर प्राप्त ब्याज	10723424	
2. बचत खातों पर		
क) अनुसूचित बैंकों में मुख्य खाता	0	0
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में एडिप खाता	0	0
ग) संस्थाओं में		
घ) अन्य में		
3. ऋणों पर		
क) कर्मचारीगण/स्टाफ	70116	48997
ख) अन्य	0	0
4. कर्जदारों और अन्य प्राप्त राशियों पर ब्याज	0	0
कुल	**19849704**	**48997**
टिप्पणी : स्त्रोत सी की गयी कर की कटौती सूचित की जानी चाहिए।		

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगस्वरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-18 अन्य आय	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. आस्तियों के विक्रय/निपटान से आय क) स्वामित्व वाली आस्तियाँ ख) अनुदानों या बिना लागत प्राप्त आस्तियों से		
2. उगाहे गये प्रतिवाद प्रोत्साहन		
3. विविध सेवाओं के लिए फीस	142652.00	135312.00
4. धन-वापसियाँ	0.00	0.00
5. विविध आय	767814.00	697403.50
कुल	**910466.00**	**832715.50**

अनुसूची-19 तैयार मालों और चालू कार्य के स्टॉकों में वृद्धि/(कमी)	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) अंतिम स्टॉक – तैयार माल – चालू कार्य		
ख) घटाएँ : आदि स्टॉक – तैयार माल – चालू कार्य		
निवल वृद्धि / (कमी) (क-ख)	**शून्य**	**शून्य**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगस्वरूप अनुसूचियाँ (राशि रु में)

अनुसूची-20 कार्यक्रमों और सेवाओं पर व्यय	चालू वर्ष	गत वर्ष
मानव संसाधन विकास	12562109	5222580
अनुसंधान एवं विकास	979821	525659
सेवा प्रतिमानों का विकास	10183772	8059370
कन्सलटेंसी सेवा	0	0
दस्तावेजीकरण एवं प्रचार प्रसार	2505953	345163
विस्तावरण और अभिगम सेवाएँ (UNCRPD पर राष्ट्रीय कार्यशाला)	0	452071
पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यक्रम में खर्च	0	0
CRC-K के खर्च	0	0
कुल	**26231655**	**14613843**

अनुसूची-20-क स्थापना व्यय	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) वेतन व मजदूरियाँ	818839	7772243
ख) भत्ते व बोनस	11327651	9771691
ग) भविष्यनिधि में योगदान	0	0
घ) अन्य निधि में योगदान (नई पेंशन योजना में संस्था का हिस्सा)	1119569	2010585
ङ) अर्जित अवकाश पर भुगतान	116123	110997
च) अन्य विशिष्टतया बताएँ : ग्रेज्युटी देय	0	863145
कुल	**20752082**	**20528661**

अनुसूची 20-ख अन्य कार्यक्रम व्यय	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) उत्तर पूर्वी राज्य	0	0
ख) एडीआईपी योजना	0	0
ग) पायलेट परियोजना	0	0
घ) अन्य व्यय	0	0
ङ) एआईडीपी खाते को अंतरण	0	0
कुल	**0**	**0**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगस्वरूप अनुसूचियाँ (राशि रु में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. समर्थन सेवाओं पर व्यय	9653431	6517077
2. विद्युत और ऊर्जा	3220966	3470970
3. बीमा	139890	1266617
4. अस्थायी भवनों की मरम्मत/नवीकरण	1444425	1690126
5. कार्यालय उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव	389924	31316
6. वाहन भाडा प्रभार	1181201	863285
7. स्कूल बस की मरम्मत व रखरखाव (**डीजल रु. 100388/- + रखरखाव रु. 37796/-**)	421266	311699
8. टाटा सूमो की मरम्मत व रखरखाव (**डीजल रु. 85070/- + रखरखाव रु. 48477/-**)	161959	102664
9. डाक और टेलीफोन प्रभार	294417	218355
10. मुद्रण व लेखन सामग्री	258002	152518
11. यात्रा एवं सवारी व्यय	1992170	909035
12. लेखा-परीक्षकों का पारिश्रमिक	107780	0
13. आंतरिक लेखा परीक्षक-परामर्श प्रभार	44944	0
14. संयंत्र और उपकरण रख-रखाव और परिवर्तन	671517	162783
15. विज्ञापन और प्रचार	1009938	971771
16. कम्प्युटर का रखरखाव और परिवर्तन	431419	340078
17. जेनसेट का रख-रखाव और परिवर्तन	1176763	1095128
18. अतिथिगृह का रख-रखाव और परिवर्तन	142394	52738
19. छात्रावास का रख-रखाव और परिवर्तन	6225	14700
20. फर्नीचर का रख-रखाव और परिवर्तन	363	800
21. अन्य व्यय	195329	141528
कुल	**22944323**	**18310188**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2014 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगस्वरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची 22 - अनुदानों, परिदानों आदि पर व्यय	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) संस्थाओं/संगठनों को दिये गये अनुदान ख) संस्थाओं/संगठनों को दिये गये परिदान		
कुल	**शून्य**	**शून्य**
टिप्पणी : हस्तियों के नाम, उनके कार्यकलापों सहित अहे अनुदानों/ परिदानों के रूप में दी गयी राशियों सहित प्रकट करें।		

(राशी रु..... में)

अनुसूची 23 - ब्याज	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) नियत ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभारों को शामिल करते हुए) ग) अन्य (विशिष्टयता बताएँ)		
कुल	**शून्य**	**शून्य**

अनुसूची-24

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नई

लेखा नीतियाँ

निम्न विषयों के संबंध में उचित लेखा बहियों का लेखा वर्ष 2005-06 और उसके आगे रखरखाव करने के लिए सँस्थान द्वारा अनुसरण की जानेवाली

क) सभी प्रकार की धन प्राप्तियों और व्ययों तथा जिन मामलों के संबंध में प्राप्तियाँ और व्यय घटे हैं;

ख) सभी प्रकार के राजस्व/प्राप्त आय/वसूली योग्य और अदा किया गया व्यय/देय राशियाँ

ग) सभी प्रकार के मालों के क्रम और विक्रम; और

घ) सभी आस्तियाँ और देनदारियाँ; सभी मामलों में संस्थान की सही और निष्कलंक छवि प्रस्तुत है।

1. संस्थान की लेखा – बहियाँ, उनके निम्न आवश्यक पहलुओं को सुनिश्चित करने के लिए उपचित आधार पर (देय और संकाय का नियमित भत्ता छोड़कर, निवृत्ति लाभ, शिक्षण शुल्क प्राप्ति और लाभार्थियों के लिए उपकरणों की खरीद, इसका लेखा नगद रूप में रखा गया) आवश्यक विशिष्टता की निष्पत्ति का पीछा करना जैसे– (क) राजस्व को मान्यता नकद रूप में धन की प्राप्ति होने या न होनो पर भी इसे अर्जित धन समझा जाए (ख) ऐसे राजस्वों से मेल खाते व्ममों – पर।

2. चूँकि लेखा बहियों का रखरखाव उचित आधार पर होता है। (देय और संकाय का नियमित भत्ता छोड़कर, निवृत्ति लाभ, शिक्षण शुल्क प्राप्ति और लाभार्थियों के लिए उपकरणों की खरीद, इसका लेखा नगद रूप में रखा गया) कट ऑफ तिथि 15 अप्रैल मानी जाएगी।

3. संस्थान की लेखा बहियाँ डबल एंट्री बुक कीपिंग पद्श्रति पर रखी जानी चाहिए।

4. उचित अनुरक्षण और पहचान, लेखा – शीर्षों का कोडीकरण किया गया।

5. निम्न प्रारूप में संस्थान की लेखा विवरणी तैयार की जानी चाहिए।

   i) वर्ष 2013-14 के लिए प्राप्ति तथा भुगतान लेखा।

   ii) वर्ष 2013-14 का आय तथा व्यय लेखा।

   iii) 31 मार्च, 2014 को स्थित तुलन-पत्र।

स्पष्टीकरण :

i) प्राप्तियों और भुगतानों का लेखा

क) सभी वास्तविक प्राप्तियों को हिसाब में लिया गया।

ख) सभी वास्तविक व्ययों को हिसाब में लिया गया।

ii) आय और व्यय खाता :

मद की वास्तविक प्राप्तियों और भुगतानों के अतिरिक्त उपचित आय और बकाया देनदारियों को, उचित प्रस्तुतीकरण और आय तथा व्यय की समग्र स्थिति जानने के लिए, प्रत्येक लेखा शीर्ष में जोडा जाए।

iii) 31 मार्च को स्थिति तुलन-पत्र

देनदारियाँ	आस्तियाँ
1) पूँजी	1) मूल्यह्रास घटाकर नियत आस्तियाँ
2) प्रारक्षित ऋण	2) निवेश
3) प्रतिभूति ऋण	3) चालू आस्तियाँ, ऋण और अग्रिम राशियाँ
4) अप्रतिभूति ऋण	4) विविध व्यय (खाते न डाले जाने की सीमा तक)
5) चालू देनदारियाँ	5) आय और व्यय लेखा

6. टिप्पणी :

जहाँ कहीं आवश्यकता हो लेखों की अंगरूप अनुसूचियाँ तैयार करके लेखों के साथ संलग्न की जानी है।

मूल्यह्रास :

मूल्यह्रास प्रदान करते समय निम्नलिखित मार्गदर्शक सिद्धांतों का अनुपालन करना चाहिए।

i) दिनांक 1.4.2005 को या उससे पूर्व प्राप्त की गयी नियत आस्तियों पर वार्षिक आधार पर मूल्यह्रास प्रदान करना।

ii) लिख लेने की मूल्य पद्धति लिख लेने की प्रणाली अपनाना।

iii) वित्त वर्ष के दौरान सितंबर माह तक प्राप्त आस्तियों के लिए प्रतिशत के अनुसार हिसाब लगाया जाए। अक्तूबर से फरवरी तक प्राप्त आस्तियों के लिए मूल्यह्रास @ 50% दर से मूल्यह्रास का हिसाब लगाना चाहिए। मार्च में प्राप्त आस्तियों पर मूल्यह्रास शून्य होगा।

iv) लिख दी गयी मूल्य पद्घति के आश्रय पर प्रत्येक आस्ति की आयु और मूल्यह्रास की दरें नीचे दी गयी है:

क)	भूमि	:	कोई मूल्यह्रास नहीं	
ख)	भवन	:	50 वर्ष की जीवन	02% मूल्यह्रास
ग)	संयंत्र, मशीनरी और उपकरण	:	10 वर्ष की जीवन	10% मूल्यह्रास
घ)	वाहन	:	6 वर्ष की जीवन	15% मूल्यह्रास
च)	फर्नीचर व जुडनार	:	10 वर्ष की जीवन	10% मूल्यह्रास
छ)	कार्यालय उपकरण	:	10 वर्ष की जीवन	10% मूल्यह्रास
ज)	संगणक और उपकरण	:	5 वर्ष की जीवन	20% मूल्यह्रास
झ)	पुस्तकालय पुस्तकें	:	आयु नहीं	100% मूल्यह्रास

ह./-

(डॉ. नीरधा चन्द्र मोहन)

निदेशक

अनुसूची-25

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नै

वार्षिक लेखों की अंगरूप टिप्पणियाँ

1. वार्षिक लेखों का संकलन केन्द्रीय स्वान्त निकायों की वित्तीय विवरणियों के प्रारूप में तैयार किया गया है। (गैर-लाभ संगठन और इसी प्रकार के संस्थान)
   क) दि.31.3.2014 को स्थित तुलन-पत्र।
   ख) वर्ष 2013-14 के लिए आय तथा व्यय लेखा।
   ग) अनुसूचियाँ 1 से 25 तक प्रारूप के अनुसार।
   घ) वर्ष 2013-14 के लिए प्राप्तियों और भुगतानों का लेखा।
2. लेखों को उपसिच आधार पर तैयार किया गया है। (नियमित स्टाफ के वेतन और भत्ते, सेवानिवृत्त लाभ, शिक्षण शुल्क की प्राप्तियाँ और लाभार्थियों के लिए औषधियों का क्रय को छोड़कर। इनको नकद आधार पर हिसाब किया गया है।
3. लिख दी गयी मूल्य पद्धति पर मूल्यह्रास दिया जा रहा है।
4. CPWD का अग्रिम पूँजी कार्य के रूप में अब भी लिया जा रहा है। 2013-14 वर्ष के दौरान किसी मूल्यह्रास को अनुमति नहीं दी गयी है। CPWD से विस्तृत कार्यरूप व्यय प्राप्त करने के बाद भविष्य में मूल्यह्रास का प्रावधान किया जाएगा।
5. लेखा-नीतियाँ तैयार की गयीं और उनके अनुसार किया जा रहा है।
6. कुल प्राप्त रुपये 11,17,05,537.50/- (जिसमें आदिशेष, सहायक अनुदान, विशिष्ट उद्देश्यों के लिए अनुदान, जमा परिपक्वता, अन्य संगठनों से प्राप्तियाँ, ऋण, अग्रिम और आंतरिक प्राप्तियाँ) में से खर्च की गयी राशी रु 8,52,93,932/- को छोड़कर शेष रु. 2,64,11,605.50/- NIEPMD के मुख्य बचत खाते में हैं।
7. वर्ष 2013-14 के लिए आस्थियों और भंडारों की भौतिक जाँच का काम पूरा हो गया है।
8. मंत्रालय द्वारा जारी किये गये अनुदानों के लिए उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर दिया गया है और अब कोई उपयोगिता प्रमाण-पत्र पड़े नहीं है।
9. आवश्यकता के अनुसार आँकडों को वर्गीकृत किया गया है।
10. रु. 30,98,31,579/- की रकम अनुसूची-8 में मीआदी संपत्ति के अधीन पूँजी चालू कार्य दिखा दिया गया है और CPWD के साथ अग्रिम में समायोजित किया गया है, जो अनुसूचि सं. 11 में चालू संपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम शीर्ष में समायोजित की गयी है। भवन के लिए संपत्तियों के पूँजीकरण वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान परावर्तित होगा।

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै
वर्ष 2013-14 के लिए वेतन भत्तों के ब्यौरे

क्र.सं.	विवरण	2012-13	2013-14
1.	वेतन लेखा	5776591	6180550
2.	महँगाई वेतन	0	0
3.	श्रेणी वेतन	1655604	1728624
4.	नान प्रीक्टिसिंग वेतन	309182	253976
5.	वैयक्तिक वेतन	30866	25589
6.	वेतनों पर कुल	7772243	8188739
7.	समाचारपत्र भत्ता	50692	55810
8.	मकान किराया भत्ता	1874055	1634235
9.	नगर प्रतिपूर्ति भत्ता	0	0
10.	महँगाई भत्ता	5898339	7764338
11.	परिवहन भत्ता	742438	862135
12.	धोवन भत्ता	825	900
13.	चिकित्सा दावों की प्रतिपूर्ति	771938	635644
14.	तदर्थ बोनस	17270	16982
15.	छुट्टी का वेतन और पेंशन योगदान	9567	0
16.	एल टी सी	182437	152301
17.	पुस्तकों का भत्ता	24000	24000
18.	शिक्षण प्रतिपूर्ति का शुल्क	200130	181306
	भत्तों और बोनस पर कुल	**9771691**	**11327651**
19.	अर्जित छुट्टी का नकदीकरण	110997	116123
20.	नया पेंशन योगदान	2010585	1119569
21.	ग्रेज्युटी जमा	863145	0
	कुल	**20528661**	**20752082**

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै
प्राप्ति और भुगतान लेखे के लिए पंजीकृत आस्तियाँ के प्रापण के ब्यौरे

क्र.सं.	विवरण	2012-13	2013-14
1.	भूमि तथा भवन	0	0
2.	कम्प्यूटर और संबंधित सामग्री	1345689	3224613
3.	संयंत्र व मशीनरी	3004869	680559
4.	कार्यालय उपकरण	1318006	597123
5.	मोटर वाहन	0	0
6.	फर्नीचर और जुड़नार	3314673	1406785
7.	पुस्तकालय पुस्तकें	507454	1075475
	कुल	**9490691**	**6984555**

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नै
प्राप्ति और भुगतान लेखे के लिए पंजीकृत आस्तियाँ के प्रापण के ब्यौरे

क्र.सं.	विवरण	2012-13	2013-14
1.	भूमि तथा भवन	0	0
2.	कम्प्यूटर और संबंधित सामग्री	1345689	3224613
3.	संयंत्र व मशीनरी	3004869	680559
4.	कार्यालय उपकरण	1318006	597123
5.	मोटर वाहन	0	0
6.	फर्नीचर और जुड़नार	3314673	1406785
7.	पुस्तकालय पुस्तकें	507454	1075475
	कुल	**9490691**	**6984555**

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै
प्रशासकीय व्यय के लिए आय तथा व्यय लेखा का ब्यौरा

क्र.सं.	विवरण	2012-13	2013-14
1.	समर्थन सेवाएँ सुरक्षा व साफ सफाई	4653899	9653431
2.	यात्रा और सवारी व्यय	1070412	1992170
3.	वाहन भाड़ा प्रभार	648025	1181201
4.	टेलीफोन और डाक प्रभार	240324	294417
5.	मुद्रण व लेखन सामग्री	184499	258002
6.	विज्ञापन व प्रभार	975323	1009938
7.	आतिथ्य	4158	3092
8.	विद्युत प्रभार	1543447	3220966
9.	आस्तियों की मरम्मत और रखरखाव	660210	1444425
10.	टाटा सुमो की मरम्मत और रखरखाव	133547	161959
11.	प्रकाशन और पत्रिकाएँ	31006	58251
12.	बैंक प्रभार	5346	7219
13.	स्कूल वैन की मरम्मत और रखरखाव	138184	421266
14.	फुटकर व्यय	69393	94767
15.	लेखा परीक्षा शुल्क	79840	152724
16.	बीमा	26008	139890
17.	न्यायिक शुल्क	30360	32000
18.	संगणक की मरम्मत और रखरखाव	239818	431419
19.	सर्वेक्षण और मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव	93124	671517
20.	जेनरेटर की मरम्मत और रखरखाव	485727	1176763
21.	कार्यालय उपकरण की मरम्मत और रखरखाव	4705	389924
22.	अतिथिगृह की मरम्मत और रखरखाव	0	142394
23.	छात्रावास की मरम्मत और रखरखाव	0	6225
24.	फर्नीचर की मरम्मत और रखरखाव	0	363
	कुल	**11317355**	**22944323**

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै
प्रशासकीय व्यय के लिए आय तथा व्यय लेखा का ब्यौरा

क्र.सं.	विवरण	2012-13	2013-14
1.	समर्थन सेवाएँ सुरक्षा व साफ सफाई	6517077	9653431
2.	यात्रा और सवारी व्यय भत्ता	906035	1992170
3.	वाहन भाड़ा प्रभार	863285	1181201
4.	टेलीफोन और डाक प्रभार	222531	294311
5.	मुद्रण व लेखन सामग्री	152518	258002
6.	विज्ञापन व प्रभार	971771	1009938
7.	आतिथ्य	4246	3092
8.	विद्युत प्रभार	3602370	3220966
9.	आस्तियों की मरम्मत और रखरखाव	1099790	1444425
10.	टाटा सुमो की मरम्मत और रखरखाव	102664	161959
11.	प्रकाशन और पत्रिकाएँ	39096	58251
12.	बैंक प्रभार	5158	7219
13.	स्कूल वैन की मरम्मत और रखरखाव	311699	421266
14.	फुटकर व्यय	32628	94767
15.	लेखा परीक्षा शुल्क	0	152724
16.	बीमा	442644	16294
17.	न्यायिक शुल्क	60400	32000
18.	संगणक की मरम्मत और रखरखाव	340078	431419
19.	सर्वेक्षण और मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव	162783	671517
20.	जेनरेटर की मरम्मत और रखरखाव	1095128	1176763
21.	कार्यालय उपकरण की मरम्मत और रखरखाव	31316	389924
22.	अतिथिगृह की मरम्मत और रखरखाव	52738	142394
23.	छात्रावास की मरम्मत और रखरखाव	14700	6225
24.	फर्नीचर की मरम्मत और रखरखाव	800	363
	कुल	**17031455**	**22785621**

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै
अनुसूची 20-ए के अंतर्गत कार्यक्रम को सेवाओं पर खर्च का विवरण

क्र.सं.	विवरण	2012-13	2013-14
1.	मानव संसाधन विकास :		
	दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम	1224965	2336387
	लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम	2913092	5987656
2.	अनुसंधान और विकास	525659	979821
3.	सेवा प्रतिमानों का विकास	8059370	10183772
4.	जागरूकता कार्यक्रम का सृजन	354163	2505953
5.	नये भवन उद्घाटन खर्च	452071	0
6.	शिला नींव डालने का कार्यक्रम	752893	0
7.	मानव संसाधन विकास सेवाएँ	416124	1800108
8.	HRD स्टाफ कल्याण व्यय	220889	1420001
9.	CRC-K खर्च	0	380488
10.	औषधियाँ खाता	447510	637469
	कुल	**15366736**	**26231655**

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै
31.03.2014 तक स्टाफ को अग्रिम और बकाया अग्रिम का वर्णन

क्र.सं.	नाम एवं पद	उद्देश्य	राशि	पुनः प्राप्ति के लिए 2013-14	यथा रोकड़ बाकी 31.03.2014
	श्रीमान/श्रीमती				
1.	के. बालभास्कर, प्रवक्ता	मोटर साईकल अग्रिम	24000	6000	18000
2.	प्रज्ञा वर्मा, आर.ओ.	मोटर साईकल अग्रिम	30000	2500	27500
3.	जे.वी. सुब्बुरामन, आर.ओ.	मोटर साईकल अग्रिम	18000	6000	12000
4.	एस. कृष्णमूर्ति, चपरासी	मोटर साईकल अग्रिम	24000	5600	18400
5.	वी. लीलावती, प्रवक्ता	मोटर साईकल अग्रिम	22000	6000	16000
	कुल		118000	26100	91900
6.	राजेश रामचन्द्रन, आर.ओ.	कम्प्यूटर अग्रिम	24000	6500	17500
7.	एस. कृष्णमूर्ति, चपरासी	कम्प्यूटर अग्रिम	30000	3500	26500
8.	देवेन्द्र प्रसाद, आर.ओ.	कम्प्यूटर अग्रिम	10000	6000	4000
9.	गुरुमूर्ति, आर.ओ.	कम्प्यूटर अग्रिम	10000	6000	4000
10.	जे.वी. सुब्बुरामन	कम्प्यूटर अग्रिम	15000	7500	7500
11.	एस.के. सामी, एईएमओ	कम्प्यूटर अग्रिम	24000	18000	6000
12.	एंजेलिन गोल्डा, पी.	कम्प्यूटर अग्रिम	16000	12000	4000
13.	वी.एस. संतोष कण्णा, प्रवक्ता	कम्प्यूटर अग्रिम	15000	6000	9000
14.	एस. कार्तिकेयन, प्रवक्ता	कम्प्यूटर अग्रिम	15000	6000	9000
15.	एम. वंदिरवन, विशेष शिक्षक	कम्प्यूटर अग्रिम	13500	6000	7500
16.	डी. स्टालिन अरुल रीगन, विशेष शिक्षक	कम्प्यूटर अग्रिम	13500	6000	7500
17.	जे. मुहम्मद इब्राहीम, एएओ	कम्प्यूटर अग्रिम	15500	6000	9500
18.	वी. लीलावती, प्रवक्ता	कम्प्यूटर अग्रिम	19000	6000	13000
19.	एम. राजेश, सूचना और माध्यम अधिकारी	कम्प्यूटर अग्रिम	20000	6000	14000
	कुल		240500	101500	139000
20.	एस. कृष्णमूर्ति, चपरासी	उत्सव पेशगी	3750	1500	2250
21.	एस.के. सामी, एईएमओ	उत्सव पेशगी	3750	1500	2250
22.	पी. एंजेलिन गोल्डा, एटीपीओ	उत्सव पेशगी	3750	750	3000
23.	सौविया वाणी, विशेष शिक्षक	उत्सव पेशगी	3750	375	3375
24.	आई.जी. अनुसूया, आर.ओ.	उत्सव पेशगी	3750	375	3375
25.	जे. कांचना, एसीपीओ	उत्सव पेशगी	3750	750	3000
	कुल		22500	5250	17250
26.	एस. विजय राघवन, ए.ओ.	टीए अग्रिम	22000	0	22000
	कुल		22000		22000
27.	के. बालभास्कर, प्रवक्ता	अस्थाई अग्रिम	30000		30000
28.	डा.एम. राजेश, आईएमओ	अस्थाई अग्रिम	39900		39900
	कुल		69900		69900
		महायोग			340050

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै
अनुसूची 3 के अंतर्गत एडिप योजना खर्च विवरण

क्र.सं.	विवरण	2012-13	2013-14
1.	V.I. व्यक्तियों के लिए विज्ञापन और उपकरण	4131716	2238958
2.	O.H. व्यक्तियों के लिए विज्ञापन और उपकरण	6575335	2752234
3.	M.R. व्यक्तियों के लिए विज्ञापन और उपकरण	10690474	12131099
4.	H.H. व्यक्तियों के लिए विज्ञापन और उपकरण	34064	0
5.	एडिप योजना के अन्तर्गत सचेतना	1003038	0
6.	एडिप पहचान अभियान खर्च	19275	260295
7.	एडिप वितरण अभियान खर्च	142564	253397
	कुल व्यय	**22596466**	**17635983**

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै
अनुसूची 21 के अंतर्गत फुटकर खर्च का विवरण

क्र.सं.	विवरण	2012-13	2013-14
1.	फुटकर व्यय	32628	94767
2.	न्यायिक शुल्क	60400	32000
3.	प्रकाशन एवं नियतकालिक पत्रिका	39096	58251
4.	आतिथ्य	4246	3092
5.	बैंक व्यय	5158	7219
	कुल व्यय	**141528**	**195329**

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै
अनुसूची 18 के अंतर्गत फुटकर आय का विवरण

क्र.सं.	विवरण	2012-13	2013-14
1.	कबाड़े का विक्रय	0.00	0.00
2.	पुराने समाचार-पत्र का विक्रय	2098.00	2230.00
3.	अध्यापन सामग्री का विक्रय/निविदा प्रपत्र	20850.00	21600.00
4.	छात्रावास अनुपालन व्यय	491000.00	291050.00
5.	फुटकर प्राप्तियाँ	49610.50	246602.50
6.	अतिथि गृह प्राप्तियाँ	88960.00	98050.00
7.	उपभोगता प्राप्तियाँ	0.00	11825.00
8.	डायल साहित्य का विक्रय	20156.00	34373.00
9.	आरसीआई और विश्वविद्यालय मान्यता शुल्क प्राप्ति	0.00	0.00
10.	मशीनरी का विक्रय	0.00	13787.00
11.	परवाना शुल्क की प्राप्ति	24729.00	48297.00
	कुल आय	**697403.50**	**767814.00**

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै
कार्यक्रम और सेवाओं के लिए आय-व्यय खाते का विवरण

क्र.सं.	विवरण	2012-13	2013-14
1.	मानव संसाधन विभाग		
	दीर्घ अवधि कार्यक्रम	1224965	2336387
	लघु अवधि कार्यक्रम	2913092	5987656
2.	शोध और विकास	525659	979821
3.	सेवा नमुनों का विकास	8059370	10183772
4.	सचेतना कार्य निर्माण	354163	2505953
5.	नये भवन उद्घाटन खर्च	452071	0
6.	पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यक्रम खर्च	752893	1800108
7.	हेचआरडी सेवाएँ	416124	1420001
8.	सीआरसी-के का खर्च	220889	380488
9.	हेचआरडी औषधियाँ	447510	637469
	कुल आय	**15366736**	**26231655**

अनुबंध - 1

अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागियों की संख्या		कुल
			पुरुष	स्त्री	
1	10-11 अप्रैल 2013	NIEPMD, चेन्नै में 'अक्लिक निमंत्रण पत्र' पर बहु विकलांग व्यस्कों के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	25	00	25
2	18-19 अप्रैल 2013	NIEPMD, चेन्नै में 'फर खिलौना बनाना' पर बहु विकलांग व्यस्कों के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	00	23	23
3	22-23 अप्रैल 2013	NIEPMD, चेन्नै में 'दस्तकारी कार्य' पर बहु विकलांग व्यस्कों के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	17	13	30
4	15-30 अप्रैल 2013	बहु पुनर्वास, विरुदुनगर	00	30	30
5	20-21 मई 2013	आइजवाल, मीजोरम में डाक्टरों के लिए 'विकलां मूल्यांकन और प्रमाणीकरण' पर मेडिकल विशेषज्ञों के लिए मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम	72	29	101
6	22 मई 2013	आइजवाल, मीजोराम में पूर्वीउत्तर प्रांतों के विकलांग व्यक्तियों के आयुक्तों के लिए सुग्राह्य कार्यक्रम	15	07	22
7	22-24 मई 2013	बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए क्रास विकलांग मामले और अधिकार आधारित समुदाय सम्मिलित उपागम	17	13	30
8	24-25 मई 2013	बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए क्रास विकलांग मामले और अधिकार आधारित समुदाय सम्मिलित उपागम	18	15	33
9	29-31 मई 2013	आत्म विमोह और सहसंबंधित स्थितियों के बच्चों के प्रबंधन में उत्तम अभ्यास	05	39	44
10	18-20 जून 2013	NIEPMD में बहुविकलांग व्यस्कों के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	06	20	26
11	26-27 जून 2013	स्कार्फ, चेन्नै में बहु विकलांग व्यस्कों के लिए 'टेक्सटाइल स्क्रीन प्रिंटिंग' पर क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	06	20	26
12	05-07 जून 2013	बहु विकलांग व्यक्तियों के लिए क्रास विकलांग मामले और अधिकार आधारित समुदाय सम्मिलित उपागम	10	12	22
13	12-14 जून 2014	बहु विकलांग व्यक्तियों के लिए क्रास विकलांग मामले और अधिकार आधारित समुदाय सम्मिलित उपागम	18	15	33
14	12-13 जुलाई 2014	बनियान, चेन्नै में बहु विकलांग व्यस्कों के लिए 'टेक्सटाइल स्क्रीन प्रिंटिंग' पर क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	16	26	42
15	22-26 जुलाई 2013	सीएसआई, पुदियूर, विशेष स्कूल, पेरम्बूर, चेन्नै में बहु विकलांग व्यस्कों के लिए 'स्क्रीन प्रिंटिंग' पर क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	26	08	34

16	24-25 जुलाई 2013	पीएएएमआरसी, होसूर में बहु विकलांग व्यस्कों के लिए 'आभूषण बनाना' पर क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	15	30	45
17	25 जुलाई 2013	रोटरी विशेष आवश्यकताओं के बच्चे संस्थान, त्रिवेन्ड्रम पर बधिरांध बच्चों की समस्याओं से व्यवहार करना	24	63	87
18	1-3 अगस्त 2013	बधिरांध बच्चों 'बधिरांधता' संचार मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यशाला	13	25	38
19	20-21 अगस्त 2013	चेन्नै में बहु विकलांग व्यस्कों के लिए 'दस्तकारी चीजें बनाना' पर क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	09	23	32
20	19-21 अगस्त 2013	सम्मिलित शिक्षा	04	27	31
21	27-28 अगस्त 2013	चेन्नै में बहु विकलांग व्यस्कों वयस्कों के लिए 'पेड-फाइल बनाना' पर क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	20	11	31
22	28-30 अगस्त 2013	चेन्नै में बहु विकलांग व्यस्कों के लिए 'स्क्रीन प्रिंटिंग' पर क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	20	00	20
23	22 अगस्त 2013	प्रधानमंत्री राष्ट्रीय परिषद् क्षमता विकास कार्यक्रम पर कार्यशाला	12	10	22
24	2-4 सितंबर 2013	NIEPMD, चेन्नै में बहु विकलांग बच्चों में व्यवहार की समस्याओं को समझाना	11	04	15
25	18-20 सितंबर 2013	विकलांग बच्चों में पूर्व शाब्दिक क्षमताएँ तीव्र करने के लिए नाटक और खेल	04	44	48
26	23-25 सितंबर 2013	एसएसए शिक्षकों के लिए आद्य पहचान और आद्य हस्तक्षेप	03	03	06
27	25-27 सितंबर 2013	मदुरै में आत्म विमोह – प्रबंधन में संपूर्ण उपागम	16	05	21
28	26-28 सितंबर 2013	अंगनवाडी कर्मचारियों के लिए आद्य पहचान और आद्य हस्तक्षेप	00	50	50
29	26-28 सितंबर 2013	एसएसएस शिक्षकों के लिए ब्रेइल, इशारा भाषा और चलन प्रशिक्षण	09	24	33
30	27-28 सितंबर 2013	गुवाहाटी, आसाम में बहुविकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास पर पूर्वी उत्तर सम्मेलन	74	31	105
31	29 सितंबर 2013	गुवाहाटी में जूट पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, जोरहाट में फाइल बनाना और दिब्रुगढ़ में वेल्डिंग	00	60	60
32	7-11 अक्तूबर	महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम, केरल में PWMDS & IUCDS की अधिकारिता एवं प्रबंधन पर सीआरई कार्यक्रम	48	12	60
33	7-9 अक्तूबर 2013	बहुविकलांग बच्चों के व्यवहार मूल्यांकन और प्रबन्धन पर इन्टलक्चुवल स्क्रीनिंग	18	23	41

34	7-9 अक्तूबर 2013	चेन्नै में सीबीआर परियोजना प्रबंधकों के लिए योग्यता बनाना प्रशिक्षण कार्यक्रम	14	08	22
35	21 अक्तूबर 2013	सिरगुगळ् स्पेशल स्कूल, तिरुच्ची, तमिलनाडु में सुपारी पान का प्लेट तैयार करना	22	09	31
36	22 अक्तूबर 2013	अन्चालय स्पेशल स्कूल, नागपट्टिनम् में लिफाफा बनाना	06	14	20
37	29 अक्तूबर 2013	मनोचेतना, वारांगल, आन्ध्र प्रदेश में मोबाइल रिपेरिंग	25	00	25
38	11-13 अक्तूबर 2013	पीपीडब्ल्यूओ, निमापुरा, अगारतला में रस्सी बनाना	20	00	20
39	15 नवंबर 2013	सीटीहेटपीआई, आन्ध्र प्रदेश में पुस्तक जिल्द	20	00	20
40	15 नवबंर 2013	अभय मिशन, अगारतला में सिलाई	04	16	20
41	15 नवबंर 2013	ज्योति निलयम् कन्याकुमारी में रसायन उत्पाद	22	03	25
42	15 नवंबर 2013	ज्योति निलयम्, मदुरै में रसायन उत्पाद	16	04	20
43	19 नवंबर 2013	पीवीपी, तिरुवण्णामलै में सिलाई	04	31	35
44	19 नवंबर 2013	घरेलू उपकरण ठीक करना	28	07	35
45	21 नवंबर 2013	कोवलम हायर सेकण्डरी स्कूल, चेन्नै में स्कूल बच्चों के लिए विकलांग प्रबंधन में प्रगति मार्गदर्शन एवं परामर्श	36	56	92
46	22-14 नवंबर 2013	NIEPMD, चेन्नै में बहुविकलांग व्यक्तियों को पाठशाला मनोविज्ञान सेवाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन	55	40	95
47	23-25 नवंबर 2013	पाठशाला मनोविज्ञान पर इनस्पा कार्यशाला	15	06	21
48	25-26 नवबंर 2013	नेम्मेली हायर सेकण्डरी स्कूल, चेन्नै में पाठशाला बच्चों के लिए विकलांग प्रबंधन पर प्रगति मार्गदर्शन एवं परामर्श	156	235	391
49	27 नवंबर 2013	नई दिल्ली में पैकिंग एवं गिफ्टिंग	19	00	19
50	27 नवंबर 2013	सिरतार, रोहतक, हरियाणा में स्क्रीन प्रिंटिंग	20	00	20
51	27 नवंबर 2013	केलम्बाक्कम हायर सेकण्डरी स्कूल, चेन्नै में पाठशाला बच्चों के लिए विकलांग प्रबन्धन पर प्रगति मार्गदर्शन एवं परामर्श	153	230	383
52	28 नवंबर 2013	उद्दण्डी हायर सेकण्डरी स्कूल, चेन्नै में पाठशाला बच्चों के लिए विकलांग प्रबन्धन पर प्रगति मार्गदर्शन एवं परामर्श	34	50	84
53	27-28 नवबंर 2013	सिरी फोर्ट, नई दिल्ली में बहु विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास पर राष्ट्रीय सम्मेलन	153	77	230
54	29 नवंबर 2013	शांति निलयम्, कन्याकुमारी में पेपर कप	22	08	30
55	29 नवंबर 2013	स्पास्टिक सोसाइटी आफ तिरुच्ची में जूट उत्पाद	12	08	20
56	29 नवंबर 2013	बस्ती, उत्तर प्रदेश में पेपर बैक	23	02	25
57	2-3 दिसंबर 2013	बहु विकलांग वयस्कों के प्रबन्धन में अभिभावकों/परिवार के सदस्यों की भूमिका	58	42	100

58	6-7 दिसंबर 2013	विद्या सागर स्कूल, चेन्नै में दक्षिण अँचल अबिलिंपिक कार्यक्रम	08	07	15
59	7 दिसंबर 2013	नेम्मेली, चेन्नै में सरकारी पाठशाला स्वयं सेवकों के लिए अबिलिंपिक्स कार्यक्रम	40	00	40
60	11 दिसंबर2013	कृपा होम, काँचीपुरम में बुनाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	15	00	15
61	11-13 दिसंबर 2013	पुदुच्चेरी में बहुविकलांग बच्चों के लिए संवेदिक एकीकरण थिकित्सा	17	33	50
62	12-13 दिसंबर 2013	बहुविकलांग व्यक्तियों की पहचान पर आंगनवाड़ी मजदूरों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम, अगारताला, त्रिपुरा	0	930	930
63	17 दिसंबर 2013	उमा एजुकेशनल एवं टेक्निकल सोसाइटी, एनाम् में डीटीपी, फोटोशॉप एमएस ऑफिस पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	13	08	21
64	18 दिसंबर 2013	सत्या स्पेशनल स्कूल, पुदुच्चेरी में आभूषण/सूखा फूल पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	00	20	20
65	20 दिसंबर 2013	अन्नै तेरेसा समाज कल्याण फाउण्डेशन, तंजाऊर में जूट उत्पादों पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	08	12	20
66	20 दिसंबर 2013	बच्चों का मानसिक मंदन का दिन पाठशाला, पटना में कागज़ उत्पादन पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	20	05	25
67	23 दिसंबर 2013	डॉ. के.वी.आर. रिसर्च फाउण्डेशन फार हेल्थ एण्ड रिहाबिलिटेशन, अमलापुरम आन्ध्र प्रदेश में सिलाई / फेशन डिजानिंग पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	18	08	26
68	24दिसंबर2013	स्कार्फ, चेन्नै में टेक्सटाइल प्रिंटिंग पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	09	11	20
69	24 दिसंबर 2013	आदिराज कल्याण शिक्षा सोसाइटी, विशाखपटनम में आभूषण बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	00	25	25
70	8 जनवरी 2014	विशेष आवश्यकताओं के लिए सदय स्कूल, पुदुच्चेरी में आभूषण बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	11	09	20
71	9-11 जनवरी 2014	आन्ध्र प्रदेश में बहु विकलांग बच्चों के लिए पाठ्यचर्या और अनुदेश	30	25	55
72	10 जनवरी 2014	शिक्षा और आर्थिक विकास सोसाइटी की आवश्यकता, गुण्टूर, आन्ध्र प्रदेश में खाद्य संसाधन पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	12	08	20
73	10 जनवरी 2014	रायल फाउण्डेशन, बिहार में स्क्रीन प्रिंटिंग पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	17	08	25
74	10 जनवरी 2014	अन्बालय, तिरुवोट्टियूर, चेन्नै में पायंदाज पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	15	05	20
75	15 जनवरी 2014	सोपान न्यास, मुम्बई में जूट थैली पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	23	02	25
76	15 जनवरी 2014	पीवीसी, तिरुवळ्ळुर में सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	22	08	30
77	16-18 जनवरी 2014	नई दिल्ली में बहुविकलांग और बधिरांधता पर राष्ट्रीय सम्मेलन सम्मिलन-आगे रास्ते का निर्माण	213	137	350

78	20 जनवरी 2014	पीवीपी, विरुदुनगर में आभूषण बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	23	05	28
79	21 जनवरी 2014	पीवीपी, तिरुवारूर में घरेलू उपकरण की मरम्मत पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	30	100	30
80	23-24 जनवरी 2014	बहुविकलांग वयस्कों के लिए स्व अधिवकृता	68	20	88
81	28 जनवरी 2014	पीवीपी, करूर में सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	01	24	25
82	28 जनवरी 2014	पीवीपी, करूर में मोबाइल मरम्मत पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	30	00	30
83	28 जनवरी 2014	विकलांग व्यक्तियों के लिए वेबसाइट अभिगम लक्षण पर कार्यशाला	14	06	20
84	29 जनवरी 2014	पीवीपी, नामक्कल में घरेलू उपकरणों की मरम्मत पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	30	00	30
85	29-31 जनवरी 2014	चेन्नै में रोधमुक्त वातावरण एवं उपागमन लेखापरीक्षा	12	17	29
86	3-4 फरवरी 2014	चेन्नै में शिक्षितता पर भाषा उत्तेजन	15	23	38
87	7-9 फरवरी 2014	बहु विकलांग और बधिरांधता युक्त व्यक्तियों के लिए पाठ्यचर्या में संशोधन	06	47	53
88	10 फरवरी 2014	शरोन सोसाइटी आफ स्पेशल स्कूल, पुदुच्चेरी में पायंदाज बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	08	12	20
89	10-12 फरवरी 2014	बधिरांध बच्चों के लिए पारगमन योजना	22	09	31
90	12-14 फरवरी 2014	चेन्नै में समाज विज्ञानों के अनुसंधान में एसपीएसएस का उपयोग	10	05	15
91	14 फरवरी 2014	विद्या विकासिनी आपरचूनिटी स्कूल, कोयमुत्तूर में खडिया बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	16	04	20
92	14 फरवरी 2014	चेन्नै में विकलांग व्यक्तियों के लिए खेल-कूद पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला	56	21	77
93	15 फरवरी 2014	अम्मा शैक्षिक न्यास, केरल में रासायनिक उत्पाद पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	11	15	26
94	20-21 फरवरी 2014	चिकित्सा पार्क : चिकित्सात्मक पुनर्वास में निम्न मूल्य उपकरणों की उपयोगिता	25	35	60
95	20-21 फरवरी 2014	बी.एड् प्रशिक्षणार्थियों के लिए हेचआरडी कार्यक्रम	05	15	20
96	22 फरवरी 2014	तमिलनाडु विकलांग फेडरेशन चारिटबिल ट्रस्ट, चेन्नै में विकलांग व्यक्तियों के लिए खेलकूद	22	09	31
97	24 फरवरी 2014	बधिरांध बच्चों के लिए खिलाने का क्षमता-विकास	22	09	31
98	26 फरवरी 2014	एडीएल, चेन्नै में दैनिक कार्यों में भाषा की सुविधा कराना	54	14	68
99	28 फरवरी 2014	वारांगल, आन्ध्र प्रदेश में 'बहुविकलांग : पहचान, हस्तक्षेप, प्रबन्धन एवं पुनर्वास' पर प्रान्तीय स्तर की कार्यशाला	153	71	224

100	3-5 मार्च 2014	विशेष आवश्यकताओं के अभिभावकों, वयस्कों, लड़कियों के लिए जूट रंगना एवं शीशा पेंटिंग पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	00	50	50
101	4-6 मार्च 2014	एएसडी के बच्चों के लिए भाषा उद्दीपन	50	19	69
102	10-12 मार्च 2014	नागपुर में सम्मिलित शिक्षा	27	23	50
103	10 मार्च 2014	केवीआर अनुसंधान फाऊण्डेशन, अमलापुरम, आन्ध्र प्रदेश में सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	18	08	26
104	11 मार्च 2014	उमा शैक्षिक एवं तकनीकी सोसाइटी, एनम, पुदुच्चेरी में बुनियादी संगणक प्रशिक्षण पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	13	08	21
105	12 मार्च 2014	पिंगलाक्षी पब्लिक वेल्फेर आर्गनैसेशन, निमापुरा, पुरी में सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	13	07	20
106	13 मार्च 2014	पिंगलाक्षी पब्लिक वेल्फेर आर्गनैसेशन, निमापुरा, पुरी में सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	18	02	20
107	13-15 मार्च 2014	पुदुक्कोट्टै में प्रमस्तिष्काल्मक पक्षाघात के बच्चों के लिए पाठ्यचर्या और अनुदेश	09	53	62
108	14-15 मार्च 2014	पूर्वी उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन-श्रवण क्षति और अतिरिक्त विकलांग व्यक्तियों पर उत्तम अभ्यास और पुनर्वास माडल-राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य	123	48	171
109	15 मार्च 2014	शिक्षा और आर्थिक विकास की माँगों की सोसाइटी, तंजाऊर में सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	12	08	20
110	17-19 मार्च 2014	इशारे की भाषा, ब्रेइल और दिग्विन्यास एवं चलन	08	64	72
111	21 मार्च 2014	अन्नै तेरेसा समाज कल्याण फाउण्डेशन, तंजाऊर में खाद्य पदार्थ प्रक्रम पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	08	12	20
112	21 मार्च 2014	पुदुवाष्वु परियोजना, तंजाऊर में जूट उत्पाद पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	30	00	30
113	20-21 मार्च 2014	फिनाइल एवं साबुन तेल पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	22	03	25
114	20-22 मार्च 2014	बधिरांध बच्चों के लिए पाठ्यचर्चा और अनुदेश	13	13	26
115	20 मार्च 2014	गति विषयक विकलांग बच्चों के लिए गृह आधारित प्रबन्धन प्रशिक्षण	03	27	30
116	22 मार्च 2014	शांति निलयम्, नागरकोविल में घरेलू उपकरणों की मरम्मत पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	22	08	30
117	22 मार्च 2014	जोति निलयम्, नागरकोविल में कागज कप बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	20	05	25
118	24 मार्च 2014	पुदुवाष्वु परियोजना, विरुदुनगर में साबुन पाउडर बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	23	05	28
119	24-25 मार्च 2014	सम्मिलित शिक्षा, चेन्नै	00	35	35
120	25 मार्च 2014	बेतषन स्पेशल स्कूल, मदुरै में आभूषण बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	20	00	20

121	26 मार्च 2014	स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ तिरुच्चिरापल्ली में रासायनिक उत्पादों पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	22	09	31
122	26 मार्च 2014	सिरगुगळ अभिभावक संघ, तिरुच्ची में जूट उत्पाद पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	21	04	25
123	26 मार्च 2014	पुदुवाषवु परियोजना, करूर में सुपारी पत्ते पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	02	23	25
124	26 मार्च 2014	पुदुवाषवु परियोजना, नामक्कल में सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	13	07	20
125	26-28 मार्च 2014	बहुविकलांग बच्चों के लिए पाठ्यचर्या और अनुदेश	17	37	51
126	28 मार्च 2014	बहु विकलांग बच्चों में संचार सरलीकरण	27	24	51
127	29-31 मार्च 2014	बहु विकलांग बच्चों के लिए प्रबन्धन में व्यावसायिक चिकित्सा परिप्रेक्ष्य	25	35	60
		कुल	**3210**	**3720**	**6930**

अभिभावकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागियों की संख्या		कुल
			पुरुष	स्त्री	
1	16 अप्रैल 2013	क्षमता प्रशिक्षण में बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए मेकोट्रानिक उपकरण का प्रयोग	03	06	09
2	अप्रैल 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	19	19
3	अप्रैल 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	07	07
4	अप्रैल 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	06	06
5	मई 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	07	07
6	मई 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	03	03
7	जून 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	06	06
8	जून 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	06	06
9	जून 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	06	06
10	जुलाई 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	06	06
11	जुलाई 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	06	06
12	जुलाई 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	06	06
13	अगस्त 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	05	05
14	अगस्त 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	06	06

15	अगस्त 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	05	05
16	25 अगस्त 13	विकलांग व्यक्तियों के प्रबन्धन पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	02	13	15
17	सितंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	05	05
18	सितंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	06	06
19	सितंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	05	05
20	अक्तूबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	05	05
21	अक्तूबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	06	06
22	अक्तूबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	05	05
23	नवंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	05	05
24	नवंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	06	06
25	नवंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	05	05
26	नवंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई) चौथा दल	00	21	21
27	दिसंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	05	05
28	दिसंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	04	04
29	दिसंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	05	05
30	दिसंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	00	04	04
31	दिसंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	00	04	04
32	दिसंबर 13	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	21	21
33	21 दिसंबर 2013	एमआर व्यक्तियों के प्रबन्धन में अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	31	01	32
34	23-24 दिसंबर 2013	खिलाने के तकनीक पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	00	20	20
35	जनवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	05	05
36	जनवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	04	04
37	जनवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	05	05
38	जनवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	00	04	04

39	जनवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	00	04	04
40	जनवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई) चौथा दल	00	21	21
41	फरवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	05	05
42	फरवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	04	04
43	फरवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	05	05
44	फरवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	00	04	04
45	फरवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	00	04	04
46	फरवरी 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई) चौथा दल	00	21	21
47	1 मार्च 14	आत्म विमोह वर्णक्रम अव्यवस्था के बच्चों के अभिभावकों के लिए कार्यशाला	30	60	90
48	5 मार्च 14	प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात और बहु विकलांग बच्चों के लिए गृह कार्यक्रम का प्रबन्धन	01	33	34
49	21 मार्च 14	आत्म विमोह वर्णक्रम अव्यवस्था के अभिभावकों के लिए गृह आधारित प्रबन्धन	04	42	46
50	मार्च 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई)	00	05	05
51	मार्च 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (रसायन उत्पादन इकाई)	00	04	04
52	मार्च 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (जूट उत्पादन इकाई)	00	05	05
53	मार्च 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	00	04	04
54	मार्च 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	00	04	04
55	मार्च 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई) चौथा दल	00	21	21
56	मार्च 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय उत्पादन कार्यक्रम (सिलाई और एम्ब्राइडरी इकाई) चौथा दल	00	05	05
		कुल	**71**	**515**	**586**

दिग्विन्यास और ज्ञान कार्यक्रम

क्र.सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागियों की संख्या		कुल
			पुरुष	स्त्री	
1.	1 अप्रैल 2013	चेट्टिनाडु अस्पताल & अनुसंधान संस्थान, चेन्नै के एमबीबीएस छात्रों को बहुबिकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	18	04	22
2.	10 अप्रैल 2013	चेट्टिनाडु अस्पताल & अनुसंधान संस्थान, चेन्नै के एमबीबीएस छात्रों को बहुबिकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	11	06	17
3.	17 अप्रैल 2013	एनआईवीएच, चेन्नै के बी.एड विशेष शिक्षा (VI) छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	15	07	22
4.	19 अप्रैल 2013	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के समाज सेवकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	16	04	20
5.	22 अप्रैल 2013	लूसिया सेन्टर फॉर दि डिफरेन्टीली एबिल्ड, चेन्नै के अधिकारियों के बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	14	07	21
6.	8 मई 2013	एसआरएम विश्व विद्यालय के वाक् - श्रवण छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	00	10	10
7.	16 मई 2013	तमिलनाडु खुला विश्व विद्यालय, चेन्नै के बी.एड, (हेचआई) के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	08	16	24
8.	16 मई 2013	एमजीआर सरकारी हायल सेकण्डरी स्कूल, चेन्नै बी.एड. विशेष शिक्षा (हेचआई) के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	18	16	36
9.	20-21 मई 2013	श्रीरामचन्द्र मेडिकल कॉलेज के बी.एससी. (वाक्-श्रवण) छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	00	10	10
10.	18 जून 2013	चेट्टिनाड अस्पतला & अनुसंधान संस्थान, चेन्नै के एमबीबीएस छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	10	16	26
11.	18 जून 2013	बानियन अकादमी ऑफ लीडरशिप इन मेण्टल हेल्थ, चेन्नै के एमए (सोशियल वर्क) छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	08	06	14
12.	1 जुलाई 2013	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के एनएसएस समन्वयकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	13	11	24
13.	5 जुलाई 2013	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के एनएसएस अधिकारियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	10	13	23
14.	9 जुलाई 2013	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के एमएसडब्ल्यू के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	31	11	42
15.	20 अगस्त 2013	स्पास्टिन, चेन्नै के बी.एड. (एमआर) छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	28	12	40

16.	21 अगस्त 2013	हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स & साइन्स, मुहम्मद सताक कॉलेज ऑफ आर्ट्स & साइन्स और मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के प्रथम वर्ष के एमएसडबल्यू के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	33	22	55
17.	22 अगस्त 2013	एसआरएम कॉलेज ऑफ फिसियोथेरापी, चेन्नै के बीपीटी छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	01	04	05
18.	23 अगस्त 2013	सेन्ट जोसफ कॉलेज, चेन्नै के एमएसडबल्यू के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	03	06	09
19.	27 अगस्त 2013	राजाजिन कॉलेज ऑफ सोशियल साइन्स, एर्णाकुळम् के बीएसडबल्यू के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	15	17	32
20.	30 अगस्त 2013	श्री साईराम सिद्धा मेडिकल कॉलेज ऑफ रिसर्च सेन्टर, चेन्नै के बीएसएमएस के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	32	24	56
21.	4 सितंबर 2013	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के एनएसएस समन्वयकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	19	20	39
22.	4 सितंबर 2013	ओसै एनजीओ, अरियलूर के सीडीएफ कार्यकर्ताओं को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	13	10	23
23.	13 सितंबर 2013	वी-एक्सल शैक्षिक न्यास, चेन्नै के ईसीएसई – एमआर छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	15	05	20
24.	16 सितंबर 2013	मद्रास स्कूल ऑफ़ सोशियल वर्क, चेन्नै के एनएसएस समन्वयकों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	20	02	22
25.	17 सितंबर 2013	एसवीनिरतार, उडीसा के बीपीओ अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	23	03	26
26.	18 सितंबर 2013	चेट्टिनाड अस्पताल & अनुसंधान संस्थान, चेन्नै के एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	20	09	29
27.	18 सितंबर 2013	चेट्टिनाड अस्पताल & अनुसंधान संस्थान, चेन्नै के एमबीबीएस को द्वितीय वर्ष के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	18	11	29
28.	20 सितंबर 2013	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, केळम्बाक्कम, चेन्नै के एनएसएस समन्वयकों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	08	08	16
29.	25 सितंबर 2013	भुवन कृष्ण मेट्रिक हायर सेकण्डरी स्कूल, केळम्बाक्कम्, चेन्नै के 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	13	15	28
30.	26 सितंबर 2013	आईईपीसी, कडलूर के समन्वयकों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	17	04	21
31.	26 सितंबर 2013	अपोस्टोलिक कार्मेल किस्त किंग गर्ल्स हायर सेकण्डरी स्कूल, ताम्बरम, चेन्नै के एनएसएस छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	14	14	28

32.	30 सितंबर 2013	पठन विकलांग पर कल्पाक्कम में दिग्विन्यास कार्यक्रम	34	08	42
33.	4 अक्तूबर 2013	चेट्टिनाड अस्पताल और अनुसंधान संस्थान, चेन्नै के एमबीबीएस और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	15	12	27
34.	9 अक्तूबर 2013	तमिलनाडु निश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	26	00	26
35.	13 अक्तूबर 2013	तमिलनाडु निश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	20	00	20
36.	24 अक्तूबर 2013	विकलांगों के लिए पीवीडी – सीडीएफ इण्टग्रेटेड शिक्षा उन्नति परिषद् सेवा केन्द्र को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	13	13	26
37.	25 अक्तूबर 2013	श्री रामचन्द्र विश्व विद्यालय के एम.फिल. (चिकित्सा मनोविज्ञान) के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	13	00	13
38.	13 नवंबर 2013	लाइव वायस लर्निंग, चेन्नै के विशेष शिक्षकों/परामर्श दाताओं को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	02	00	02
39.	21 नवंबर 2013	आत्तूर, कांचीपुरम जिला में आद्य हस्तक्षेप - बढ़ते कदम V – ज्ञान अभियान	05	145	150
40.	28 नवंबर 2013	हैदराबाद के विकलांगों के पुनर्वास के लिए हेलन केल्लर संस्थान के बी.एड. विशेष शिक्षा (हेचआई) के प्रशिक्षणार्थियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	15	01	16
41.	29 नवंबर 2013	विकलांगों के लिए लाइफ हेल्थ केन्द्र, चेन्नै के डी.एड., विशेष शिक्षा और डीसीआर – एमआर के प्रशिक्षणार्थियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	00	16	16
42.	4 दिसंबर 2013	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	16	00	16
43.	10 दिसंबर 2013	रागास स्कूल ऑफ नर्सिंग, चेन्नै के नर्सिंग डिप्लोमा छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	00	10	10
44.	12 दिसंबर 2013	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	23	00	23
45.	19 दिसंबर 2013	पुदु वाषवु तिट्टम, कडलूर के आईईपीसी स्वयंसेवकों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	18	00	18
46.	8 जनवरी 2014	अंधों के लिए सरकारी प्रशिक्षण स्कूल के बी.एड. विशेष प्रशिक्षणार्थियों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	09	09	18
47.	10 जनवरी 2014	एनआईवीहेच, देहरादून के बी.एड. (हेचआई) को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	17	19	36

48.	16 जनवरी 2014	नेहरू कॉलेज ऑफ नर्सिंग, तिरुनेलवेली के एम.एससी (मनश्चिकित्सीय नर्सिंग) छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	00	05	05
49.	16 जनवरी 2014	मोन्ट्फोर्ट सेन्टर फॉर एजुकेशन, मेघालय के डी.एड. विशेष शिक्षा – हेचआई और वीआई छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	47	05	52
50.	23 जनवरी 2014	मदर तेरेसा महिला विश्व विद्यालय के बी.एड. विशेष शिक्षा (एमआर) और एम.एड. छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	00	21	21
51.	3 फरवरी 2014	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के एनएसएस एम्पैनेल्ड प्रशिक्षण संस्थान, के कालेज के प्राध्यापकों को बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	22	01	23
52.	4 फरवरी 2014	एओईजे एनहेचहेच/एसआरसी, सेकन्द्राबाद के बी.एससी (एएसएलपी) के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	28	02	30
53.	5 फरवरी 2014	चेट्टिनाड मेडिकल कालेज, चेन्नै के एमबीबीएस छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	13	13	26
54.	7 फरवरी 2014	ईश्वर इन्स्टिट्यूट ऑफ प्रोस्थेटिक्स और आर्थोटिक्स, चेन्नै के पी & ओ छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	05	00	05
55.	7 फरवरी 2014	पी & ओ राष्ट्रीय केन्द्र, बयोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग,स्काटलैंड के पी & ओ छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	05	02	07
56.	12 फरवरी 2014	आल्फा ओमेगा पठन केन्द्र, चेन्नै के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	27	00	27
57.	17 फरवरी 2014	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के एनएसएस एम्पैनल्ड प्रशिक्षण संस्थान, के कॉलेज प्राध्यापकों को बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	17	02	19
58.	25 फरवरी 2014	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के एनएसएस एम्पैनल्ड प्रशिक्षण संस्थान, के कॉलेज के प्राध्यापकों को बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	15	02	17
59.	26 फरवरी 2014	चेट्टिनाड मेडिकल कॉलेज, चेन्नै के एमबीबीएस छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	15	16	31
60.	26 फरवरी 2014	पुदुवाषवु परियोजना के समुदाय विकलांग सुसाध्यकों को आद्य पहचान, रोकथाम और हस्तक्षेप पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	188	402	590
61.	28 फरवरी 2014	तिरुच्चिराप्पल्ळी के स्पास्टिक सोसाइटी के डी.एड. विशेष शिक्षा (सीपी) छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	26	04	30
62.	5 मार्च 2014	ईश्वर इन्स्टिट्यूट ऑफ प्रोस्थेटिक्स और आर्थोटिक्स, चेन्नै, के बीपीओ छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	05	02	07
63.	6 मार्च 2014	स्टानली मेडिकल कॉलेज, चेन्नै के ऑटोमेट्रो के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्‌विन्यास कार्यक्रम	03	02	05

64.	10 मार्च 2014	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क, चेन्नै के एनएसएस एम्पेनल्ड प्रशिक्षण संस्था के कॉलेज के प्राध्यापकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	15	00	15
65.	12 मार्च 2014	बाल विहार प्रशिक्षण स्कूल, चेन्नै के डी.एड. विशेष शिक्षा (एमआर) के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	09	00	09
66.	13 मार्च 2014	एनआईएमहेच, क्षेत्रीय केन्द्र, मुम्बई के डीवीआर (एमआर) के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	10	01	11
67.	13 मार्च 2014	एनआईएण हेच क्षेत्रीय केन्द्र मुम्बई के डीवीआर (एमआर) तथा अगये पुनर्वास केन्द्र, चेन्नै के पुनर्वास व्यावसायिकों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	02	02	04
68.	20 मार्च 2014	मामल्लन इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नालोजी के एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	65	00	65
69.	27 मार्च 2014	चेट्टिनाड अस्पताल : अनुसंधान संस्थान, चेन्नै के एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	15	13	28
70.	28 मार्च 2014	चेट्टिनाड अस्पताल : अनुसंधान संस्थान, चेन्नै के एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	16	13	29
71.	28 मार्च 2014	मास्टर प्रशिक्षक, दिम्डुकल को आद्य पहचान, हस्तक्षेप और रोकथाम पर दिग्विन्यास कार्यक्रम और अंगनवाडी उपकरणों का वितरण	00	40	40
		कुल	**1238**	**1106**	**2344**

अनुबंध-2

कार्यशालाओं/सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिये प्राध्यापकों/अधिकारियों की स्थान सूची

क्रम सं.	प्राध्यापक का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	संयोजक	स्थान
1.	श्रीमती बी. लीलावती श्री स्टालिन डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	"एक सम्मिलित भविष्य की ओर" पर आईसीडीवीआई और डीबीएल का दूसरा संयुक्त सम्मेलन	बीपीए द्वारा भारत में आईसीवीआई & डीबीएल द्वारा आयोजित	अहमदाबाद, गुजरात
2.	श्री पी. कामराज	पीढी ओई शिक्षार्थियों के लिए एप्रोचस कौशल पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विद्यालय	चेन्नै
3.	श्रीमती बी. लीलावती श्री राजेश रामचन्द्रन श्रीमती आई.जी. अनुसूया श्री डी. स्टालिन डॉ. के. बालभास्कर	बधिरांध बच्चों के संचार मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यशाला	एनआईईपीएमडी & सेन्स इन्टरनेशनल	चेन्नै
4.	डॉ. के. बालभास्कर श्री अफ्रोज आलम	प्रधान मंत्री राष्ट्रीय परिषद् क्षमता विकास कार्यक्रम पर कार्यशाला	एनआईपीएमडी	चेन्नै
5.	डॉ. एम.के. टोमी	तमिलनाडु सरकार की भर्ती के लिए बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए समान मौके	असमान शक्तियालों के लिए चेन्नै प्रान्तीय आयुक्त, तमिलनाडु सरकार & एनआईवीहेच-आरसी	
6.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	बहुविकलांग और अन्य विकलांग बच्चों के लिए पाठ्यचर्या विकास	एनसीईआरटी और एसएसए	बंगलूर
7.	श्री एम. राजेश	सोल साफ्टवेयर 2.0 के प्रतिष्ठापन और प्रचालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	इनफिलबनेट	अहमदाबाद, गजरात
8.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	आद्य हस्ताक्षेप पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	मधुरम नारायण केन्द्र	चेन्नै
9.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	उत्पत्तिमूलक परामर्श और जीन परीक्षण परिसंवाद	शंकर नेत्रालय अकादमी	चेन्नै
10.	श्री स्टालिन अरुल रीगन श्रीमती सोफियावाणी	बधिरांधता और बहुविकलांगों पर राष्ट्रीय सम्मेलन	एनआईईपीएमडी & सेन्स इन्टरनेशनल	नई दिल्ली
11.	डॉ. नीरधावन्द्रमोहन श्री शंकरनारायणन श्री एम. राजेश	ई-गवर्नन्स पर सत्रहवाँ राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रशासनिक सुधार & व्यक्तिगत शिकायतें विभाग, भारत सरकार तथा आई.टी. विभाग, केरल सरकार	कोचिन, केरल

12.	डॉ. नीरधा चन्द्रमोहन (मुख्य अतिथि)	चौथा अखिल भारतीय केन्द्र सरकार बधिर कर्मचारी एसोसिएशन की राष्ट्रीय संगोष्ठी	केन्द्र सरकार बधिर कर्मचारी एसोसिएशन	चेन्नै
13.	डॉ. के. बालभास्कर, श्रीमती सी. माला	3 फर्वरी 2014 को राजीव गाँधी युवा विकास का राष्ट्रीय संस्थान द्वारा सार्क युवा चाप्टर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी	आरजीएनआईओईडी	चेन्नै
14.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	मन का शिखर	आरसीआई	नई दिल्ली
15.	श्रीमती एस. सोफिया वाणी	एमडी का अकेले खाना	विद्यासागर और पेर्किन्स इण्टरनेशनल	चेन्नै
16.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	आद्य पहचान और हस्तक्षेप	पेब्बिल्स स्पेशल स्कूल, चेन्नै	चेन्नै
17.	श्री एस. कार्तिकेयन	चिकित्सा मनोवैज्ञानिकों के भारतीय एसोसिएशन का राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन	चिकित्सा मनोवैज्ञानिक का विभाग, एसआरएम विश्वविद्यालय	चेन्नै
18.	श्री नचिकेता रौट	अतिरिक्त विकलांग व्यक्तियों पर पूर्वी उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन	एनआईईपीएमडी और एओईजेएनआईहेचहेच	शिल्लांग, मेघालय
19.	श्रीमती आई.जी. अनुसूया	निर्दिष्ट पठन विकलांग पर कार्यशाला	एनआईईपीएमडी	चेन्नै

प्राध्यापकों द्वारा प्रपत्र प्रस्तुति

क्र.सं.	प्राध्यापक का नाम	कार्यक्रम/प्रपत्र का शीर्षक	विषय	संयोजक
1.	श्रीमती बी. लीलावती श्री डी. स्टालिन	"सम्मिलित भविष्य की ओर" आईसीईवीआई और डीबीएल का दूसरा संयुक्त सम्मेलन	बहुविकलांग बच्चों में युक्ति क्षमता बढाने में बागवानी का प्रभाव	बीपीए द्वारा भारत में आईसीईवीआई और डीबीएल द्वारा
2.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	"सम्मिलित भविष्य की ओर" आईसीईवीआई और डीबीएल का दूसरा संयुक्त सम्मेलन	समापन टिप्पणी	बीपीए द्वारा भारत में आईसीईवीआई और डीबीएल द्वारा
3.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	मानसिक चुनौतीपूर्ण व्यक्तियों के लिए सम्मिलित पाठ्यचर्या	बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए सम्मिलित शैक्षिक पाठ्यचर्या का विकास	एससीईआरटी, तिरुवनन्तपुरम

4.	डॉ. के. बालभास्कर श्री डी. राजकुमार	विकलांग अध्ययन में आचरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन	स्वतंत्र जीवन क्षमताएँ और बहु विकलांग वयस्कों के लिए एक सफल प्रक्रिया	पांडिचेरी विश्व विद्यालय, पुदुच्चेरी
5.	डॉ. के. बालभास्कर	विकलांग मामले पर बोध सर्जन पर ईस्टर क्षेत्रीय कार्यशाला	एनआईईपीएमडी की भूमिका	एसवीनिरतार कट्टाक, उडीसा
6.	डॉ. एम.के. टोमी	रोजगारी में विकलांग व्यक्तियों के लिए समान मौके	असमान शक्तिशाली व्यक्तियों की रोजगारी में उनके कार्य वातावरण : समस्याएँ और समाधान लोकोमोटर विकलांग	पीडब्ल्यूडी के लिए प्रान्तीय आयुक्त का कार्यालय
7.	डॉ. के बालभास्कर	बहुविकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास पर पूर्वी उत्तर सम्मेलन	डीडीए, एमएसजे और ई, भारत सरकार द्वारा योजनाएँ, कार्यक्रम कार्यान्वयन	गुवाहाटी, आसाम
8.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	विकलांगों पर कार्यशाला	विकलांगों के कारण और आद्य हस्तक्षेप	एमजी विश्वविद्यालय कोट्टयम, केरल
9.	डॉ. के. बालभास्कर	प्रधान मंत्री का राष्ट्रीय क्षमता विकास कार्यक्रम		शास्त्रीय भवन, नई दिल्ली
10.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूल के बच्चों में किशोरावस्था के मामले और चुनौतियाँ		एनसीईआरटी, नई दिल्ली
11.	श्री नचिकेता राउट	बहुविकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास पर राष्ट्रीय सम्मेलन	1. बहुविकलांगों के प्रबन्धन पर व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य 2. गतिविभ्रम सीपी के एक बच्चे का प्रबनधन : एक प्रतिअनुशासनिक एप्रोच 3. बहुविकलांगों का अभिभावक परिप्रेक्ष्य 4. भारत में बने निम्न कीमत की बहु उपयोगी श्रवण यंत्र	नई दिल्ली
12.	श्रीमती आई.जी. अनुसूया	"असमान शक्तियों के व्यक्ति - चुनौतियाँ और हस्तक्षेप" पर राष्ट्रीय सम्मेलन	पठन विकलांगों के बच्चों का मूल्यांकन और प्रबन्धन	वीएसयु, नेल्लूर आन्ध्र प्रदेश

13.	श्री पी. रघुराम	सम्मिलित शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन	संवेदिक एकीकरण	नेल्लूर, आन्ध्र प्रदेश
14.	श्री स्टालिन अरुळ् रीगन और श्रीमती सोफिया वाणी	बधिरांधता और बहुविकलांगों पर राष्ट्रीय सम्मेलन	बहुविकलांग बच्चों के लिए पूर्व लेखन क्षमताओं का विकास करना	नई दिल्ली
15.	डॉ. के. बालभास्कर	हेच.आई, बौद्धिक चुनौती, बधिरांधता और बहुविकलांगों के युवा विकास के लिए जीवन वृत्ति विकास	बौद्धिक चुनौतियों के युवा व्यक्तियों के लिए नौकरी के मौके	क्लार्क स्कूल, चेन्नै
16.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	बधिरों के लिए क्लार्क स्कूल में सीआरई कार्यक्रम	बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए वयस्क जीवन को पारगमन ले जाता रास्ता	चेन्नै
17.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	सीआरई कार्यक्रम, V-एक्सेल, चेन्नै	आत्मविमोह के व्यक्तियों के लिए कक्षा में अनुकूलन	चेन्नै
18.	डॉ. के. बालभास्कर	हेचआई, बौद्धिक चुनौती, बधिरांधता और बहु विकलांगों के युवा विकास के लिए जीवन वृत्ति विकास	नौकरी नियोजन के पहले मूल्यांकन	चेन्नै
19.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी	रोकथाम और आद्य हस्ताक्षेप	समाज कल्याण विभाग	पुदुच्चेरी
20.	डॉ. के. बालभास्कर	भारतीय संदर्भ में सही व्यवहार बनाने में इन्वियन कौशल के प्रभावी कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय कार्यशाला	लक्ष्य 1, गरीबी कम करना और बहु विकलांग व्यक्तियों में पेशा विवरणिका और काम की वृद्धि करना	सेकन्द्राबाद
21.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी		बधिरांधता के कारण और रोकथाम	चेन्नै
22.	डॉ. जे. विजयलक्ष्मी		दृष्टि क्षति के बच्चों के लिए आद्य पहचान और आद्य हस्ताक्षेप	चेन्नै

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान
(एनआईईपीएमडी)

(अशक्तता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

ईसीआर, मुत्तुक्काडु, कोवळम् (पीओ), चेन्नै - 603 112

दूरभाष : 044-27472113/2046, फैक्स : 044-27472389

ई मेल: **niepmd@gmail.com** वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in